



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY.

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 43]  
No. 43]

नई दिल्ली, गुरुवार, सितम्बर 30, 1988/प्रादिव 8, 1910  
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 30, 1988/ASVINA 8, 1910

इस भाग के भिन्न पृष्ठ संख्या वी अली है जिससे कि यह जल्द संग्रहण के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वी इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउटेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1988

प्रधिकार

(चार्टर्ड एकाउटेन्ट)

संख्या : 1 सो.ए. (6)/039/83.—चार्टर्ड एकाउटेन्ट्स प्रधिकार, 1949 को धारा 18 की उपधारा (5) के अनुसार 31 मार्च, 1988 को समाप्त हुए वर्ष के लिये परिषद के अधिकारियों द्वारा तथा प्रतिवेदन की एक प्रति सर्व याचारण ही आवकारी हेतु, एन्ड्रहारा प्रकाशित की जा रही है।

आर.एस. चौपडा, सचिव

31 मार्च, 1988 को मुनाफा हुए वर्ष के लिए परिषद को 39वीं  
वार्षिक रिपोर्ट

चार्टर्ड एकाउटेन्ट्स प्रधिकार, 1949 को धारा 18(6) की  
व्यवस्थाओं के अनुसार, परिषद को अपनी 39वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत  
करते हुए हैं। इस रिपोर्ट में 31 मार्च 1988 को समाप्त हुए वर्ष

का लेखा-जोखा पर्व कार्यपालिक सूचनाएं तथा परिषद के सितम्बर, 1988  
तक के कार्यकारियों से संबंधित जानकारी समिक्षित है।

### 1. परिषद

1.1 परिषद तथा इसकी विभिन्न समितियों के सदस्य

13वीं परिषद, जिसमें कि पांच सोलीय मिवॉक्स लेवी से निर्विचित इंस्टीट्यूट के 24 सदस्य तथा 6 केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त सदस्य शामिल हैं, 17 सितम्बर, 1988 को 3 वर्ष की प्रवधि के लिए गठित की गई थी। इसकी प्रवधि 16 सितम्बर, 1988 को समाप्त हो गई है तथा नई (14वीं परिषद) 17 सितम्बर, 1988 को अपना पदभार ग्रहण करेगी। वर्ष के दोरान परिषद तथा इसकी समितियों की संस्कारण परिषिष्ट-1 में दो नई हैं। इंस्टीट्यूट की गतिविधियों में, प्रधिकार से प्रधिक भाग भी हेतु, अस्याद्य समितियों में, उद्योगों में लागे सदस्यों की समायोजित प्रक्रिया के लिए अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष के दोरान उद्योगों में से 9 सदस्यों को समायोजित किया गया।

### 1.2 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

16 सितम्बर, 1987 तक श्री आर. बालाहृष्णन और श्री एस.के.  
दासगुप्ता, कमल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बने रहे। परिषद में, सितम्बर

1987 में हुई घटनों बैठक में श्री एस.के. दासगुप्ता और श्री के.जी. संकाळी को 12 सितम्बर, 1987 में एक ताल को अधिकार के लिये नाम संसद अधिकार श्रीर उपचारक चुना।

### 1.3 परिषद की बैठकें

वर्ष 1987-88 परिषद के लिये काफी स्वतंत्रता का वर्ष रहा। पर्याय के दरमियाम परिषद को 10 (इस) बैठकें हुई जो कि अपने-प्राप्त में एक कीर्तिमान है। इन इस बैठकों में से जार बैठकों में केवल विचाराधीन अनुसारात्मक सामनों पर विचार किया गया। एक बैठक में लिखा एवं प्रश्नाखण तुनवीनीकान समिति की रिपोर्ट पर विचार किया गया। बाकी बचे पांच बैठकों में इंस्टीट्यूट के नामांय विषयों पर विचार किया गया। इन बैठकों का विवरण नोचे तालिका में दिया गया है:—

बैठक संख्या	लियो दिनी	स्थान
123वीं	8, 9 और 10 अप्रैल, 1987	नई दिल्ली
124वीं	30 अप्रैल और 1 मई, 1987	नई दिल्ली
125वीं	1 और 2 जून, 1987	नई दिल्ली
126वीं	16, 17 और 18 जूलाई, 1987	नई दिल्ली
127वीं	3, 4 और 5 अगस्त, 1987	नई दिल्ली
128वीं	14, 15, 16 और 17 सितम्बर, 1987	नई दिल्ली
129वीं	30 और 31 अक्टूबर, 1987	नई दिल्ली
130वीं	26, 27 और 28 नवम्बर, 1987	नई दिल्ली
131वीं	29, 30 और 31 दिसम्बर, 1987	नई दिल्ली
132वीं	11, 12 और 13 फरवरी, 1988	जयपुर

### 2. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

#### 2.1 अन्तर्राष्ट्रीय सेवापाल संघ

(अ) सेवापालों का अन्तर्राष्ट्रीय संघ (आई.ए.ए.सी.) को पहली बैठकी की 11 अक्टूबर, 1987 की दोकी, जापान में बैठक हुई। इस बैठक में, नियोकित 15 देशों को आई.ए.ए.सी. की नई परिषद के लिये, अक्टूबर, 1992 को समाप्त होने वाले पांच वर्ष की अधिक हेतु चुना गया।

आई.ए.ए.सी.	संविस्करण
आजीस-	नीदरलैण्ड
कनाडा-	स्कॉलिस्ट
फ्रांस-	सिग्नपुर
जर्मनी-	सर्वाइन
भारत-	भूगोल विज्ञान
धारापाल-	संयुक्त राज्य अमेरिका
केनिया	

असैम्बर्ली ने, आई.ए.ए.सी. के संविधान में क्रांति संशोधनों को भी अपनी स्वीकृति दे दी।

(ब) आई.ए.ए.सी. को, नई परिषद की 15 अक्टूबर, 1987 की दोकी, जापान में बैठक हुई। इस बैठक में आई.ए.ए.सी. की समितियों का पुनर्गठन किया गया। भारत ने लिखा समिति, अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षितिंग प्रैक्टिसेशन समिति और वित्तीय एवं प्रबन्ध सेवाकान समिति में आपनी सदस्यता जरकार रखा।

(स) श्री प.से. अकवरी, कलकत्ता, जो कि इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध रह पुके हैं, आई.ए.ए.सी. को परिषद में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

(ट) श्री प.ए. नाथ, बम्बई, जो इंस्टीट्यूट के एक भूतपूर्व प्रबन्धक है, आई.ए.ए.सी. को शर्तार्थीय शिक्षितिंग प्रैक्टिसेशन समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

(य) श्री भार. बाबूगुलाम, मध्या, इंस्टीट्यूट के एक भूतपूर्व प्रबन्धक, आई.ए.ए.सी. को अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षितिंग प्रैक्टिसेशन समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

#### 2.2 अन्तर्राष्ट्रीय सेवाकान मानक समिति

इंस्टीट्यूट, अन्तर्राष्ट्रीय सेवाकान मानक समिति का सदस्य बना रहा है।

2.3 आई.ए.ए.सी. भीर आई.ए.ए.सी. के बीच संबंधों का पूर्वान्तरोकरण

आई.ए.ए.ए.सी. भीर आई.ए.ए.सी. के बिलय का इन दोनों के बीच और प्रधिक निकटता लाने के उद्देश्य से बल्ह कांग्रेस के द्वारा, आई.ए.ए.ए.सी. को परिषद में तथा आई.ए.ए.ए.सी. के बोर्ड में प्रतिनिधित्व कर रही संसदीयों के प्रतिनिधित्व के प्रयोगों का एक बैठक हुई। बैठक में नियन्त्रित उद्देशी के लिये एक कार्यद्रव्य का स्थापना का प्रस्ताव पारित किया गया।

—सदस्यों तथा अन्तर्राष्ट्रीय ध्यावार अनुसन्धान का व्यावधानीयताओं का पूर्ति हेतु आई.ए.ए.सी. भीर आई.ए.ए.सी. को कार्य-प्रयोगनामों (वर्तमान और प्रयोगित) पर विचार करना।

—प्रत्यक्षिक कम लागत पर दोनों संसदीयों के उद्देशों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इस प्रकार पर विचार करना।

—यदि उचित हो तो रखनात्मक आई.ए.ए.सी. संविधानिक परिवर्तन और काइरनेशन के परिवर्तन तरीकों को सिफारिश करना।

इस कार्यवल में, नी प्रत्य देशों के समावाद भारत भी सदस्य बना गया है। श्री एस.के. दासगुप्ता, कलकत्ता, कार्य वल के सदस्य हैं।

#### 2.4 एशियाई एवं प्रशास्त्र सेवापालों का महासंघ (सी.ए.पी.ए.)

भारत का, हमारी सिस्टर इंस्टीट्यूट द्वारा इंस्टीट्यूट आफ कॉस्ट एवं बहसं एकाउटेंट्स आफ इंडिया के माध्यम से, एशिया एवं प्रशास्त्र सेवापालों के महासंघ की कार्यकारी समिति में प्रतिनिधित्व बना रहा है।

#### 2.5 दक्षिण एशियाई सेवापालों का संघ (एस.ए.ए.ए.)

(अ) वर्तमान समय में, श्री एस.के. दासगुप्ता, इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध एस.ए.ए.ए. (साफा) की असैम्बरी में इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। श्री के.जी. सोमानो, इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष साफा की तकनीकी मानक समिति के समाप्ति हैं। यह समिति, सदस्य देशों में तकनीकी मानक का तुलनात्मक अध्ययन करने में लगी हुई है।

(ब) दक्षिण एशियाई सेवापालों का संघ (साफा) की असैम्बरी, की एक बैठक 5 दिसम्बर, 1987 को कोक्सबां, थांलेका में हुई। इस बैठक में इंस्टीट्यूट आफ थाईंड एकाउटेंट्स आफ बंगलादेश के श्री. मोहम्मद मुनुस, को वर्ष 1988 के लिये साफा का अध्यक्ष नियोजित किया गया। थाई देशी अध्यक्ष के प्रतिनिधि को उपाध्यक्ष नियोजित किया गया।

(स) साफा असैम्बरी को एक बैठक मई, 1988 में थाका, यंगन्देश में गायोजित की गई। असैम्बरी को बैठक के बाद 1 अप्रैल 2 जून, 1988 को साफा का रोसरा अधिवेशन शुरू हुआ। इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि के रूप में प्रबन्ध एस.एस.के. दासगुप्ता तथा उपाध्यक्ष

जो के जी. सोमानी ने बैठक में मार्ग लिया। परिषद के एक वरिष्ठ सदस्य, श्री ए. के. चक्रवर्ती ने अधिवेशन में एक दस्तावेज प्रस्तुत किया।

(इ) साका के सदस्य देखों के प्रतिनिधियों के लिये, इंस्टीट्यूट ने अपने मद्रास कम्प्यूटर केन्द्र में “एकाउंटिंग एवं आर्डिटिंग में कम्प्यूटर का योगदान” विषय पर एक 8-विद्यार्थीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों ने आर्यक्रम की कार्यक्रम सभी।

### 2.6 लेखापालों को 13वीं बल्ड कार्यक्रम

लेखापालों को 13वीं बल्ड कार्यक्रम, 11 से 15 नवम्बर, 1987 में दीक्षा, जापान में भ्रमणी हुई। कार्यक्रम का आयोजन, जापानी इंस्टीट्यूट एक सर्टीफाइड प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब-चार हजार प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंस्टीट्यूट का 13 (तेहर) सदस्यों प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व अध्यक्ष और एस.के. शास्त्रानुज ने किया। इंस्टीट्यूट के एक सदस्य श्री आर.एन. राय ने “मानारण श्री.ज्ञ.पी. सिस्टम का आर्डिट” पेपर पर सह-संयोजक की भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का विषय “कम्प्यूटर पर्यावरण में लेखापाल की भूमिका” थी जिसको ग्राति प्रावश्यक सदरों तथा ऐलिक सदरों में व्यवस्था की गई। कार्यक्रम की एक सराहनीय विशेषता यह थी कि कार्यक्रम के समस्त तकनीकी सत्र वृश्चक्षण-प्रस्तुतोकरण पर आधारित थे। कार्यक्रम के ही एक भाग के रूप में, एक व्यापार प्रवर्षनी का आयोजन किया गया। इस प्रवर्षनी में भविष्य में कामयाली में कम्प्यूटर और आवासी समरूप होकर साध-साध कीसे काम कर सकते हैं तथा कार्यालयों काम जारी को यंत्रोकरण किया तरह संगठनात्मक व्यवस्था सुधार में योगदान कर सकता है—जैसे विषयों पर विचार किया गया। कार्यक्रम के दूसरी विशेषता यह थी कि प्रतिनिधियों को ग्राहीयिक इकाइयों में जापानी उच्च तकनीकी सुविधाओं की देखभाव का अवसर मिला। इस प्रकार प्रतिनिधियों को, जापानी श्रीदौषिगिक इकाइयों में कार्य के प्रति सागर और सवालों दोनों ही वातों के साध-साध कम्प्यूटर उत्पादन, कारब्रानों के यंत्रोकरण, कार्यालयों उत्पादन के उत्पादन तथा सूचना-प्रणाली में नवीनतम त्रृतियों को देखने का अवसर मिला।

### 2.7 अस्तरांप्रीय तकनीकी वस्तुवेजों के प्रयुक्ति:

अस्तरांप्रीय लेखापाल संघ तथा अन्तर्रांप्रीय लेखाकान सानक समिति द्वारा जारी किये गये तकनीकी वस्तुवेजों पर इंस्टीट्यूट प्रपना दृष्टिकोण बदलावर प्रस्तुत करता रहा है।

### 3. आवासायिक विकास की गतिविधियाँ

#### 3.1 सामाजिक

परिवर्त-वर्ष अध्यति, 17 सितम्बर, 1987 से 18 सितम्बर, 1988 के मध्य इंस्टीट्यूट की परिषद द्वारा गठित विदित गैर-स्थायी समितियों के आवासायिक विकास संबंधी गतिविधियों का संवित विवरण निम्नस्तिवेत अनुच्छेदों में विद्या गया है। इस विवरण में 1 प्रवैल, 1987 से 18 सितम्बर, 1987 तक की अधिक के मध्य कार्यकालों का विवरण समिलित नहीं है क्योंकि इसका समावेश गत अर्थ प्रस्तुत 38वें वार्षिक प्रतिवेशन में कर दिया गया था। इसमें शोधीय समितियों और उकानों जाग्रातों के कार्यकालों का विवरण भी समिलित नहीं किया गया है।

#### 3.2 एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स बोर्ड

##### (ए) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स नियंत्रण

अनवरी 1979 में एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स के विवरण की प्रस्तुतता आरी की जाने के बाद से परिषद में लेखाकान के ग्राहीयिक वडु मुनियित मानक निर्मित किए हैं:—

- (1) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—1 “हिस्टोअर आक एकाउंटिंग पारिवौज” पर (ए.एस.—1) नवम्बर 1979।

(2) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—2 “वैस्यूट्यूट याक इन्वेनटरीज” पर (ए.एस.—2) जून 1981।

(3) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—3 “बैंक इन काइवेसिम योगोन” पर (ए.एस.—3) जून—1981।

(4) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—4 “कार्डिनेट्रैट्रैव एड इवेन्ट्स अर्टिंग प्राइटर दि बैंक गोड बैट” पर (ए.एस.—4) नवम्बर—1982।

(5) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—5 “प्रायर फैरिव एड एक्सट्रा आर्डिंग प्राइटिंग प्राइटर्स एड बैंक बैंक इन एकाउंटिंग पालिसीज” पर (ए.एस.—5) नवम्बर 1982।

(6) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—6 “डेप्रीसिएशन एकाउंटिंग” पर (ए.एस.—6) नवम्बर, 1982।

(7) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—7 “एकाउंटिंग कार कस्टम्यून आर्टिंग” पर (ए.एस.—7) दिसंबर, 1983।

(8) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—8 “एकाउंटिंग कार ट्रिप्यू एड डेकरमेंट” पर (ए.एस.—8) जून 1985।

(9) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—“रेव्य रिक्विशन” पर (ए.एस.—9) नवम्बर, 1985।

(10) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—10 “एकाउंटिंग कार फिल्ड एसेट” पर (ए.एस.—10) नवम्बर 1985।

उपरोक्त के प्रतिरिक्त बोर्ड ने “टर्म यूड इन फाइनेंशियल स्टेटमेंट पर मार्गीनल पत्र भी जारी किया है।

##### (ब) एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स का नियामन

एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स के प्रारंभ के अनुरूप इंस्टीट्यूट की परिषद ने सितम्बर 1986 में दुई चर्चा 130वीं बैठक में यह नियम किया कि एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—4 (ए.एस.—4) “कार्डिनेट्रैट्रैव एड इवेन्ट्स अर्टिंग प्राइटर दि बैंक गोड बैट” पर तथा एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स—5 (ए.एस.—5) “प्रायर फैरिव एड एक्सट्रा आर्डिंग प्राइटर्स एड एकाउंटिंग पालिसीज” पर इन इंस्टीट्यूट द्वारा नियमित भित्ति दिनांक 1-1-1987 को शुरू होने वाली ग्राहीय और उपरान्त के लिए सेक्युरिटीज के संबंध में अनिवार्य माने जाने चाहिए। यह भी नियम यह किया गया कि अन्य स्टैडर्ड्स को भी व्यापक रूप से अनु-वायर माना जाना चाहिए। एकाउंटिंग स्टैडर्ड्स की विद्युत प्रवार देने के विचार से एक प्रचार पुस्तकों बोर्ड द्वारा तैयार की गी है और उन्हें विभिन्न संगठनों में वितरित किया जाता है। पुस्तिकां में जोई के गठन उन्हें उद्देश्यों एवं लेखाकान मानकों का विवरण दिया गया है ताकि स्टैडर्ड्स के मंजूरी में पूर्ण परिषय प्राप्त हो सके।

##### (स) नियामनीषीन लेखाकान मानक

नियामनीषीन विषयों पर, मानक नियामन की विविध प्रक्रियाएँ हैं:—

(1) विवेदी मुद्रा विविध वर में परिवर्तन के कारणों पर लेखाकान

(2) आय पर करों के लिये लेखाकान

(3) सरकारी प्रमुखान तथा सरकारी सहायता की उद्दोषणा के लिए लेखाकान

(4) नियोजकों के वित्तीय स्टेटमेंटों में अंतर्गत प्राप्त जरूर पर होने वाले लाभों के लिये लेखाकान

(5) निवेदों के लिये लेखाकान

(6) आवार अमूह के लिये लेखाकान

## 3. 3 प्राइवेट प्रेक्षित्सेज समिति

(म) वैकों के प्राइवेट में लाग फार्म प्राइवेट रिपोर्ट पर भागवत्सक पत्र

भारतीय लिंग बैंक ने सन् 1985 में तार्जनीक लोडों के वैकों को सलाह दी थी कि वे अपने प्राइवेट से एक लाग फार्म प्राइवेट रिपोर्ट को भाग करें। इस ज्ञान द्वेष्टु लिंग बैंक ने दो प्रश्नावलियों दो जारी की। बैंक ने इन प्रश्नावलियों में सन् 1987 में संशोधन किया। इस प्रश्नावली समिति में भी प्रश्नावलियों में किये गए परिवर्तनों को समिलित जरूर के लिये कथित विषय पर अपने मार्गवर्णक पत्र में सुशार (परिवर्तन) किये हैं।

## (ब) राष्ट्रीयकृत वैकों के मामले में प्राइवेट रिपोर्ट

इस मामले से संबंधित वायर युक्तावों के विवार पर समिति ने राष्ट्रीयकृत वैकों के मामले में स्टेप्स्ट्री प्राइवेट की लिपोर्ट की कमरेवा वर्गुविचार किया और इसमें प्रत्येक प्रत्युषिताएं महसूस को गढ़े। इस तरह समिति ने राष्ट्रीयकृत वैकों के मामले में विकारियों को एक तरफ रखते हुए, एक मार्गवर्णक पत्र जारी किया है।

## (स) स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर स्टेप्स्ट्री और मार्गवर्णक पत्र

वर्ष के द्वितीय परिवर्तन में समिति द्वाया निमित्त स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर निम्नलिखित स्टेप्स्ट्री को प्रकाशन हेतु अपनी सहमति देती है:—

(1) स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर स्टेप्स्ट्री (एस. ए. पी.) ५  
“प्राइवेट एविडेंस”।

(2) स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर स्टेप्स्ट्री—(एस. ए. पी.) ६

“एक प्राइवेट के संबंध में सेवाकृत का उत्तरोक्त और संवित्र प्राप्तिरिक नियन्त्रणों का मूल्यांकन”।

“प्राप्तिरिक प्राइवेट के काम पर तिर्हुता” से संबंधित स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर प्रस्तावित स्टेप्स्ट्री का प्राप्त योग्य ही जारी किया जायेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त समिति ने “योजना” किये पर स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर प्रस्तावित स्टेप्स्ट्री का एक एक्सपोजर ब्रूफ़ भी जारी किया।

निम्नलिखित विषयों पर स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर स्टेप्स्ट्री और मार्गवर्णक पत्र नियमन के अनेक स्तरों पर हैं:—

- (1) एक ई. डी. पी. वार्तावर्तन में प्राइवेट
- (2) दूसरे प्राइवेट के काम का प्रयोग करना
- (3) संपूर्ण प्राइवेटों की उत्तरवाचिकता
- (4) प्राइवेट वर्षनवदाता पत्र
- (5) नितेजों का प्राइवेट
- (6) जल सम्पत्तियों का प्राइवेट
- (7) जल, जलों तथा जलियों का प्राइवेट

समिति ने, अपने विचार हेतु, स्टेप्स्ट्री प्राइवेट प्रेक्षित्सेज पर स्टेप्स्ट्री का प्राप्तिरिक मतविदा बनाने के लिये बस्ट्री, कलकत्ता और मद्रास में अध्ययन वर्ती का अठन किया है। विलम्बी में एक दूसरा अध्ययन इल इंस्टीट्यूट का चालू प्रकाशन जितना नाम “स्टेप्स्ट्री प्राप्त प्राइवेट प्रेक्षित्सेज” है के आधार पर एक मार्गवर्णक का प्राप्तिरिक मतविदा विकसित करने के काम में लगाहुआ है।

## 3. 4 प्रवृत्तिगत समिति

## (प्र) प्रकाशित माहित्य

वर्ष के द्वारा, निम्नलिखित प्रकाशनों को विक्री के लिये जारी किया गया:—

(1) मार्गवर्णक पत्रों का तंबह—भाग ३—इसमें ३० जून, १९८५ से ३१ मार्च, १९८७ तक जारी किये गये मार्गवर्णक पत्र शामिल हैं।

(2) स्टेप्स्ट्री द्वेष्टु सेवाकृत उपचार पर मार्गवर्णक पत्र।

(3) वृद्धिता के प्राप्तिरिक पर सेवाकृत पर मार्गवर्णक पत्र।

## (ब) प्रकाशन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रक्रिया

(1) उत्तरक उद्योग पर एकार्डिंग एवं प्राइवेट तकनीकी गाइड

(2) बीमी उद्योग—प्राप्तिरिक प्राइवेट पर वाइकलाइन्स

## (स) समितिप्रियवृ द्वारा प्रतिम कम विक्री जा रहे प्रकाशन

(1) उद्योगों में अस्थायता (सिक्केव) के विवरण हेतु विसेव सूचनाओं के प्रयोग पर अध्ययन।

(2) निम्नलिखित पर एकार्डिंग तथा प्राइवेट तकनीकी गाइड:—

(प्र) आटोमीशाइफ उद्योग

(ब) ग्रंथ तथा कार्मास्युटिल उद्योग

(3) पटे के लिये सेवाकृत पर मार्गवर्णक पत्र

(4) विवेती पूरा विविध अविनंत्रन हेतु लेवार्ड की गाइड

(5) टापर उद्योग—इंस्टीट्यूट याइट पर गाइडकाइन्स

(6) बोनस युक्तान अधिनियम, १९८५ का परिवर्तन—एक सेवा-पाल का गाइडन

(7) “टैपर के मूल्यांकन पर ग्राफ़िक” का अधिसूचना।

(8) “स्टेप्स्ट्री और इंट्रोड्रैट प्राप्त रिसार्वर्मेंट प्रेस्ट्रोटो इन एकार्ड्स” का संशोधन।

(9) “उत्तरायण युक्त के लिये सेवाकृत उपचार पर मार्गवर्णक पत्र” का संशोधन।

## (द) प्रवृत्ति आधीन प्रकाशन

(1) प्राइवेट स्पेशलिस्ट ईकार्डीक

(2) बुनाई उद्योग—प्राप्तिरिक प्राइवेट पर वाइकलाइन्स

(3) होटल सेवाय—एकार्डिंग एवं प्राइवेट तकनीकी गाइड

(4) कम्पनियों के वित्तीय प्राप्तिरिकों पर इंस्टीट्यूट की प्रविस्तुताओं का प्रभाव

(5) सीमा युक्त नियम पर सेवापाल की गाइड

(6) निम्नलिखित पर मध्यमयन

(प्र) एम. आर. टी. पी. प्रिविनियम

(ब) बीमा प्राइवेट—जीवन बीमा नियम

(स) सार्वजनिक द्रस्टों का प्राइवेट

(द) प्रस्तावन सेवाकृत और प्रवृत्ति नियमज्ञ विस्तृत

(४) कम्प्यूटर और प्राइवेट

(७) भारतीय ग्राम्यवास्या के प्रतापकारों द्वारा में प्रवृत्ति नियमज्ञ और सेवाकृत सिस्टम

(8) फोरेंटरीज के लिये लेखांकन पर भोनोधारक

(9) सीमेंट उद्योग—आन्तरिक आडिट पर गाइडलाइन्स

(ब) संयोगप्रयोग के मन्त्रांत निवृत्त प्रकाशन

- (1) भौतिक संस्थाओं के आडिट के लिये तकनीकी गाइड
- (2) सहकारी समितियों के आडिट के लिये तकनीकी गाइड
- (3) भारतीय उद्योगों में भूत्य निष्पत्ति
- (4) गाइडलाइन बोर्ड और एकाउंटिंग ट्रीटमेंट आक रिजर्व इन अमाल-भेदभास्य
- (5) स्टैटमेंट आन बेंचर इन दी भोड आक आडिट डेप्रिसियेशन इन एकाउंट्स

(2) शीर्ष धैर्य

वर्ष 1986-87 के लिये कम्पनियों तथा और वित्तीय स्टेचूटरी नियमों का सर्वोत्तम ढंग से प्रस्तुत लेखांकन के लिये पुरस्कार का वाचिक वितरण

वर्ष 1986-87 की वाचिक प्रतियोगिता के नियमिक मण्डल ने मन्त्र-संवित कम्पनियों की वाचिक रिपोर्ट एवं लेखांकों पर अपना नियम दिया—

इनीशियस इंडिया लिमिटेड (31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष के लिये) को सर्वोत्तम बोधित किया और इस प्रकार इस कम्पनी को अपनी रजत शीर्ष प्रदान करने का नियम दिया।

नियमिक मण्डल ने नियमित कम्पनियों की वाचिक रिपोर्ट एवं लेखांकों की काफी प्रशंसा की इस प्रकार इन कम्पनियों को प्रशस्ति पट्टक प्रदान करने का नियम दिया—

- \*दि एसोसियेटेड सिमेंट कम्पनीज लिमिटेड  
(31 जुलाई, 1986 को समाप्त वर्ष हेतु)
- \*सिमेंट कार्पोरेशन आक इंडिया  
(31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष हेतु)
- \*मद्रास रिफाइनरीज लिमिटेड  
(31 मार्च, 1987 को समाप्त वर्ष हेतु)

नियमिक मण्डल ने वैकों एवं वित्तीय संस्थाओं के वर्ष 1986-87 के लेखांकों पर भी विचार किया।

हाइसिग डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के (30 जून 1986 की समाप्त वर्ष हेतु) लेखे को वैकों और वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त अधिकारियों में सर्वोत्तम बोधित किया और लदनुसार नियम को रजत शीर्ष से पुरस्कृत करने का फैसला किया।

नियमिक मण्डल ने वर्ष 1986-87 के कुछ ऐसे संस्थाओं जैसे सार्वजनिक व्यापार, सहकारी समितियों, औषध एवं वैज्ञानिक संस्थाओं के लेखांकों पर भी पूर्ण रूप से विचार किया और नियमित की वाचिक रिपोर्ट एवं लेखा पर नियम दिया।

इंडियन फार्मर फार्मिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड (30 जून 1986 को समाप्त वर्ष हेतु) (को आपत प्रबिलियों में, सर्वोत्तम बोधित किया। लदनुसार इसे प्रशस्ति पट्टका प्रदान करने का नियम दिया है।

\*गोट:—जिस कम्पनियों के एकाउंट्स को प्रशस्ति-नक्का प्राप्त हुए हैं उनका कम वर्षमाला के आधार पर है। उनका नाम उनमें पीछे होना योग्यता के कम को प्रदर्शित नहीं करता।

### ३.५ भाद्रसाधिक विकास समिति

(ग) राष्ट्रीयकृत वैकों तथा क्षेत्रीय यामीण वैकों की लाक्षांकों के लेखांकों के आडिट से संबंधित इम्पीलमेंट का तरीका तथा अन्य बातें

समिति ने, इंस्टीट्यूट के प्रैक्टिस कर रहे सद्वयों से वर्ष 1988 के लिये, 28 सार्वजनिक कंपनियों के वैकों का आडिट जिसमें की केन्द्रीय स्टेचूरी आडिट भी शामिल है, तथा क्षेत्रीय यामीण वैकों की लाक्षांकों की आडिट हेतु संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रवित गाइडलाइन्स के आधार पर सूची बनाने के लिये उचित प्रक्रिया और आवेदन आमतित करके सूचना एकत्रित की। इस प्रकार सदस्यों द्वारा उचित आवेदन पद्धति पर दी गई जानकारी को कम्प्यूटराइज्ड किया गया था इस प्रकार निमित्त वैनल को संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया है जो कि आडिट का वास्तविक वितरण करें। सदस्यों से प्राप्त प्रतिलिपियों के आधार पर अन्य विभागों के विचार विभार्ता किया।

आवेदन प्रक्रिया में उचित कोड के उचित रूप से सदस्यों एवं कम्पों को यूनिक कोड नम्बर के बारे में सूचित किया गया है।

### (द) आन्तरिक आडिट

आन्तरिक आडिट के ऊपर वो आपासीय पार्ट्यूक्स, क्रमांक: 18 से 22 लिस्टम्बर, 1987 तथा 19 से 21 मार्च, 1988 को कोवालम और पोर्टलैस्टर में आयोजित किये गये। इन पार्ट्यूक्सों का उद्देश्य आन्तरिक आडिट के क्षेत्र में हेतु नये तकनीकों एवं विकास पर बहस करना तथा इस तरीके से विकास कर रहे उचित संवयों की अपने विकारों का आवान-प्रदान करने हेतु उचित संबंधी व्यवस्था करना था।

### (ह) वैकों के राजस्व/इनसेक्शन/कनकरेण्ट आडिट पर गोट्ठिया

सत्रत शिक्षा योजना के ही एक भाग के रूप में क्षेत्रीय कार्यालयर लाक्षांकों तथा रूसरे महत्वपूर्ण शहरों में क्षेत्रीय परिवदों के साथ मिलकर वैकों का कनकरेण्ट/इनसेक्शन/राजस्व आडिट से संबंधित अनेक पहलुओं पर विचार करने हेतु अनेक गोट्ठियों का आयोजन किया आता रहा है। गोट्ठियों में भाग लेने वालों में वितरण हेतु एक समाप्त तथा पिस्तूत वैक-प्राड्यूस समग्री तैयार की गई है।

### (द) बर्बाई में आडिट समितियों पर गोट्ठी

26 मार्च, 1989 को बर्बाई में भाई, डी. बी. बाई, के साथ मिलकर आडिट समिति के ऊपर एक-एक-विवरीय गोट्ठी का आयोजन किया, गया। इस गोट्ठी में वेश के द्वितीय भागों से अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

### (य) आन्तरिक आडिट के ऊपर वैकों आर्टीय अधिवेशन

4 व 5 सितम्बर, 1988 को बर्बाई में आन्तरिक आडिट के ऊपर आठवा भारतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य आन्तरिक आडिट के कारों के अनेक पहलुओं पर विचार करना तथा समकालिक, अर्थीक एवं व्यापारिक वातावरण में आन्तरिक आडिटर की बढ़ती हुई भूमिका को व्याख्या करना है। अधिवेशन में बहुम को आन्तरिक आडिट के अनेक पहलुओं को मध्य नजर रखते हुए वार तकनीकी सभों में विभाजित किया गया था। इस अधिवेशन में अनेक नियी तथा सार्वजनिक शेखों के संगठनों के बीची 300 कार्यपालकों ने भाग लिया।

### (र) सहकारी समितियों अवित्तियां संकावन—बांडई एलाइंस्ट्रेट्स द्वारा सहकारी समितियों के आडिट की विवरण

समिति के निवेद पर क्षेत्रीय परिवदों द्वारा दियों जा रखवायियों में क्षेत्रीय परिवदों की लाक्षांकों ने अपने-अपने राज्यों के उचित आडि-

कारियों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों द्वारा सहकारी समितियों के ग्राहित को अवस्था करने हेतु सहकारी समितियों अधिनियम में संगोष्ठा हराने के प्रतिनिधित्व किया है। परिषद के मरम्म भी विभिन्न राज्यों के प्रान्तिकारियों के साथ इस बारे में विचार-विवाह करने रहे हैं। आम ग्रेस सहकार ने इस भाषण के परिवर्तन प्रारंभ किये हैं कि (अ) जिला सहकारी ग्राहित अधिकारों, जिनमें भी संस्थान, जहां ग्राहित का काम बकाया पड़ा है, के मामले में ग्राहित का काम किया भी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की सौप सहते हैं। (ब) सहकारी चानों कारबानों के हिसाब-किताब के आन्तरिक ग्राहित का काम किया भी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की सौप जा सकता है। (म) राज्य-स्तर पर समिति का गठन किया जाए, जिसमें एक मरम्म चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट हो। इसे तरह कुछ अन्य राज्यों भी से कि हिसाब-किताब प्रदेश तथा सहाराष्ट्र में भी ग्राहितारोगण इस बात से सहज हो गये हैं कि महाकारी समितियों के ग्राहित लायर में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों का सेवाभी भी अधिकारिक उत्पाद किया जावे।

#### (ल) मायात तथा निर्यात प्रमाणपत्रों पर मार्ग-निर्देशन

मायात तथा निर्यात के मुख्य नियंत्रक द्वारा जारी आयात एवं निर्यात नीति तथा मायात-निर्यात पद्धति 1988-89 की दृश्य-पुस्तिका में ग्रनेक ऐसे कार्य हैं जिसमें चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों से प्रमाण पत्र अवश्यक है। समिति, अधिकारियों द्वारा निर्वाचित सूचनाओं को प्रमाणित करने में ग्रनेक कर्तव्यों का निर्वहन करने में सदस्यों का मरम्म के लिये एक मार्गदर्शक-पत्र तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

#### (म) सैल्क रेगिस्टरों भीजसं की अनिवार्य बनाना

परिषद् समय-समय पर कलियत सैल्क रेगिस्टरों भीजसं जारी करती रही है जिसका उद्देश्य इंस्टीट्यूट के सदस्यों के शोध व्यावसायिक कार्य का समान प्रबाह सुनिश्चित करना होता। सैल्क रेगिस्टरों भीजसं के एक पूरे पाठ का अंतिम प्रकाशन "प्रोफेशनल अपार्टमेंट्स कार एन्जीनीर-एन एप्रेजेंस" नामक प्रकाशन के 1986 के संस्करण में किया गया है।

मई 1987 में हुई घटना 122वीं बैठक में परिषद ने यह निर्णय किया कि निश्चित भूल के काम पर ग्राहित कार्य स्वीकार न करने संबंधी सैल्क रेगिस्टरों भीजसं को अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस विषय पर एक अधिकारियों द्वारा निर्वाचित एकाउन्टेन्ट के जून 1987 के संस्करण में प्रकाशित की जा चुकी है।

#### 3.6 उद्योगों में लगे सदस्यों के लिये समिति

(अ) उद्योगों में लगे सदस्यों हेतु समिति का "गठन नियन्त्रित सुधारों के लिये किया गया है" —

(१) इंस्टीट्यूट का नियन्त्रियों में उद्योग में लगे सदस्यों के अधिक संघर्ष भाग लेने हेतु तीर्त-तारों पर विचार करना।

(२) उद्योगों में लगे सदस्यों को प्रभावित करने वाले कारणों पर विचार करना और विशेष रूप से कैरियर प्लानिंग, सकारात्मक तथा अन्य संवेदित बातें जो देखा में लगे सदस्यों को प्रभावित करती हैं, से संवेदित समस्याओं पर विचार करना।

(३) संभावित नियोक्ताओं तथा उद्योगों में रोजगार पाने के इच्छुक सदस्यों के साथ हेतु रोजगार सेवाओं की अवस्था करना।

(४) सेवाओं में लगे सदस्यों के लिये रोजगार के नये क्षेत्रों का पता लगाना तथा दिक्षास करना।

समिति सेवा में लगे हुए अंगेक प्रतिष्ठ भवस्यों को मिलाकर गठित की गई है।

(ब) समिति के निर्यात के प्रगतीसार लेखनीय परिवर्तनों ने भी अपने-पाते भौतिकों में उद्योगों में लगे सदस्यों के लिये समितियों का गठन किया है। ये समितियों ग्रनेक क्षेत्र में उद्योगों में लगे सदस्यों से संबंधित सामग्री पर विचार करने के लिये समय-समय पर अपना बैठक हेतु तथा उद्योगों में लगे सदस्यों के विविध विविध विषयों जैसे कि केंद्रीय बजट, कारबान के नियम तथा इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किए गये एक्सीटोर ब्राउन, मट्टर्टीमेंट्स तथा मार्गदर्शक-पत्रों पर समय-समय पर गोंधियों का भी अधिकार लगाता रहता है।

(स) सदस्यों का भाग-सूचना हेतु इंस्टीट्यूट के पविका के बतवारी, 1988 में "वित्तीय संस्थाओं में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों के लिये रोजगार के अवसर" विषय पर एक लेख प्रकाशित किया गया है। इससे पहले इंस्टीट्यूट की पविका के ग्रनेक भौतिकों में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों के लिये रोजगार के अवसर पर यह (६) लेखों को एक खूबसूर ग्राहित की गई थी।

(द) भूरो आफ पविका इंस्टीट्यूट की एक प्रतिवेदन लिया गया है। इसमें इस बात का व्याप्त किया गया है कि सर्वेजनिक भौतिकों के प्रतिभानी जिसमें राष्ट्रीयहन वैग्रा प्रा. जापित हैं, से यह निवेदन लिया जाए कि वे उन चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की ओर कि उनके साथ काम कर रहे हैं, उनके द्वारा इंस्टीट्यूट की दो जाने वाली कार्यक्रम भवस्त्रान-गुरुक का गुरातान करें।

(३) ४ से ९ अप्रैल, 1988 को पूरा में तीनों इंस्टीट्यूट तथा मैनेजमेंट एकाउन्टिंग पर एक विविध भारतीय प्रविर्वत का आयोजन किया गया। प्रविर्वत का मुख्य उद्देश्य कार्पोरेट एवं मैनेजमेंट एकाउन्टिंग के ग्रनेक पहलूओं पर विचार-विवरण करने और आधुनिक समकालिक प्राचिक एवं व्यापारिक वातावरण में प्रवन्ध लेकरकी की यहां हुई भूमिका पर वैज्ञानिक ग्राहित-प्रयास करना था। इस प्रविर्वत में 200 प्रतिभानी ने भाग लिया था।

(४) 1988 में 4 से 8 जून तक अंतर्राष्ट्रीय प्रविर्वत का आयोजन किया गया। विविध भौतिकों के लिये एक आयोजनायी पाठ्यक्रम में मैनेजमेंट एकाउन्टिंग तथा कार्पोरेट कार्पोरेट क्राउनिंग के आवृत्ति तकनीकों पर विचार-विवरण किया गया।

#### 3.7 कम्पनी लोगों समिति

##### (अ) कम्पनोज (संसोधन) विवेदन, 1987 पर स्मरण-पत्र

कम्पनोज (संसोधन) विवेदन, 1987 ने ग्राहित की जाने को दृष्टि में रखते हुए कम्पनी सौं समिति ने विवर के घरेये बनाने पर विचार-विवरण करने के बाव तथा भूत्यूक व्यवस्थों, परिषद के सदस्यों, भौतिक परिवर्तनों तथा साक्षात्कारों से प्राप्त सुझावों और समिति द्वारा आयोजित गोष्ठीयों में हुए विचार-विवरण को मध्यात्मा रखने के बाव, विवेदन के संगोष्ठीयों पर स्मरण-पत्र तैयार किया तथा उन उद्योग भवतालय के कम्पनों कार्य विवाह को प्रस्तुत किया। इस स्मरण-पत्र में ग्रनेक सुझाव दिये गये थे। यह हर को बात है कि सरकार ने उनमें से बहुत कुछ सुझाव मान लिये हैं जिनमें विवेदन-विवरण-भूत्यूक इन्स्टीट्यूट अनुभाग 43-ए. (डोमेन पविकल कम्पनोज), अनुभाग 269 और अनुभाग 13 (मैनेजमेंट भूत्यूक तथा 205 (डिविडेंड) सामिति हैं। इन सुझावों को संसोधन प्रविर्वत, 1993 में सामिति कर लिया गया है।

##### (ब) कराधान एवं कल्पनो लोगों पर अवासीय पाठ्यक्रम

२ मई 1988 से ६ मई 1988 तक ऊटी में कराधान तथा कल्पनो लोगों समिति से संयुक्त रूप से कराधान एवं कल्पनो लोगों के ऊट 11वा अपासीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में उद्योगों तथा अवस्थाय के 33 व्यक्तियों ने भाग लिया।

(स) बी.श्रीहि.एक.प्रार. के संबंध में प्रध्ययन

सिंह इंस्टीट्यूशन कम्पनीज (सेक्षियल-प्रोजेक्शन) एकट की महेनजर रखते हुए समिति ने बी.श्रीहि.एक.प्रार. और अनुवादाय के सदस्यों के कापर प्रध्ययन करने का नियन्त्रण किया है। प्रस्तावित अध्ययन एक एप्रिल 1988 तथा चूर्जितीकरण के रूप में होगा तथा सदस्यों का इस महत्वपूर्ण विज्ञालेशन पर मार्गदर्शन करेगा।

(द) कम्पनी लाई पर सरकार के वार्ता

कम्पनी लाई से संबंधित अनेक पहलुओं पर समिति सरकार से विचार-विभाग करती रही है तथा सरकार की अपनी प्रतिक्रिया भेजती रही है। वर्ष के दौरान कम्पनी कार्य विभाग ने अनेक सामग्री पर इंस्टीट्यूट के विचार लिये। समिति ने अनेक पहलुओं पर बड़ी ध्यान तथा प्रधानों द्वारा देख से अपने विचार रखे।

### 3.8 करावान समिति

(ह) टैक्सेशन एवं कम्पनी लाई पर अधिकारीय पाठ्यक्रम

करावान एवं कम्पनी लाई पर यारंदाजों (11वाँ) अधिकारीय पाठ्यक्रम का आजो जन 2 मई से 6 मई 1988 तक ऊंची साउदर्न स्टार में इंस्टीट्यूट को टैक्सेशन एवं कम्पनी लाई समितियों ने संयुक्त रूप से किया। देश के अनेक भागों से 33 प्रतिनिविधियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। निम्नलिखित विषयों पर बड़ी गहराई से विचार विमर्श-क्रिया यथा:—

कारोरेट ईक्सेशन—चुने हुए सामग्री; प्रध्ययन कर प्रतिनियमों में जारी विधायों परिवर्तन, प्रध्ययन तथा प्रतिनियमों को प्रक्रिया से संबंधित पहलुओं, विक्षी कर, प्रबन्धायों की विनियम तथा बैठकों पर और औद्योगिक अवस्थाओं—अवस्थाओं की विनियमों (विनो उपचार) प्रध्यनियम, 1985 को दृष्टि से यो.श्रीहि.एक.प्रार. को कार्य-पद्धति के संबंध में विशेष में।

करावान समिति के अध्ययन श्रो.एन.के. पोद्दार, पाठ्यक्रम के निवेशक है।

### (ब) कैल्पोय बजट

(1) वित्त मंत्री के शासकान पर इंस्टीट्यूट का एक प्रतिनियम इन विसमें कि श्रो.एस.के. दासगुप्ता, अठवाय; श्रो.के.जो. सोमानी, उपाध्यक्ष, श्रो.एन.के. पोद्दार, प्रध्ययन, करावान समिति, श्रो.एम.श्री. पटेल, उपाध्यक्ष करावान समिति, श्रो.एस.सो. बासुदेवा, करावान समिति के सदस्य, श्रो.प्रार.एस. शोपडा, सचिव और श्रो.सी.प्रार.टी. बमा, करावान समिति के सचिव ज्ञानिल कम्पनीजी (विनो उपचार) का विनियम वित्त मंत्री से मिले। इस बैठक में सी.बी.डी.टी. के प्रध्ययन श्रो.सी.बी.टिक्कू, तथा बोर्ड के अध्ययन श्रो.प्रार.एक.प्रार. के अध्ययन में।

इंस्टीट्यूट का बजट पूर्व स्मरण-पत्र वित्त मंत्री को प्रस्तुत किया गया। स्मरण-पत्र में, वर्ष 1988-89 का बजट बनाते समय सरकार के विचारार्थ इंस्टीट्यूट के सुधार सम्मिलित है। स्मरण-पत्र में अनेक बातों के अलावा जिनका जिक्र किया गया है उनमें से कुछ इस प्रकार हैं—ग्रामीण विकास से संबंधित सुधार, उत्पादन एवं उत्पादकता में बढ़ि के लिये पुरस्कार, गैर-योजनागत बच्चों पर नियन्त्रण, पर्यटन तथा दूसरे रेशे क्षेत्रों को श्रोत्वाहन, राजस्व बढ़ाने के तरीके, बहुमात कर प्रतिनियमों का अनुसंधनकरण, प्रध्ययन कर प्रतिनियम (संशोधन) विवेयक, 1987 की विभिन्न अवस्थाओं में सुधार, विशेषज्ञता विनियम विनियमों, विदेशी मूदा और नियांत, आय-प्रयोक्ता संरचित चाटा, औद्योगिक विकास और रोजगार।

वित्त मंत्री ने देश की आर्थिक गतिविधियों में इंस्टीट्यूट की मूलिका तथा इसके योगदान की सराहा ही। उन्होंने प्रतिनिधि-मण्डल को विश्वास दिलाया कि टैक्स-सुधार में सरकार बुले दिलाये गए काम कर रही है और

प्रत्यक्ष कर नियम (संशोधन) विवेयक 1987 को विवरातानी को विद्यालित करते समय करवातानी को होने वाली वास्तविक बोर्डविधियों को पूर करने हेतु उचित प्रगति विकास विभाग किये जायेंगे। उन्होंने प्रति-विधि-मण्डल को पुनः विश्वास दिलाया कि (रंगो नं ११३) अधिक एवं वित्तीय महत्व के विभिन्न सामग्री पर इंस्टीट्यूट से प्रावृद्ध विचार-विभाग करेंगे। इससे पहले ३ जनवरी, 1988 को अध्यक्ष निम्नसे भाषण काम से तथा उद्योगों के प्रतिनिधियों नहीं। विन-विनो दाता बजट-पूर्व विचार-विभाग नेतृत्व प्राप्तिगित बैठक में से भाग लिया।

ये वित्त मंत्री, माननीय श्री एस.बी. चन्द्रान के ताजे प्रध्ययन कर नियम (संशोधन) प्रध्यनियम, 1987 से संबंधित अनेक बोर्डों पर एह दूसरी बैठक हुई। अध्यक्ष के साथ-साथ उपाध्यक्ष श्रो.के.जो. सोमानी, करावान समिति के अध्यक्ष श्री एन.के. पोद्दार, करावान-समिति के उपाध्यक्ष श्री एम.श्री. पटेल तथा करावान-समिति के दो ब्राह्म सदस्य श्री जी. माननीय मंडली भागीदार से मिले और कामों के करावान, प्रतिरिद्ध आयपर, बैटेविल भागीदारों के करों के तुमिनीरिण, के संबंध में इंस्टीट्यूट के विवारों से उन्हें अवगत कराया। माननीय वित्त मंत्री से, भानुमान 10 (23ए) में संशोधन करने का अनुरोध किया गया ताकि हमारी इंस्टीट्यूट जैसी आवासायिक संस्थाओं को पूरे आय को पूरी रूप से वित्त दें।

(2) इंस्टीट्यूट तथा बजट के बाबत ही स्वराज-पत्र भारतीय वित्त मंत्री, सैमूल बोर्ड आरोड़ इंस्टीट इंस्टीट के बैठकों तथा अन्य संबंधित सरकारी प्रतिनिधियों को ६ अप्रैल, 1988 को प्रस्तुत किया।

(स) मेनोरण्डा/रिप्रेजेंटेसन जो विये गये।

(1) ५ जनवरी, 1988 को सी.बी.डी.टी. को एक रिप्रेजेंटेशन भेजा गया जिसमें इस आयपर का स्पष्टीकरण आरोदी करने का निर्देश किया गया था कि यदि ऐसी सरकारी कम्पनियों तथा दूसरी कम्पनियों जहाँ स्टेन्करी आविष्ट की नियुक्ति में देर की जाती है या स्टेन्करी आविष्ट लम्ब पर आडिट पूरा नहीं कर सकता, ईस्ट आविष्ट, नियमों में वर्णित काम ३ सी.ए. के बजाय, काम ३ सी.बी./३ सो.सो. में अनन्त टिक्कू देखकर है।

(2) ७-४-१९८८ को सो.बी.डी.टी. को एह श्री रिप्रेजेंटेशन भेजा गया। इसमें बोर्ड से यह स्पष्टीकरण जारो करने का निर्देश हिया गया कि आयपर प्रतिनियम के अनुमान ८० सी. (२) (एच.) (सो.) (९) और ११२ (२ए), इंस्टीट्यूट आरोड़ बैठक एह उम्हैद्वंत आर इंडिया पर कहा तक उचित है।

(३) डायरेक्टोरेट आर और्गेनाइजेशन एण्ड मेनेजमेंट सर्विसेज (इंस्टीट्यूट) टैक्स के निरेशन से प्राप्त एह आरोदी—श्रोतों पर करों की अवायकी की मई मोत्राना पर इंस्टीट्यूट के मुमाल और विचार प्रस्तुत किये गये।

(४) सैमूल बोर्ड आर डायरेक्ट टैक्सेज से प्राप्त आरोदी पर इंस्टीट्यूट में द्वांजेशन की वेजियों जिनमें त्यागी एकाउन्ट नम्बर वर्गित किया जाता है, पर अपने मुमाल और विचार प्रस्तुत किये।

(द) प्रकाशन

आयपर प्रतिनियम के अनुमान ४४ए.बी. के अन्तर्गते ईक्स आविष्ट पर मानवरक्ष-पत्र की प्रवैत 1983 में पूरा लाया गया। इसी १-४-१९८३ तक किये गये तथा प्रस्तावित परिवर्तनों को विप्रविधियों के रूप में संबंधित पृष्ठ के मान्यते विकित किया गया है।

## 3.9 अविक्षित व्यावधानी गिरा गया

## (अ) गोलियाँ एवं पाठ्यक्रम

वर्ष के दौरान अविक्षित गिरा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक गोलियों तथा पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके पूरे विवर 'हेतु' कागज परिशिष्ट 2 देखें।

## (ब) स्नामकोस्तर पाठ्यक्रमों के विवरण

नवम्बर, 1987 में मैनेजमेंट एकाउन्टेंटी, कार्पोरेट मैनेजमेंट तथा टैक्स मैनेजमेंट (भाग-1) की परीक्षाएँ मौजूदित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भी गईं। तथा भी, 1988 में संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मैनेजमेंट एकाउन्टेंटी कोर्स (भाग-1) की परीक्षाएँ भी गईं। नवम्बर, 1987 में भी गई परीक्षाओं का मौजित परिणाम परिशिष्ट 3 में दिया गया है।

## (स) योग्यता शास्त्रीयता

मैनेजमेंट एकाउन्टेंटी कोर्स भी ब्रेक योजना के अन्तर्गत, पुराने अरेने हेतु 5 उम्मीदवारों को 600 रुपये प्रत्येक के लिया गया तथा छावनीयों प्रदान की गई। इस योजना को कार्पोरेट मैनेजमेंट तथा टैक्स मैनेजमेंट भी परीक्षाओं में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को भी प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

## (द) मैनेजमेंट एवं इकोनोमिक ब्याट्टली डायरेक्ट

सितम्बर, 1987 से मैनेजमेंट एवं इकोनोमिक ब्याट्टली परिवर्तन तथा अर्थशास्त्र में समकालीन समस्याओं पर महत्वपूर्ण लेखों के सारभूत अंशों की परिक्षा के बारे अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं। इस प्रकाशन के अब तक लगभग 1400 सदस्य वा. चुके हैं।

## (ए) अवधारणीक प्रशिक्षण/एम.ए.सी. को पास करना

वर्ष के दौरान स्नामकोस्तर पाठ्यक्रम भाग 2 के अन्तर्गत अवधारणीक प्रशिक्षण के लिये पंजीकृत परीक्षायियों की संख्या निम्न प्रकार से है:—

(1) मैनेजमेंट एकाउन्टेंटी कोर्स	12
(2) कार्पोरेट मैनेजमेंट कोर्स	3
(3) टैक्स मैनेजमेंट कोर्स	

निम्नलिखित वरहों ने इन्हीं तीन राइकों के अन्तर्गत मैनेजमेंट एकाउन्टेंटी कोर्स के दीनों भागों को पूरा कर लिया है:—

- (1) श्री एस. कानन (सर्वस्वा संख्या 33573)
- (2) श्री एन.धार, ओवरन (सर्वस्वा संख्या 15527)
- (3) इन-हाउस कम्प्यूटर केन्द्रः

परिवर्तन के एक निर्णय के अनुसार इंस्टीट्यूट के सदस्यों तथा विद्यार्थियों को इस्टीट्यूट द्वारा दिये गये प्रशिक्षण करने हेतु मद्रासा, कानूनी, अन्यत्र तथा कानूनुर के क्षेत्रों ज्ञानीयों में वाण-इन-इंडिया कम्प्यूटर केन्द्र द्वारा प्राप्ति किये गये हैं। इसी में कम्प्यूटर के संबंधी काम शिक्षन चरण में है और अबूत अन्यों ही कम्प्यूटर के लिये ज्ञानीयों को पूरा करने वाले दीनों को पूरा प्रशिक्षण देने के लिये एक दीन-चरणों प्रशिक्षण कार्यक्रम संपादित किया गया है। केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रत्येक केन्द्र कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों का संवित विवरण परिशिष्ट 4 में दिया गया है। इंस्टीट्यूट के सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिये आयोजित कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों के अलावा इन केन्द्रों ने सरकारी विभागों, दीनों तथा अन्य प्रतिस्थानों के लिये संभित संक्षय में इनहाउस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। साफा (ए.स.ए.ए.ए.) के सदस्य सल्लाओं के प्रतिनिधियों

के लिये भी एक कोर्स का आयोजन किया गया। यह के द्वारा तथा और कलकत्ता कम्प्यूटर केन्द्रों में और अविक्षित कम्प्यूटर चाली गई।

## (ए) "1988-प्रोडेट" गोलियाँ

इस बात को महेन्द्रन नहीं हुए कि हाल ही में एकाउन्टिंग अविक्षित, कार्पोरेट एवं वित्तीय कानूनों में हुए विताल विभिन्न संस्थाओं के लियाँकरन तथा विभिन्न दीवाने को इच्छा आसा प्रभावित कर रहे हैं, और वीय परिवर्तनों को निर्देश दिये गये हैं कि वे लोकीय मुद्रानाम प्राक्षार्थी तथा अन्य मरकूरीय वाहनों में "1988 प्रॉडेट" गोलियों का अवृत्तावश प्रायोजन करें। गोलियों की इस शृंखला का उद्देश्य उपरोक्त दीवाने हेतु ताजे परिवर्तनों के प्रभावों ने इंस्टीट्यूट के सदस्यों को अवगत कराना था। गोलियों के लिए वीक्यारेंड सामग्री को उप सिया गया है तथा वीय कार्यस्थानों और आधारों को भेज दिया गया है। इन गोलियों का समय संक्षीय केन्द्रों तथा अनेक बड़े शहरों में दो विन का तथा अन्य लहरों में एक रित का है।

## 3.10 वा. स्नामकार दमिति

(अ) सितम्बर, 1987 से मिठलो रिपोर्ट के बाद वे समिति ने 72 शंका-प्रश्न (जिसमें से 7 शंका-प्रश्न प्रारम्भ से ही विचाराधीन हैं) प्राप्त किये हैं तथा उनमें से 48 का समाधान कर दिया गया है। 2 शंका-प्रश्न या तो वीय परिवर्तन को प्रेरित किये जा चुके हैं या किये जा रहे हैं। 3 प्रश्न अभी विचाराधीन हैं ज्योंकि प्रश्नकलाओं से इन प्रश्नों के संबंध में प्रतिरिक्ष पूछता मार्गी है। 12-8-1988 से 21 अन्य शंका-प्रश्न विचाराधीन हैं।

(ब) "विकारी का लंगड़"-भाग 7, जिसमें कि सितम्बर, 1988 से सितम्बर, 1987 तक समिति द्वारा प्रकृत या समिति है, उसमें विषय के अनुसार वर्णनात्मक क्रम में पहले के 6 भागों को ही गई राय, की लक्षिका भी समिलित है, जो विकी के लिये जारी कर दिया गया है।

(स) समिति द्वारा अन्त प्रमुख विवारों का लारीय सबह वालों की सूचना हेतु "श्री चार्टेड एकाउन्टेंट" के वर्तेन ब्रह्म में आगा आता रहा है।

## 3.11 आचारमानक (स्तर) समिति

सितम्बर, 1987 के बाद, आचार मानक समिति की एकाउन्टेंटी अवधारणा से संबंधित आचार-संहिता के अनेक सामग्री पर विवार करते के लिये तीन ब्रेंडों हुई तथा सदस्यों के मार्गदर्शन हेतु प्राचार-संहिता नीतार की गई। इंस्टीट्यूट का कोड आक संडर्ट की अवधारणा के संबंध में अनेक सदस्यों द्वारा पूछे गये प्राप्त अनेक प्रश्नों की जवाब देने के अलावा समिति ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण ज्ञानों को पूरा किया।

## (1) कोड आक संडर्ट का संवीक्षन

सर्व प्रथम इंस्टीट्यूट न नवम्बर, 1983 में पहला कोड आक संडर्ट जारी किया तब से प्रत्येक इसके सात संस्करण निकल चुके हैं। परिवर्तन समय-समय पर सिद्धांत एवं अवधारणे से संबंधित आचार-संहिता के अनेक देसे विषय प्रकाशित करते थे। यहाँ वे जिनका सदस्यों से अवधारणीक आचार-संहिता से जिस सामग्री की स्विकृति में प्रमुखरूप करने की प्राप्ति की जाती। परिवर्तन की इन अधिकारिक विवाराओं को तथा इसके द्वारा विवरित सिद्धांतों को कोड आक संडर्ट के अनेक संस्करणों में सामिल किया जाता रहा है।

समिति ने आजार-संहिता से संबंधित परिषद् द्वारा निर्दे गये निर्णयों तथा अधिकारिक घोषणाओं को और अत्रेत उच्च व्यायालयों के निर्णयों को जापित करने हेतु कोई आकर्षण को पूर्ण हा से संबंधित कर दिया है। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय लेखानामों के संघ की गणित्य कांगड़ा द्वारा निर्धारित विद्वानों को भी जापित किया गया है। इसके अतिरिक्त कांगड़ा आकर्षण कंडक्ट में सम्पन्नित सुनावों की पुनः एटिंग की गई जिसमें कि हमें और अधिक विश्वस्त तथा समर्पित योग्य अनुष्ठान जा। सके इसके साथ साथ ऐसे भागों को उड़ा दिया गया है जो तो अतिवारपक हो गये थे या अत्रक्तित हो गये थे। परिषद् ने नवमवर, 1987 तथा अग्रस्त, 1988 में हुए अपनी बठकों में संशोधित कोई आकर्षण कंडक्ट के सम्बिति को कुछ सुनावों के साथ अपनी सहमति दे दी है। संशोधित कांगड़ा आकर्षण कंडक्ट को छापा जा रहा है तथा अति शीघ्र ही समस्याओं को इसकी प्रति उपलब्ध होने लगेगा।

(2) मद्रासगढ़ टेलीकोन निगम द्वारा आठ शहरों में पोर्ट पृष्ठ वाली टेलीकोन डायरेक्टने प्रकाशित की गई। समिति को इस प्रति पर अपनी गथ देने का मौका मिला कि क्या इंस्टीट्यूट के सदस्यों को उपर्युक्त डायरेक्टरों में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की वर्गीकृत सूची में अपने नाम प्रकाशित करने की अनुमति दी जाय। समिति द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर परिषद् ने इस प्रति पर विचार किया तथा मद्रासगढ़ टेलीकोन निगम द्वारा प्रकाशित टेलीकोन डायरेक्टरों के निजे ५२ों में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की वर्गीकृत सूची में समस्याओं को आने नाम जापित कराने की दृष्टिप्रति देने का निर्णय लिया। परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि सदस्यों को यह निर्णय दिया जाय की उनके नाम वजा उड़ाने की नाम सामाजिक टाइप में होने चाहिए तथा पोर्ट पृष्ठों की डायरेक्टरों में प्रयोग की गई टाइप के अनुसार होनी चाहिए, इसमें गहरे या मोटे टाइप में कदाचि नहीं।

### 3.12 विश्वविद्यालय समर्पक समिति

(अ) विश्वविद्यालयों के साथ संपूर्ण गोलिंग

किंवद्यालयों एवं इंस्टीट्यूट के बीच समन्वय को और अधिक प्रज्ञान वनामें के उद्देश्य से समिति ने निम्ननिवित विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर भारत संघर्ष गोलिंगों का आयोजन किया:—

1. उत्तरायण विश्वविद्यालय, हेदरानाव - 16.1.1.1988 को
2. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र - 12 और 13 मई, 1988 की
4. पूना विश्वविद्यालय, पूना - 18 अगस्त, 1988 की
4. महार्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहनक - 29 अगस्त, 1988 की।

इन गोलिंगों में भाग लेने वालों में जानेजो एवं विश्वविद्यालयों के निकायों के सदस्य तथा अधिकारी के सदस्य शामित हैं। यह महापूर्व किया जा रहा है कि इस प्राप्ति को गोलिंगों आपनी नाम के लिये इंस्टीट्यूट किया जाए विश्वविद्यालयों को और भारतीय निर्णयान लाने में मद्यपक्ष होंगे।

(ब) वी. काम. परीक्षा में एकाउन्टेन्टों में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार के रूप में स्वर्ण-दाक बंडे के लिये धन

इंस्टीट्यूट ने तीन और एडोनेटेन संग्रह किये हैं। ये काम: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, शारणी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, चंद्रपुर और भारतीयेशन विश्वविद्यालय निष्प्रियापत्ति को इन्होंनें हेतु किये गये अथ कुल प्रकाशक 22 विश्वविद्यालयों में हमारे इन्होंनें हैं।

(स) पी.एच.डी. कार्यक्रम हेतु सी.ए. कोसं को विश्वविद्यालयों द्वारा माध्यम

विश्वविद्यालयों के साथ सतत कौन-ग्रन्त के परिणाम स्थल र मिति ने 6 और विश्वविद्यालयों द्वारा पी.एच.डी. प्रोग्राम के लिये सी.ए. कोसं-योग्यता विलाने में सकलता प्राप्त की है। ये विश्वविद्यालय हैं—

अश्वगच्छ विश्वविद्यालय, करारहुड़ी भारतीयेशन विश्वविद्यालय, तिरुच्चरापल्ली, एम.डी. विश्वविद्यालय रोहतास, रांची विश्वविद्यालय, भागरा और कुम्भेश्वर विश्वविद्यालय, कुम्भेश्वर। यद्य भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अन्तर्गत सी.ए. कोसं को पी.एच.डी. कार्यक्रम हेतु मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों जो संघ 31 हो गई है। इन विश्वविद्यालयों के नाम परिशिष्ट 5 में दिये गये हैं।

(द) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सम्पर्क

विश्वविद्यालय समर्पक समिति के समाप्ति और लक्ष्मी विद्यालय 1. अगस्त, 1987 से 2 अर्थ की अधिक के लिये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कामर्षी पैनल के एक सदस्य मनोनीत किये गये हैं।

(२) सी.ए. पाठ्यक्रम का प्रतिद्विनिरण

समिति ने सी.ए. पाठ्यक्रम की जानकारी के बास्ते एक लघु पुस्तिता निकाली। इसका गोरिंग है “धी केरर कॉर्स यू इन यू धार कैरियर कान्सीयस्”। इस लघु पुस्तिका की प्रतियाँ इंस्टीट्यूट को सभी भैशोप्र परिषदों और शासाजां 91 विश्वविद्यालयों, 2,470 कामेजों और 95 विश्वविद्यालय युवान। एवं सार्वजनिक केन्द्रों में वितरित की गई।

(२) इंस्टीट्यूट द्वारा प्रयोग किये गये इंडोर्स्प्र में से प्राई.सी.ए.प्राई.पुरस्कार/स्वर्ण पदक के अवाई के बारे में विश्वविद्यालयों से जानकारी

करीब-करीब समस्त विश्वविद्यालयों से पुरस्कार/स्वर्ण पदक दिये जाने की सूचना ग्राह की रही है। जो विश्वविद्यालय इस प्रकार की आवश्यक सूचना महीं भेज रहे हैं उनके साथ पत्र-उत्तराहर किया जा रहा है। पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम, यदि उपलब्ध हो तो उनके कोटोप्राक भी इंस्टीट्यूट के पक्षिका में छापे जाते रहे हैं।

(८) विश्वविद्यालयों की सिनेटों में इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व समिति देश के प्रोके विश्वविद्यालयों को विदेशों में इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व विलाने के लिये प्रयत्न की गयी है।

### 4. अस्थ मामले

#### 4.1 जन-समर्पक समिति

(अ) इंस्टीट्यूट के कार्यक्रमों को विस्तृत जानकारी को बढ़ावा देने के लिये तथा इस अवसाय को सुधर लाने के बारे में जन-कारी देने के लिये जन-समर्पक-समिति ने अनेक कार्यक्रम किये।

(ब) 31 मार्च, 1987 को समाप्त वर्ष की 38वीं वार्षिक रिपोर्ट के प्रमुख अंकों को कई प्रतिवेद समाचार-पत्रों में प्रहसित किया गया। वार्षिक बैंक की रिपोर्ट सर्वोत्तम लेखा प्रलूब करने के लिये पुरस्कारों के वार्षिक प्रदाय तथा इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में पुरस्कार विजेताओं के बारे में भी सभी बड़े भ्रावारों में छापा गया।

(स) परिषद् द्वारा अपनाई गई नीति तथा प्राप्त उद्देश्यों के बारे में सर्व साधारण की जानकारी के लिये प्राई.सी.ए.प्राई.समाचार-पत्रों का प्रकाशन जारी रखा गया।

(द) नीति संबंधी प्रोके मामलों पर इंस्टीट्यूट के कू-विकारों को प्रकट करने तथा परिषद् की प्रोके गतिविधियों पर प्रकाश डानारों के उद्देश्य से भारत के विभिन्न भागों में अध्यक्ष द्वारा प्रेस-सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूट के विकारों को प्रेस-सम्मेलनों ने छापा।

(२) वर्ष 1988-89 के लिये सरकार की बजट नीतियों पर इंस्टीट्यूट के विकार जाते हेतु विकारों द्वारा विवरण देने के लिये एकाउन्टी अधिकारी विकारों द्वारा विवरण देने के अपर एक “प्रेस-डिस्काउन्ट” के लिये अध्यक्ष को आमंत्रित किया।

द्वितीय पुरस्कार : श्री ए.एच. दलाल, बम्बई, को उनके लेख (1,000 रुपये) "प्रत्यक्ष कर नियम (संशोधन) अधिनियम 1987 यह कैसे सार्वजनिक व्यासों को प्रभावित करता है" (अप्रैल 1988 संस्करण में) के लिये।

तृतीय पुरस्कार : डा. एन.एल. आहूजा, नई दिल्ली को उनके (500 रुपये) लेख "लेखाकान मानक—उनकी अनुकूलता तथा आडिडरों की जिम्मेदारियां" (जून 1988 के संस्करण में) के लिये।

विद्यार्थी अनुभाग

प्रथम पुरस्कार : सर्वश्री वी. गोविंदराजन और बाबू जयेन्द्रन, दुबई (750 रुपये) : को संयुक्त रूप से उनके लेख "कम्प्यूटर वातावरण में सुरक्षा और आडिट" (नवम्बर 1987 संस्करण) के लिये।

द्वितीय पुरस्कार : सर्वश्री एम.वी., सोनाकर और वी.एस. कोठारी (500 रुपये) बम्बई को संयुक्त रूप से उनके लेख "बड़ी मात्रा में औद्योगिक अग्रिमों का उन्नतिलोक" (जुलाई 1987 के संस्करण) के लिये।

#### 4.5 चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 का परिचालन

जैसा कि हस्ते पहले भी कई रिपोर्टों में बर्णन किया जा चुका है, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1964 के सरलीकरण तथा उसे युक्ति-सम्मत बनाने हेतु जिससे कि अनियमिताओं तथा अनेक कमियों को दूर किया जा सके तथा कार्य करने की रीत में होने वाली देरी को कम किया जा सके। परिषद ने एक विशेष समिति का गठन किया था जिसे कि "कॉडिफिकेशन कमेटी" का नाम दिया गया। समिति द्वारा तैयार किये गये विनियमों के कानूनी भवितव्य को सर्वसाधारण के विचारों हेतु भारत के राजपत्र में छापा गया तथा इस प्रकार तैयार किये गये संशोधनों को तदुपरात केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन हेतु अप्रेसित किया गया।

परिषद को यह सूचित करते हुए हर्ष है कि केन्द्रीय सरकार ने इन विनियमों को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। इन विनियमों को 1 जून, 1988 से लागू कर दिया गया है तथा इन्हें चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1988 का नाम दिया गया है। नये विनियमों को सम्पूर्ण रूप से इंस्टीट्यूट के जनरल "दो चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स" के जून, 1988 संस्करण में प्रकाशित किया गया है।

#### 4.6 परिषद की वार्षिक बैठक

(अ) परिषद की 38वीं वार्षिक बैठक का आयोजन 15 सितम्बर 1987 को नई दिल्ली के अशोका होटल के कम्बेनेन हाल में इंस्टीट्यूट के तत्कालीन अध्यक्ष श्री आर. बालाकृष्णन की अध्यक्षता में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री जे. बेंगलराव, केन्द्रीय उद्योग मंत्री थे। इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित अति प्रसिद्ध प्रतियोगिता "सर्वोत्तम ढंग से प्रस्तुत लेखा" में भाग लेने वालों में से विजेता कम्पनियों तथा वित्तीय संस्थाओं को माननीय मंत्री महोदय ने शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। मंत्री महोदय ने इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को भी पुरस्कारों तथा पदकों से सुशोभित किया।

(ब) श्री बालाकृष्णन ने मंत्री महोदय को, प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष के लिये, 1,00,001 रुपये का एक चेक भी भेट किया। इस रकम में परिषद तथा वित्तीय परिषदों के सदस्यों तथा अप्प सदस्यों का योगदान है। इंस्टीट्यूट के कम्पेचारियों

ने भी इस पुण्य काम के लिए अपने एक दिन के बेतन का योगदान दिया।

(स) अध्यक्षन्पद के लिये निर्वाचित श्री एस.के. बासगुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तावित किया। समारोह में बड़ी संख्या में सदस्यों तथा आमंत्रित महानुभावों ने भाग लिया।

#### 4.7 पुस्तकालय :

बैठक के दौरान नई दिल्ली में केन्द्रीय परिषद की पुस्तकालय में 1118 और पुस्तकों जोड़ी गई। इस प्रकार कुल पुस्तकों की संख्या 22349 हो गई है। सदस्यों एवं विद्यार्थियों दोनों ने ही बड़ती हुई पुस्तकालय-सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग किया।

#### 4.8 बाहरी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व :

अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से इंस्टीट्यूट का अनेक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय निकायों में प्रतिनिधित्व बना आ रहा है। इस प्रकार के प्रतिनिधित्व का सविस्तार वर्णन परिषद 6 में दिया गया है।

#### 4.9 महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत सदस्य

इंस्टीट्यूट के सदस्य अपनी उच्चतम श्रेणी की कुशलता तथा लेखांकन व वित्तीय मामलों के क्षेत्रों में प्राप्त ज्ञान के परिणाम स्वरूप अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थानों को प्राप्त करने में सफल हुए हैं। इनमें सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों की कम्पनियों तथा सरकारी निगम शामिल हैं। परिषद की जन सम्पर्क समिति समय-समय पर इंस्टीट्यूट के जनरल "दो चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट" में उच्च पदों पर नियुक्त होने वाले सदस्यों के फोटोग्राफ तथा उनके विवरण छापती आ रही है। इन प्रदों में सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों की कम्पनियों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और राष्ट्रीयकृत बीमा कम्पनियों के निदेशक (वित्त), प्रबन्ध निदेशक तथा चेयरमैन के पद शामिल हैं।

#### 4.10 महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की बैठकें तथा शाखाओं का दौरा।

अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष, रिपोर्ट वर्ष के दौरान, केन्द्रीय मंत्रियों और सरकारी विभागों के उच्च अधिकारियों जैसे अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिले। इन बैठकों में विशेष उल्लेखनीय 8-जनवरी, 1988 को माननीय वित्त मंत्री के साथ हुई बैठक रही। इस बैठक में इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि मण्डल जिसके नेता अध्यक्ष थे, के अलावा श्री सी.बी.डी.टी. के चेयर मैन तथा बोर्ड के अल्प अधिकारियों ने भी वित्त मंत्री के साथ पूर्व बैठक पर विचार-विमर्श किया। सन् 1988-89 के लिये बैठक योजना तैयार करने के लिये कुछ सुझावों का एक मेमोरांडम (स्मरण-पत्र) प्रस्तुत किया गया। इस स्मरण-पत्र में ग्रामीण विकास, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिये पुरस्कार गैर-योजनागत खंडों पर नियन्त्रण, पर्यटन को प्रोत्साहन, वर्तमान टैक्स कानूनों को युक्तिसंगत बनाना तथा विदेशी मुद्रा विनियम विनियमों जैसे अनेक संबंधित मामलों पर भी सुझाव शामिल थे। इस बैठक के अवसर का लाभ उठाते हुए अध्यक्ष ने मंत्री महोदय को राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में व्यवसाय की भूमिका तथा इसके द्वारा अनेक क्षेत्रों में सरकार को दी जाने वाली सहायता को बड़ी गहराई से समझाने की कोशिश भी की। मंत्री महोदय ने देश की आर्थिक गतिविधियों में इंस्टीट्यूट के योगदान की काफी सराहना की। मंत्री महोदय के कहने पर इंस्टीट्यूट ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवण, इसमें ग्रामीण रोजगार के अवसरों को बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को दूर करने तथा ग्रामीण विकास के कार्यक्रमों पर विशेष बल देते हुए, एक पत्र प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष ने समस्त क्षेत्रीय परिषदों तथा बड़ी संख्या में देशीय परिषदों की शाखाओं का भी दौरा किया तथा सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिये और अधिक अवसरों का विकास करने तथा शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाने संबंधी मामलों पर काफी विचार-विमर्श किया।

इस दर्ता का कायदा उठाते हुए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष ने राज्यों के महत्वपूर्ण विविधारियों से व्यावसायिक महत्व के मामलों पर भी विचार-विमर्श किया।

#### 4. 11 परिषद नगर जेरियों के बुनाव

चौहानी परिषद् तथा तेरहवीं द्वेषीय परिषदों के लिये अगस्त, 1988 में चुनाव का काम सम्पन्न हुआ गया है। परिषद् नगर जेरियों के लिये भूते गये सदस्यों के नाम नारस के याजपद्म में तथा साथ ही साथ इंस्टीट्यूट के जनस्स में भी अविदूचित कर दिये गये हैं। ताजे संरचने की सुविधा हेतु इन नामों को इस रिपोर्ट को परिशिष्ट 7 में भी दिया जा रहा है।

#### 4. 12 चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स परोपकारी कोष

(अ) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स परोपकारी कोष की स्थापना दिसम्बर, 1962 में जरूरतमध्य आदित्यों जो या तो इंस्टीट्यूट के सदस्य हैं या थे और उनके अधिकारियों को पिक्षा एवं दूसरे उद्देश्यों के रख-खाल फरते के लिये वित्तीय महायता देने के उद्देश्य से की गई थी। इस कोष के आजीवन सदस्यों की संख्या जो कि 1-9-1987 को 3537 थी, बढ़कर 1-9-88 को 4174 हो गई है।

(ब) वर्ष के दौरान, संकट में फैसे सदस्यों या संकटों में फंसने से मृत सदस्यों के अधिकारियों को 2,08,100 रुपये वितरित किये गये।

(स) 31-3-1988 को इस कोष की बकाया रकम 26,87,280 रुपये थी जो कि 31-3-1987 को 20,28,515 रुपये थी। 1-9-1988 को कोष की बकाया रकम 27,78,780 रुपये है।

#### 4. 13 एस. वैद्यनाथ अत्यर यात्रगार कोष

(अ) वर्ष 1987-88 के दौरान चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स का कोर्ट कर रहे विद्यार्थियों को 100 रुपये प्रति महीने की 60 छावनी-वृत्तियां प्रदान की गईं।

(ब) इस कोष की सदस्य-संख्या 31-3-1988 को 171 थी, 31-3-1988 को कोष की बकाया रकम 87,957 रुपये थी जो कि 31-3-1987 को 1,08,133 रुपये थी।

### 5. सदस्य

#### 5. 1 सदस्यता

वर्ष के दौरान 4856 रुपये सदस्यों को पंजीकृत किया गया जिसके परिणामस्वरूप 31-3-1988 को कुल सदस्य-संख्या 49,324 तक पहुंच गयी है। वर्ष के दौरान विलो वर्ष की मुलता में 1380 की जगह पर 1500 एकोसियेट सदस्यों को फैसे सदस्यों के रूप में घर्ती किया गया। सदस्यता का विस्तारपूर्वक विवरण इस रिपोर्ट की परिशिष्ट 8 में अंकित है।

#### 5. 2 विवंगस सदस्य

(अ) परिषद् इंस्टीट्यूट के दो भूतपूर्व अध्यक्षों श्री सी.एस. शास्त्री तथा श्री एम.पी. चित्तले के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करती है। परिषद्, अपने एक भूतपूर्व सदस्य श्री के.सी. खन्ना के निधन पर जो कि 19-2-1988 को हुआ, गहरा दुःख व्यक्त करती है।

(ब) परिषद् को वर्ष के दौरान परिशिष्ट 8 में दिये गये सदस्यों को भूत्यु पर भी गहरा दुःख हुआ है।

#### 5. 3 अनुशासनात्मक कार्यालयी

(अ) अनुभाग 21 के अन्तर्गत निवारण द्वारा गये विकायारों से अनुशासनात्मक कार्यालयी की संख्या निम्नलिखित है:—

(1) 17-9-1987 को अनुशासनात्मक समिति के पास सुनवाई के लिये विचाराधीन मामलों की संख्या (इनमें कोर्ट के निर्देशों के कारण 10 विचाराधीन मामले भी शामिल हैं) = 28

(2) परिषद् की "प्राइम फैसी" राय हेतु इसके सम्मुख रखे गये मामलों की संख्या (1-4-1987 से परिषद् की प्रगति 1988 में हुई बैठक तक) = 76

(3) उपर 2 श्रेणियों में से अनुशासनात्मक समिति को जांच-पहलाश हेतु प्रदेशीन मामलों की संख्या (17-9-1987 से अगस्त 1988 में हुई परिषद् की बैठक तक) = 31

(4) 17-9-1987 से इस रिपोर्ट की तिथि तक अनुशासनात्मक समिति द्वारा सुनवाई किये गये मामलों की संख्या = 16

(5) रिपोर्ट की तिथि तक अनुशासनात्मक समिति के सम्मुख जाकी बचे रहे मामलों की संख्या जिन्हें समिति द्वारा मुना जाना है (इनमें कोर्ट के निर्देशों के कारण विचाराधीन 8 मामले भी शामिल हैं)। = 31

(ब) जैमा कि पहले भी वर्णित किया जा चुका है, अनुशासनात्मक समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के मामले में बहर्दी उच्च व्यायालय के आदेश के विषद् इंस्टीट्यूट द्वारा की गई अपील पर भारत के उच्चतम व्यायालय ने 21 अक्टूबर 1986 को अपना निर्णय दें दिया गया है। सुनीम कोर्ट के कैसले के अनुसार परिषद् ने अनुशासनात्मक समिति की रिपोर्ट पर कोई निर्णय लेने से पहले प्रतिवादी और प्रिकायतकर्ता दोनों को ही सुने जाने के अवसर की सुकिंचा देने का फैसला किया गया है। दोनों ही पक्षों को अपना लिखित प्रतिविधित्व देने को कहा गया है। यदि वे ऐसा करना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि वे चाहें तो वे खुद या अपने द्वारा अधिकृत इंस्टीट्यूट के किसी भी सदस्य के द्वारा परिषद् के सामने अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उपरोक्त तरीके के आधार पर समिति की उत्तरीयों का विस्तारपूर्वक वर्णन जिन पर की परिषद् ने विचार किया है, इनमें से विचाराधीन मामले भी शामिल हैं, जो कि उच्चतम व्यायालय में की गई अपील के कारण विचाराधीन थे, जिनके कारण भारत के उच्चतम व्यायालय में अपील की गई।

इंस्टीट्यूट द्वारा उच्चतम व्यायालय में की गई अपील पर 31 अक्टूबर 1986 को कोर्ट द्वारा दिये गये निर्णय से अगस्त 1987 में हुई परिषद् की बैठक तक परिषद् द्वारा विचार किये गये अनुशासनात्मक समिति की रिपोर्ट की संख्या = 138

(इनमें से मामले भी शामिल हैं जिनके कारण भारत के उच्चतम व्यायालय में अपील की गई।) ऐसे मामलों की संख्या जिनमें प्रतिवादीयों को दोषी नहीं पाया गया या प्रतिवादीयों की मृत्यु हो जाने से मामले महत्वपूर्ण हो गये थे = 80।

ऐसे मामलों की संख्या जिनमें प्रतिवादीयों को दूसरी अनुसूची के अन्तर्गत दोषी पाया गया तथा अनुभाग 21 (5) के अन्तर्गत उच्च व्यायालय को प्रदेशीन कर दिया गया है। 136 ऐसे मामलों की संख्या जिनमें प्रतिवादीयों को पहली अनुसूची के अन्तर्गत दोषी पाया गया तथा अनुभाग 21 (4) के अन्तर्गत परिषद् द्वारा विषय किये जा खुके हैं या किया जाना है = 20।

ऐसे मामलों की संख्या जिन्हें कि भ्रन्तिसनात्मक समिति के पास और अधिक विस्तृत रिपोर्ट देने के लिये बापम सेज, गया है ।—2

#### 6. आर्टिकल्ड और आडिट कर्सकेस

##### 6. 1 पंजीकरण

31 मार्च 1988 को समाप्त हुए वर्ष के अन्तर्गत पंजीकृत किये गये आर्टिकल्ड तथा आडिट कर्सों की संख्या पिछले वर्ष की संख्या की तुलना में निम्न प्रकार से हैं:—

1986-87 1987-88

आर्टिकल्ड एवं आडिट कर्सकेस 10642 12753

##### 6. 2 आर्टिकल्ड तथा आडिट कर्सों को रोजगार सहायता

जिन विद्यार्थियों ने अपनी आर्टिकल्ड / आडिट मेवाएँ पूरी कर ली हैं तथा जिन्होंने इंस्टीट्यूट की हस्टरमोडिएट परीक्षा भी उत्तीर्ण कर, दी है, उनके लिए रोजगार सहायता सेवा लागू है। इम निमित अन्तर्वर्ष, मध्यसं, कलान्तर, कामपुर तथा नई विद्यालयित प्रत्येक रीजनल केन्द्रों पर डीमेन्ट्रा ईंज़ि आर्टिकल्ड एक रोजगार रजिस्टर खोली गई है। इन उपरोक्त सुविधाओं का नाम उठाने के इच्छुक विद्यार्थी जो इत अवेक्षाओं को पूरा करते हैं, व्यक्तिगत तौर पर सम्पर्क कर सकते हैं अथवा इंस्टीट्यूट के तंत्रित सहायक मंचिव को इंस्टीट्यूट को प्रवास किये जाने वाले विवरणों के लिए निम्न सकते हैं।

##### 6. 3 बोर्ड आफ स्टडीज

(ए) 31 मार्च, 1988 तथा 31 मार्च 1987 को समाप्त वर्ष में भर्ती विद्यार्थियों को संख्या निम्नलिखित है:—

कोर्स	1987-88	1986-87
हस्टरमोडिएट	12753	10642
काइनल	4951	6354

31 मार्च, 1988 को विद्यार्थियों को कुल संख्या 48,660 और 31 मार्च 1987 को वह संख्या 46140 थी। ऐसे नामांकनों का विवरण परिवर्त्त 10 में दिया गया है।

(बो) रीजनल स्था अन्य महत्वपूर्ण केन्द्रों पर हमेशा की भाँति फाइनल स्था इंस्टरमोडिएट कोर्स के विद्यार्थियों के लिए संभव युहराव कामों में लाई गई।

(सो) 31 मार्च 1988 को समाप्त वर्ष के अन्तर्गत निम्नलिखित आज्ञावृत्ति प्रदान की गई:—

(1) मैरिट स्कालरशिप: ।

रु. 75/-—प्रतिमाह की दर से 10 विद्यार्थियों के लिए अधिकतम 18 माह की आज्ञावृत्ति

रु. 75/-—प्रतिमाह की दर से 4 विद्यार्थियों के लिए अधिकतम 12 माह की आज्ञावृत्ति

(2) रु. 75/-—प्रतिमाह की दर से 1 विद्यार्थी के लिए अधिकतम 12 माह की योग्यता तथा आवश्यकता पर आधारित आज्ञावृत्ति

(3) रु. 50/- प्रतिमाह की दर से 100 विद्यार्थियों के लिए अधिकतम 30 माह की आवश्यकता पर आधारित आज्ञावृत्ति

(4) अंगिक फीसिप अर्थात् 99 विद्यार्थियों के द्यूषण फीस की दूसरी किस्त में छूट देना।

(5) 2 विद्यार्थियों को एक वर्ष की अवधि के लिए एम. वैश्व मैमोरियल स्कालरशिप रु. 100/- प्रतिमाह की दर से प्रदान करना।

(6) बोर्ड ने देश भर में विद्यार्थियों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए 33 स्थानों पर गज़मैट्रै आनंदर वाल्यूम उपलब्ध कराये हैं।

(7) बोर्ड ने परीक्षा शुरू होने से 7 सप्ताह पूर्व समस्त रीजनल मैल्स काउन्टर्न्स पर रिवीजनल ट्रैट पैसें उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की जिन्हें डीक इसी समय पर सभी भारतीय विद्यार्थियों के पास भी भेजा गया।

(एफ) यथापि बोर्ड ने एम्से परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए जिनी पदाचार यादृकम की व्यवस्था नहीं की है, फिर भी ऐसे विद्यार्थियों के उपयोग के लिए बोर्ड अध्यवन सामग्री और दूसरी महायता बेता आ रहा है। इस सामग्री के पूरे संदर्भ का मूल्य रु. 100/- है।

(जी) प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों और कम्पनी लां से सम्बंधित चुने हुए निर्णयों का संग्रह तथा ताजे रीडिग्म के अलावा जस्तल के विद्यार्थियों के भाग में, पाठ, स्पष्टीकरण/सूचनाओं तथा अन्य राईट-अप्स के रूप में अध्ययन बोर्ड जस्तल में अपना योगशान देता आ रहा है। जस्तल में छाने हेतु प्राप्त लेखों के पुनर्विलोकन के कार्य में बोर्ड की फैकल्टी के सबस्य लगातार लगे हुए हैं।

(एच) विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री पूर्ण रूप से तथा समय पर उपलब्ध कराने हेतु विशेष प्रबन्ध किये गये हैं।

(आई) विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क करने की घोड़ना के अन्तर्गत अध्ययन बोर्ड के समाप्ति तथा अध्ययन बोर्ड के निवेशक सारे क्षेत्रों केन्द्रों तथा अन्य महत्वपूर्ण शहरों में विद्यार्थियों से मिले।

(जे) परिषद के एक निर्णय के अनुसार बोर्ड ने भारत के विश्व-विद्यालयों की भी काम, परीक्षा में प्रथम तीन स्थान पाने वाले तथा दूसरी परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए जो कि चार्टर्ड एकाउन्टेंसी के कोर्स में प्रवेश लेते हैं, दूसरी शुल्क को माफ करने का फैसला किया है।

(के) भारत की स्वतंत्रता की 40वीं वर्षगांठ समाने के लिए बोर्ड ने इंस्टीट्यूट की अनेक शाखाओं में सी०ए०क० विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की सुविधा में और अधिक युवाओं का फैसला किया है। इस उद्देश्य हेतु बोर्ड ने वर्ष के बीचार उपलब्ध सुविधाओं का सर्वेक्षण भी किया।

(एल) बोर्ड ने सी०ए० का कोर्स कर रहे छात्रों में से योग्य छात्रों को 1000 रुपये प्रतिवर्ष की दूरे छावनवृत्तियों के लिये काटक की लक्ष्यीयन कम्पोइंस चैरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा किये गए प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

(एम) बोर्ड ने एक अब्द (ओडियो) गिरा कार्यक्रम शुरू किया है इसके अन्तर्गत बोर्ड के फैकल्टी के सदस्यों, प्रमुख सदस्यों तथा विद्यालयों द्वारा जुने हुए लेखों में अनेक विषयों पर यानी तथा लेनदेन ओडियो लैसेट में रिकार्ड किये जाते हैं। अब तक 12 लैसेट तैयार किये जा चुके हैं। इस योजना की प्रति विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया बड़ी ही उम्माहर्षण रही है।

(एन) विद्यार्थियों के लिए अव्यवहार सामग्री को छूट प्राप्त दरों पर डाक द्वारा भेजने की समाप्त सुविधा को पुनः प्राप्त कराने में इस्टीट्यूट को अपने प्रयत्नों में इंस्टीट्यूट आंक कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्स आफ इंडिया तथा इस्टीट्यूट कॉस्ट कम्पनी सैक्रेटरीज आफ इंडिया के साथ समन्वय से सफलता मिली है। इस प्रयत्न की सफलता में माननीय संचार मंत्री श्री बसन्त साठे के उदार हस्तक्षेप की अहम भूमिका रही है।

#### परीक्षाएं

##### 7.1 प्रवेश इन्टरमीडिएट तथा अंतिम परीक्षाएं

चार्टर्ड एकाउन्टेन्स की प्रवेश, इन्टरमीडिएट तथा अंतिम परीक्षाओं का आयोजन समस्त भारत के अनेक केन्द्रों में मई और नवम्बर 1987 में किया गया। कथित परीक्षाओं में बैठे विद्यार्थियों की संख्या तथा उन विद्यार्थियों की संख्या जिन्हें कथित परीक्षाओं में सफल घोषित किया गया, से संबंधित आंकड़े परिणिष्ठ 11 में दिये जा रहे हैं।

##### 7.2 नये परीक्षा केन्द्र

(1) नेपाली विद्यार्थियों जो कि नेपाल में कार्यरत हैं, व जो भारत में चार्टर्ड एकाउन्टेन्स का कीर्ति कर रहे हैं, को होने वाली कठिनाइयों को द्वारा करने के लिये इन्टरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षाओं के आयोजन हेतु काठमण्डू में एक परीक्षा केन्द्र खोला गया है। कथित परीक्षाओं का आयोजन मई 1987 में किया गया था। फिलहाल इस परीक्षा केन्द्र को जारी रखा जा रहा है।

(2) नवम्बर 1987 की परीक्षाओं हेतु जम्मू में एक परीक्षा केन्द्र खोला गया। इस केन्द्र में व्यापास पास व्यापास अशान्त वातावरण को मध्यनजर रखते हुए इस केन्द्र को फिलहाल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। प्रयोग के तौर पर मई 1987 तथा नवम्बर 1987 को दो अवधियों के लिये अम्बाला में एक परीक्षा केन्द्र खोला गया। यमुना नगर में परीक्षा केन्द्र खोलने के लिये यमुनानगर तथा जगाधारी सी. ए. विद्यार्थी संघ की ओर से प्राप्त लिखित प्रतिनिधित्व को तथा यमुना नगर में परीक्षा केन्द्र खोलने हेतु उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद की सिफारिशों को मध्यनजर रखते हुए स्थिति का पुनर्विवेत्तन किया गया। यह निश्चय किया गया कि प्रयोग के तौर पर मई, 1988 की परीक्षाओं हेतु एक अतिरिक्त परीक्षा केन्द्र यमुना नगर में खोला जाय। फिलहाल आस-पास के क्षेत्रों में विद्यामान अशान्त वातावरण को मध्यनजर रखते हुए, अम्बाला तथा यमुना नगर दोनों केन्द्रों को जारी रखने का निर्णय किया गया है। स्थिति का बाद में पुनर्विवेत्तन किया जायेगा। मैसूर तथा मैरठ में मई और नवम्बर 1987 की परीक्षाओं के लिये प्रयोग के तौर पर खोले गए केन्द्रों ने केन्द्र जारी रखने की शर्तों को पूरा कर लिया है तथा इन केन्द्रों को जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

(3) मई 1988 में जिन स्थानों पर चार्टर्ड एकाउन्टेन्स की परीक्षाएं ली गई उन स्थानों की पूरी सूची निम्न प्रकार से है—

- (1) आगरा
- (2) अहमदाबाद
- (3) इलाहाबाद
- (4) अम्बाला
- (5) बंगलौर
- (6) बड़दीदा
- (7) बेंगलुरु
- (8) भोपाल
- (9) बन्द्रई

- (10) कलकत्ता
- (11) कालीकट
- (12) चण्डीगढ़
- (13) कोयम्बटूर
- (14) कटक
- (15) दिल्ली/नई दिल्ली
- (16) एराकुलम
- (17) गोहाटी
- (18) हैदराबाद
- (19) इन्दौर
- (20) जगपुर
- (21) जम्मू
- (22) जोधपुर
- (23) कानपुर
- (24) काठमान्डू (नेपाल)
- (25) लखनऊ
- (26) लुधियाना
- (27) मद्रास
- (28) मदुराई
- (29) मंगलौर
- (30) मेरठ
- (31) मैसूर
- (32) नागपुर
- (33) नासिक
- (34) पटना
- (35) पूना
- (36) तेलम
- (37) सूरत
- (38) तिरुचिरापल्ली
- (39) तिचूर
- (40) तिवेदम
- (41) उदयपुर
- (42) विजयवाडा
- (43) विशाखापट्टनम
- (44) यमुनानगर

##### 7.3 पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण-पत्र

उन विद्यार्थियों के नाम जिन्होंने मई और नवम्बर 1987 की परीक्षाओं में पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त किये, परिणिष्ठ 12 में दिये जा रहे हैं। परिषद ने निम्नलिखित तरे पुरस्कारों की भी घोषणा की है—

- (1) यू. के. भार्गवा पुरस्कार उन विद्यार्थियों को जिन्होंने कि इन्टरमीडिएट परीक्षा के समूह में 1 में प्रश्नपत्र 2 भाग वी “आयकर के मूल तत्व” में सबसे अधिक अंक प्राप्त किये हों।
- (2) जे. एस. लोहा स्वर्णपदक उन विद्यार्थियों को दिया जाना है जिन्होंने प्रत्येक टर्म में सी ए इन्टरमीडिएट परीक्षा और अंतिम परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया हो।

##### 7.4 परीक्षार्थियों के विश्व विद्यालयी

मई और नवम्बर 1987 की परीक्षाओं में पांच उम्मीदवारों को नकल करते हुए या नकल करने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया

हो उम्मीदवारों के संबंधित परीक्षा के परिणाम रद्द कर दिया गया और वाकी तीन मामलों में परीक्षा परिणाम को रद्द कर दिया गया तथा उन्हें आवेदन के दो परीक्षाओं में बैठने के लिये अवैध घोषित कर दिया गया है।

#### 8. क्षेत्रीय परिषदें तथा क्षेत्रीय परिषदों की शाखाएं

##### 8.1 नई शाखाएं

पिछली रिपोर्ट के पश्चात रिपोर्ट वर्ष के दौरान निम्नलिखित नई शाखाएं स्थापित की गई हैं:—

दक्षिणी क्षेत्र

पालघाट

मध्य क्षेत्र

भीलवाडा, देहरादून और बरेली

उत्तरी क्षेत्र

हिसार और शिमला

उपरोक्ता शाखाओं के स्थापित किये जाने से क्षेत्रीय परिषदों की कुल शाखाओं की संख्या अब बढ़करे 71 हो गई है।

##### 8.2 क्षेत्रीय परिषदों की शाखाओं के लिये भवन

(अ) परिषद ने भवन निर्माण के लिये शाखाओं को दिये आवेदन अनुदान को काफी सीमा तक उदार बना दिया है। अब तक निम्नलिखित शाखाओं ने अपने लिये खुद कार्यालय परिसर बना लिये हैं:—

1. आगरा
2. अहमदाबाद
3. अलीपुरी
4. कोटम्बटूर
5. कालीकट
6. अरनाकुलम
7. कोटटायम
8. पूना
9. सूरत
10. चिंचूर

(ब) जयपुर, लखनऊ, मदुराई, पालघाट और विवेद्रम शाखाओं ने खुद के कार्यालय परिसर के निर्माण हेतु जमीन प्राप्त कर ली है।

(स) अनेक अन्य स्थानों पर खुद के परिसर निर्माण हेतु प्रयत्न किये जा रहे हैं इसमें से मुख्य हैं:— औरंगाबाद, बंगलौर, हैदराबाद, कोल्हापुर, मंगलौर, तुंगियात, नाशिपुर, रांची और सोलापुर।

##### 8.3 भारत से बाहर इंस्टीट्यूट के चैटर

पिछली रिपोर्ट से भारत से बाहर इंस्टीट्यूट का कोई भी चैटर स्थापित नहीं किया गया। इस प्रकार चैटरों की संख्या ४८ तक ही सीमित रही है।

8.4 क्षेत्रीय परिषदों की सर्वोच्च शाखा के लिये चलायमान शील्ड क्षेत्रीय परिषदों की शाखाओं को और अधिक कार्यशील बनाने के अपने प्रयत्नों में तथा शाखाओं के सदस्यों का व्यवसाय के कार्यकलायों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिये इंस्टीट्यूट ने क्षेत्रीय परिषदों की शाखाओं के न्यूनतम कार्य प्रदर्शन के लिये कठ सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं। इस योजना के अन्तर्गत शाखाओं के अपने क्रियाकलायों गतिविधियों की तिमाही रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। इस प्रकार शाखाओं

की गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाता है तथा सर्वोत्तम शाखा को एक चलायमान शील्ड से पुरस्कृत किया जाता है।

वर्ष 1986-87 में यह चलायमान शील्ड डबल्यू. आई. आर. सी. की पूना शाखा को प्रदान की गई। शाखा के सम्मानितों को यह शील्ड केन्द्रीय उद्योग मंत्री मानोनीत श्री जे. वेंकलराव ने इंस्टीट्यूट के वार्षिक समारोह में प्रदान की। वर्ष 1987-88 के लिये इस चलायमान शील्ड को सी. आई. आर. सी. की जयपुर शाखा को जिते कि वर्ष की सर्वोत्तम शाखा घोषित किया गया है। इंस्टीट्यूट के वार्षिक समारोह के अवसर पर प्रदान किया जायेगा।

##### 8.5 सर्वोत्तम क्षेत्रीय परिषद के लिये चलायमान शील्ड

यह पुरस्कार वर्ष 1986-87 से प्रारम्भ किया गया है। वर्ष 1986-87 में इस पुरस्कार को परिषदी भारत क्षेत्रीय परिषद तथा दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद ने संयुक्त रूप से जीता था। इंस्टीट्यूट के वार्षिक समारोह के अवसर पर केन्द्रीय उद्योग मंत्री ने इन क्षेत्रीय परिषदों के समाजितावों को संयुक्त रूप से यह शील्ड प्रदान की।

वर्ष 1987-88 के लिये दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद को सर्वोत्तम क्षेत्रीय परिषद घोषित किया गया है। मितम्बर 1988 में होने वाले इंस्टीट्यूट के वार्षिक समारोह में इस क्षेत्रीय परिषद को चलायमान शील्ड प्रदान की जायेगी।

##### 9. वित्त

31 मार्च, 1988 को वैनेस-पीट तथा इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिये आय और व्यय का लेखा जोखा परिषद द्वारा पास कर दिया गया है। आय और व्यय का लेखा जोखा 64.31 लाख रुपये की बाचत (बढ़ीतरी दियाजा है जो कि इससे पहले में 41.71 लाख रुपये की थी।

अच्छी सेवाए उत्तमवा करने हेतु और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों का प्रबल्द संबंधी रिकार्ड रखने जैसे कि सदस्य, विद्यार्थी, प्रकाशन और चल सम्पति का नियंत्रण, वेतन विल, जरनल की मेलिंग लिस्ट, लेखाओं तथा वित्तीय कार्यों हेतु कम्प्यूटर खरीदे गये हैं तथा इन्हें स्थापित कर दिया गया है।

##### 10. प्रशंसा

(अ) परिषद अपने उन सभस्त सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करती है जिन्होंने इंस्टीट्यूट की अनेक समितियों में सह सदस्यों (मनोनीत) के रूप में कार्य किया। परिषद उन सभस्त गैर-सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करती है जिन्होंने परिषद को इसके शैक्षाणिक, तकनीकी और दूसरी अनेक गतिविधियों तथा परिषाओं में सहायता की है।

(ब) परिषद सरकार तथा परिषद में उसके द्वारा मनोनीत सदस्यों का जिन्होंने कि पूरे वर्ष के दौरान परिषद की लगातार सहायता की है भूरि भूरि प्रशंसा करती है तथा उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करती है।

(स) इंस्टीट्यूट के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा वर्ष भर ईमानदारी तथा तत्परता से कार्य करने की परिषद सराहना करती है

आर० एन० चोपडा, सचिव

के. जी. सोमानी, उपाध्यक्ष

एच के. दासगुप्ता अध्यक्ष

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1988

वायिक रिपोर्ट की परिशिलियाँ

परिशिलियाँ—।

(सन्दर्भ—रिपोर्ट का पैरा 1.1.)

1. 1987-88 में परिषद के भवस्थ—

प्रभाल के. एम. -- (नई दिल्ली)

बालाहुण आर. -- (मद्रास)

मनजी भास्कर-- (कलकत्ता)

\*बंसल आर. एन. -- (नई दिल्ली)

मणिराम एम. एम. -- (भग्नुर)

चक्रवर्ती ए. के. -- (कलकत्ता)

छाजेड़ एम. पी. -- (बम्बई)

विताले एम. एम. -- (बम्बई)

द्वाल ए. एम. -- (बम्बई)

वासुदेव एस. के. -- (कलकत्ता)

घोष ए. -- (बम्बई)

जैन. आई. सी. -- (बम्बई)

कामे बाई. एम. -- (बम्बई)

\*मेहुला काली-- (जमशेवपुर)

\*मितल सी. पी. (1-7-1987 में) -- (नई दिल्ली)

मायर पी. ए. -- (बम्बई)

नर्सोपाल एस. -- (मद्रास)

दार्यशाम्बादी जी. -- (मद्रास)

पटेल मनुभाई जी. -- (भग्नुरबाद)

पोडार एन. के. -- (कलकत्ता)

\*रमन बी. एन. -- (हैदराबाद)

राठी आनन्द-- (बम्बई)

राव बी. पी. -- (बंगलौर)

शर्मा लक्ष्मी निवास-- (हैदराबाद)

सोमानी के. जी. -- (नई दिल्ली)

सुन्दराजन एन. सौ. -- (मद्रास)

\*टिकू सी. के. -- (नई दिल्ली)

बेश्य आर. सी. (आ.) -- (भग्नुर)

वासुदेव एन. सी. -- (नई दिल्ली)

विश्वनाथ टी. एस. -- (नई दिल्ली)

2. वर्ष 1987-88 में समितियों के सदस्य

(अ) स्थायी समितियाँ—

कार्यकारिणी समिति:

श्री एम. के. बालाहुण. भृश्यम-- (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी. उपाध्यक्ष-- (ईन्डियनी)

श्री एम. एम. विताले-- (बम्बई)

श्री पी. ए. मायर-- (बम्बई)

श्री की. पी. राव-- (बंगलौर)

श्री आर. एन. चौपडा (परिषिलियाँ के सचिव)

परिषास समिति,

श्री एस. के. दासगुप्ता. भृश्यम-- (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी. उपाध्यक्ष-- (नई दिल्ली)

श्री के. एम. अववान-- (नई दिल्ली)

श्री एम. जी. पटेल-- (भग्नुरबाद)

श्री एन. सी. सुन्दराजन-- (मद्रास)

श्री के. कर्णपाण्डित (परिषिलियाँ के सचिव)

अनुशासनात्मक समिति

श्री एन. के. दासगुप्ता. भृश्यम-- (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी. उपाध्यक्ष-- (नई दिल्ली)

श्री आर. बालाहुण-- (भग्नुर)

श्री आर. एन. वंशर-- (नई दिल्ली)

श्री आर. एन. चौपडा (समिति के सचिव)

श्री जी. ई. यू. यू.ना (समिति के प्रतिरिद्ध सचिव)

(ब) प्रमाणी समितियाँ

अनुसंधान समिति

श्री ए. एच. दलाल. समाप्ति-- (बम्बई)

श्री अनन्द राठी. उप समाप्ति-- (बम्बई)

श्री एम. के. दासगुप्ता. भृश्यम एवं प्रान्तिरितों-- (कलकत्ता)

श्री ए. घोष-- (बम्बई)

श्री बाई. एम. काले-- (बम्बई)

श्री एन. के. पोडार-- (कलकत्ता)

श्री एन. सी. सुन्दराजन-- (मद्रास)

श्री आर. सी. वैष्णव-- (भग्नुर)

श्री टी.एस. विश्वनाथ-- (नई दिल्ली)

श्री पो.एन. माह-- (बम्बई)

श्री यो. रामन, मनोजीनी-- (नई दिल्ली)

श्री एन. पो. शारदा-- (बम्बई)

श्री अविनाश चन्द्र (समिति के सचिव)

आडिटिंग प्रैक्टिसेज समिति

श्री आर. सी. वैष्य समाप्ति-- (भग्नुर)

श्री एस. नर्सोपाल. उप समाप्ति-- (मद्रास)

श्री एस. के. बालाहुण. भृश्यम एवं ओफिसियो-- (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी. उपाध्यक्ष. एस. ओफिसियो-- (नई दिल्ली)

श्री आर. बालाहुण-- (भग्नुर)

श्री आई. सी. जैन-- (बम्बई)

श्री बाई. एम. काले (बम्बई)  
 श्री सी. पी. मित्रल (नई दिल्ली)  
 श्री एम. सी. सुन्दरराजन-- (मद्रास)  
 श्री बाई. एच. मानेगम } -- (बम्बई)  
 श्री पी. आर. खस } मनोरीत-- (नई दिल्ली)  
 श्रीमती एच. अच्यूतन } -- (मद्रास)  
 श. कमल गुप्ता (समिति के सचिव)

श्री सी. पी. मित्रल-- (नई दिल्ली)  
 श्री जी. नारायणस्वामी -- (मद्रास)  
 श्री एम. जी. पटेल-- (ग्रामदावाद)  
 श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा-- (हैदराबाद).  
 श्री बी. सी. माल } मनोरीत-- (कलकत्ता)  
 श्री एम. एम. खन्ना } मनोरीत-- (नई दिल्ली)  
 श. एम. एम. खन्ने (समिति के सचिव)

## स्थानी अधिकारिक शिक्षा समिति--

श्री एस. सी. वासुदेवा, समापति-- (नई दिल्ली)  
 श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपसमापति-- (हैदराबाद)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता, अध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उपाध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (नई दिल्ली)  
 श्री ए. के. अक्षयरत्नी-- (कलकत्ता)  
 श्री एस. पी. छाजेह-- (बम्बई)  
 श्री एन. के. पोद्दार-- (बम्बई)  
 श्री एच. एम. वर्मानिया } मनोरीत (बम्बई)  
 श्री सुकुमार भट्टाचार्य } मनोरीत (कलकत्ता)  
 श. एन. एल. धमेजा (समिति के सचिव)

## सेवाकार्य मानक बोर्ड

श्री भास्कर बनर्जी, समापति-- (कलकत्ता)  
 श्री एस. सी. वासुदेवा, उपसमापति-- (नई दिल्ली)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता अध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री आर. वालहण्डी-- (मद्रास)  
 श्री अ.र.एन. बंसल-- (नई दिल्ली)  
 श्री ए. के. अक्षयरत्नी-- (कलकत्ता)  
 श्री एम. एम. खितले-- (बम्बई)  
 श्री बाई. एम. काले-- (बम्बई)  
 श्री सी.पी. मित्रल-- (नई दिल्ली)  
 श्री सी.के. टिक्कू-- (नई दिल्ली)  
 श्री सी. के. पुजारी } (नई दिल्ली)  
 श्री एम. एन. गार्डुरिया } (मनोरीत-- (बम्बई)  
 श्री सी. के. खलिक } (कलकत्ता)  
 श्री आर. सेनासाही } (मद्रास)

## एसोसिय का प्रतिनिधि --कोई भी नहीं

श. कमल गुप्ता (बोर्ड के सचिव)  
 अधिकारिक विकास समिति--  
 श्री आई. सी. जैन, समापति-- (बम्बई)  
 श्री एस. एस. मण्डारी, उपसमापति-- (जयपुर)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता, अध्यक्ष एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री आर. एन. बंसल-- (नई दिल्ली)  
 श्री ए. शोध-- (बम्बई)

## अध्ययन बोर्ड

श्री एम. पी. लोकेन्द्र, समापति-- (बम्बई)  
 श्री एस. नन्दगोपल उपसमापति-- (मद्रास)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता, अध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री ए. के. अक्षयरत्नी-- (कलकत्ता)  
 श्री एम. एम. खितले-- (बम्बई)  
 श्री कास्ती खेड़ता-- (जमशेश्वर)  
 श्री धानन्द राठी-- (बम्बई)  
 श्री एस. राय औषधी } मनोरीत-- (कलकत्ता)  
 श्री जे. एच. माह-- } बोर्डीत (बड़ोदा)  
 श्री ए. के. मजुमदार (बोर्ड के सचिव)

## कार्यालय समिति

श्री एन. के. पोद्दार, समापति-- (कलकत्ता)  
 श्री एम. जी. पटेल, उपसमापति-- (ग्रामदावाद)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता, अध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उपाध्यक्ष एकत्र औकातियो-- (नई दिल्ली)  
 श्री एस. नन्दगोपल-- (मद्रास)  
 श्री जी. नारायणस्वामी-- (माल)  
 श्री सी. के० टिक्कू-- (नई दिल्ली)  
 श्री एस. सी. वासुदेवा-- (नई दिल्ली)  
 श्री टी.एस. विश्वनाथ-- (नई दिल्ली)  
 श्री बी. सी. वराक-- (बम्बई)  
 श्री टी. शी. मंदेश्वरी-- मनोरीत-- (कलकत्ता)  
 श्री सी. आर. टी. वर्मा (समिति के सचिव)

## कल्पनी बोर्ड समिति--

श्री टी.एस. विश्वनाथ समापति (नई दिल्ली)  
 श्री भास्कर बनर्जी-- (कलकत्ता)  
 श्री एस. के. वासंगुप्ता, अध्यक्ष, एकत्र औकातियो-- (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उपाध्यक्ष एकत्र औकातियो-- (नई दिल्ली)  
 श्री के. एम. अग्रवाल-- (नई दिल्ली)  
 श्री आर. एन. बंसल-- (नई दिल्ली)  
 श्री ए. एच. बलाल-- (बम्बई)  
 श्री जी. नारायण स्वामी-- (मद्रास)

डा. आर. सी. वैश्य — (कानपुर)

श्री प्रदीप भला } — मनोनीत— (नई दिल्ली)  
श्री के. गणेशन } — (मद्रास)

श्री एस. के. चक्रवर्ती (समिति के सचिव)

#### अन्तर्राष्ट्रीय कार्य समिति

श्री एस. के. दासगुप्ता सभापति— (कलकत्ता)

श्री के. जी० सोमानी, उप सभापति— (नई दिल्ली)

श्री आर. बालाकृष्णन— (मद्रास)

श्री भास्कर बनर्जी — (कलकत्ता)

श्री ए. एच. दलाल— (बम्बई)

श्री पी.ए. नायर— (बम्बई)

श्री ए.सी. चक्रवर्ती— मनोनीत— (कलकत्ता)

श्री बी.एल. कावरा — (बम्बई)

डा. कमल गुप्ता (समिति के सचिव)

#### विशेषज्ञ सलाहकार समिति

श्री एस. एस. भडारी सभापति (जयपुर)

श्री जी. नाराणस्वामी उप सभापति— (मद्रास)

श्री के. जी. सोमानी उपाध्यक्ष एक्स ओफिसियो— (नई दिल्ली)

श्री एस. पी. छाजड़— (बम्बई)

श्री ए. एच. दलाल— (बम्बई)

श्री आई. सी. जैन— (बम्बई)

श्री एस. नन्दगोपल — (मद्रास)

श्री डी.जे. विश्वास— मनोनीत (कलकत्ता)

श्री हरीश चैम्पार — (नई दिल्ली)

श्री अविनाश चन्द्र (समिति के सचिव)

#### विश्वविद्यालय सम्पर्क समिति

श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा सभापति— (हैदराबाद)

श्री बी. पी. रा उप सभापति— (बंगलौर)

श्री के. जी. सोमानी उपाध्यक्ष एक्स ओफिसियो— (नई दिल्ली)

श्री के. एम. अग्रवाल— (नई दिल्ली)

श्री एम. एम. चितले — (बम्बई)

श्री आई. सी. जैन— (बम्बई)

श्री जी. नारायणस्वामी— (सिक्किमराबाद)

श्री एस. एन. नन्द— (नई दिल्ली)

डा. एन. के. अग्रवाल (समिति के सचिव)

#### आचार संहिता भानक समिति

श्री एस. नन्दगोपल, सभापति— (मद्रास)

श्री ए. के. चक्रवर्ती, उप सभापति— (कलकत्ता)

श्री एस. के. दासगुप्ता अध्यक्ष एक्स ओफिसियो — (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी उपाध्यक्ष एक्स ओफिसियो— (नई दिल्ली)

श्री आर. एन. बंसल— (नई दिल्ली)

श्री एस० एस. भण्डारी— (जयपुर)

श्री वाई. एम. काले— (बम्बई)

श्री आनन्द राठी— (बम्बई)

श्री अशोक कुम्हट— मनोनीत— (मद्रास)

श्री सी.एल. जावर — (जयपुर)

श्री जी. बनर्जी (समिति के सचिव)

#### जन-संस्कर्क समिति

श्री एस. के. दासगुप्ता, सभापति— (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी उप सभापति— (नई दिल्ली)

श्री एस. एस. भण्डारी— (जयपुर)

श्री कान्ती भेहता— (जमशेदपुर)

श्री बी.एन. रमण— (हैदराबाद)

श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा— (हैदराबाद)

श्री जगेश देसाई— मनोनीत— (नई दिल्ली)

श्री सुनता बासु— मनोनीत— (नई दिल्ली)

श्री आर. एल. चौपडा (समिति के सचिव)

प्रतिक्रिया रूप से हृदये गये आडिटरों के लिये समिति—

श्री एस. के. दासगुप्ता, सभापति— (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी उप सभापति— (नई दिल्ली)

श्री आर. एन. बंसल— (नई दिल्ली)

श्री ए. घोष — (कलकत्ता)

श्री सी. पी. मित्तल— (नई दिल्ली)

श्री जी. डी. खुराना (समिति के सचिव)

#### सम्प्रदायकीय बोर्ड—

श्री एस. के. दासगुप्ता, मुख्य सम्प्रदायक— (कलकत्ता)

श्री के.जी. सोमानी यह सम्प्रदायक— (नई दिल्ली)

श्री के. एम. अग्रवाल— (नई दिल्ली)

श्री एन. के. पोहार— (कलकत्ता)

श्री बी. पी. राव— (बंगलौर)

श्री आनन्द राठी— (बम्बई)

श्री लक्ष्मी निवास शर्मा— (हैदराबाद)

श्री टी.एस. विश्वनाथ— (नई दिल्ली)

श्री आर. सी. कपूर — (तई दिल्ली)

श्री सी.एस. लहरी— (कलकत्ता)

श्री आर. एल. चौपडा (बोर्ड के सचिव)

उद्योगों में सदस्यों हैनू समिति

श्री आनन्द राठी, सभापति— (बम्बई)

श्री भास्कर बनर्जी, उप सभापति— (कलकत्ता)

श्री के. जी. सोमानी उपाध्यक्ष एक्स ओफिसियो— (नई दिल्ली)  
 श्री आर. एन. बंसल— (नई दिल्ली)  
 श्री वी. एन. रमन— (हैदराबाद)  
 डा. आर. सी. वैश्य — (कानपुर)  
 श्री शार. सी. ग्रग्राम -- (बम्बई)  
 श्री डॉ. एम. एम. नालियार— नेतृत्वीत — (बम्बई)  
 श्री के. सद्गुणदास -- (मद्रास)  
 डा. एन. एल. ब्रमेजा— (समिति के सचिव) }  
 }  
 सामान्य उद्देश्य समिति

श्री एस. के. दासगुप्ता, सभापति— (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उप सभापति— (नई दिल्ली)  
 श्री पी. ए. नायर— (बम्बई)  
 श्री जी. नारायणसामी— (मद्रास)  
 श्री वी. एन. रमण— (हैदराबाद)  
 श्री वी. पी. राध — (बंगलौर)  
 श्री एस. सी. बासुदेवा— (नई दिल्ली)  
 श्री आर. एल. चोपडा— (समिति के सचिव)  
 आई. सी. ए. आई.—आई. सी. डब्ल्यू. ए. आई.  
 समन्वय समिति

श्री एस. के. दासगुप्ता, नेता — (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उप नेता— (नई दिल्ली)  
 श्री आर. दालाकृष्णन— (मद्रास)  
 श्री ए. के. अकबरी— (कलकत्ता)  
 श्री एस. पी. छाजेड़— (बम्बई)  
 श्री आर. एल. चोपडा— (समिति के सचिव)

आई. सी. ए. आई.—आई. सी. एम. आई. समन्वय समिति  
 श्री एस. के. दासगुप्ता, नेता— (कलकत्ता)  
 श्री के. जी. सोमानी, उप नेता — (नई दिल्ली)  
 श्री एम. जी. पटेल— (ग्रहमदाबाद)  
 श्री एन. के. पोडार— (कलकत्ता)  
 श्री एन. सी. सुन्दरराजन— (मद्रास)  
 श्री आर. एल. चोपडा (समिति के सचिव).

## परिचाट—2

[सन्दर्भ रिपोर्ट का पैरा 3.9(ग्र)]

सी. पी. ई. समिति द्वारा आयोजित गोष्ठियों तथा पाठ्यक्रमों का बयान

क्रमांक	कार्यक्रम	स्थान	दिनांक
1.	गृह संवालय के डिपार्मेंट आफ नई दिल्ली पर्दूनल एण्ड १३८८५िनिस्ट्रूटिव रिफोर्म्स	5 से 16 अक्टूबर 1987	
	के सहयोग से "प्रार्थक प्रबन्ध और प्रबन्ध सेवाकर्त्ता" पर		
	पाठ्यक्रम		

	1	2	3	4
2. कम्प्यूटर और प्रबन्ध सेवाकर्त्ता पर			मद्रास	7 से 8 नवम्बर
आई. सी. ए. आई. के साथ व्यवसायिक विकास पर संयुक्त कार्यक्रम				1987
3. एकार्डिंग सिस्टम आन पब्लिक बूटी लिटी तथा अलाभकारी संस्थाओं पर गोष्ठी			कलकत्ता	5 से 6 दिसंबर ]
4. असम विद्युत बोर्ड के सेवा- कार्यपालकों के लिये इन हाउस कार्यक्रम			नई दिल्ली	11 से 13 जनवरी 1988
5 और 6. आई. ए. एस. अधिकारियों नई दिल्ली के लिये वित्तीय और प्रबन्ध और प्रबन्ध नियंत्रण तरीके पर गोष्ठी				8 से 13 फरवरी और 29 फरवरी से 5 मार्च 1988 तक ]
7. कोर्पोरेट वित्तीय प्रबन्ध पर			काठमांडू	20 से 24 मई 1988
कार्यक्रम				
8. कोर्पोरेट फाईनेंस एण्ड सा- पर आई. सी. एस. आई. के साथ संयुक्त कार्यक्रम			बंगलौर	11 और 12 जून 1988

## परिचाट—3

(सन्दर्भ—रिपोर्ट का पैरा 3.9 (ब्र))

स्लाक्लोत्तर पाठ्यक्रमों के परिणाम का सारांश

एम. ए. सी. सी. एम. टी. एम.	भाग 1	भाग 1	भाग 1
	नवम्बर 87	परीक्षा	परीक्षा

नवम्बर 87 नवम्बर 87

1. दोनों युप	10	2	11
दोनों युपों में बैठे परीक्षायियों की कुल संख्या	2	0	0
दोनों युपों में उत्तीर्ण	20	0	0
प्रतिशत	2	0	6
केवल युप 1 में उत्तीर्ण	2	1	0
केवल युप 2 में उत्तीर्ण	5	0	3
प्रतिशत	27.77	0	60
2. युप 1			
केवल युप 1 में बैठे कुल परीक्षायियों की संख्या	18	0	5
उत्तीर्ण	5	0	3
प्रतिशत			
3. युप 2			
केवल युप 2 में बैठे हुए कुल प्रत्याशियों की संख्या	8	1	1
उत्तीर्ण	6	1	1
प्रतिशत	75	100	100

## परिपाठ -- 4

(सन्दर्भ—रिपोर्ट का पैरा 3.9 (एफ) )

बम्बई, कलकत्ता, कानपुर और मद्रास कम्प्यूटर केंद्रों द्वारा प्राप्तिक्रमों का संक्षिप्त विवरण

(17 सितम्बर 1987 से रिपोर्ट की तिथि तक)

क्रमांक	कम्प्यूटर केंद्र का नाम	प्राप्तिक्रमों का संख्या	प्रशिक्षित सदस्यों की संख्या	प्रशिक्षित विद्यार्थियों की संख्या
1.	बम्बई	13	23	98
2.	कलकत्ता	16	80	288
3.	कानपुर	6	23	74
4.	मद्रास	17	126	179
योग		52	459	639

## परिपाठ -- 5

(सन्दर्भ—रिपोर्ट का पैरा 3.12 (स) )

उन विश्वविद्यालयों तथा भारतीय विश्वविद्यालयों के संघों की सूची जिन्हें बाटें एकाउन्टेंटों को पी. एच. डी. डिप्री के लिए शोध स्कालर के रूप में वर्जिफिरण हेतु मान्यता दी गई है—

क्रमांक	विश्वविद्यालय का नाम
	भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ, नई दिल्ली
1.	अलगाप्पा विश्वविद्यालय, अलगाप्पा नगर, करारिकुड़ी
2.	प्रत्योगित मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ (यू.पी.)
3.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बाराणसी (यू.पी.)
4.	भगलौर विश्वविद्यालय, भगलौर
5.	भारतीयवाचन विश्वविद्यालय, तिक्किरापल्ली
6.	बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई
7.	कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट
8.	गुजरात विश्वविद्यालय गाहमध्याद
9.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, थिमली

1	2
10. कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर (यू.पी.)	
11. केरला विश्वविद्यालय, क्रियेन्ट्रम (केरला)	
12. लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	
13. बड़ोदा का एम. एस. विश्वविद्यालय बड़ोदा	
14. महाराष्ट्र विश्वविद्यालय रोहतक	
15. मंगलोर विश्वविद्यालय, लाईट हाउस हिल, मंगलोर	
16. मराठवाडा, विश्वविद्यालय, ओरंगाबाद	
17. मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ (यू.पी.)	
18. मोहन साल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर	
19. मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर	
20. उसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद	
21. पूना विश्वविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र)	
22. पंजाब विश्वविद्यालय, चम्पोराम	
23. पंजाबी विश्वविद्यालय, ਪटियाला	
24. राजीव विश्वविद्यालय, राजीवी	
25. सरदार पटेल विश्वविद्यालय, बस्ती विद्यानगर (गुजरात)	
26. सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)	
27. शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	
28. श्री वैक्षणेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति	
29. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	
30. आगरा विश्वविद्यालय, आगरा	
31. कुम्भेश्वर विश्वविद्यालय, कुम्भेश्वर	

## परिचय-6

(संदर्भ—स्पोर्ट का विरा 4.8)

बाहरी संस्थाओं में इस्टीट्यूट के प्रतिनिधि

सरकार का नाम	प्रतिनिधि का नाम
1. जन साधन अनुसंधान संस्थान	श्री एस. के. वासुदेव
2. श्री जनरल कॉर्सिल	
3. सागत सेक्यूरिटी कंपनी के नामों से संबंधित कंपनी मामलों के विभाग की अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान	श्री एस. के. वासुदेव
4. राष्ट्रीय उत्पादकता समिति	श्री के. जी. सोमानी
5. भारतीय मानक संस्थान की कार्यालय एकाउन्ट्स सेक्यूरिटी समिति	श्री एस. पी. छाजेड़
6. प्रस्तर कारों की केंद्रीय सलाहकार समिति	श्री एस. के. वासुदेव
7. बाणिज्य विभाग पर विश्वविद्यालय अनुदान प्राप्तीय की समिक्षा	श्री आर. बालाकृष्णन
8. लेखायामों की अन्तर्राष्ट्रीय फैंडरेशन की परिवर्तन (आई.ए.एस.सी.)	श्री सर्वभीमिकास शर्मा
9. लेखायामों की अन्तर्राष्ट्रीय फैंडरेशन की अन्तर्राष्ट्रीय लेखा परीक्षण पद्धतियों पर समिति	श्री ए. सी. चक्रवर्ती
10. लेखायामों की अन्तर्राष्ट्रीय फैंडरेशन की शिक्षा-समिति	श्री आर. बालाकृष्णन
11. लेखायामों का विभिन्न एशियाई फैंडरेशन	श्री पी. ए. नायर
12. "विस्कोजन भारत फाइनेंसियल स्टैट्यूट्स भारत बैंक्स" पर आई.ए.एस.ई.की स्टीरिंग समिति	श्री पी. ए. नायर

## परिचय-7

(संदर्भ—स्पोर्ट का विरा 4.11)

1. इस्टीट्यूट की बाहरी परिवर्त के लिये चुने गये सरकारी के नाम  
निर्वाचन भेद जिसमें कि गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा राज्य तथा दमन व दिव एवं धावर व नगर हवेली केंद्र शासित भेद शामिल हैं।

- श्री छाजेड़, सोहनराज पुत्रराजजी
- श्री वित्तले, मुकुंद मोहर
- श्री बसाल, धर्मविव द्वारकाराय
- श्री जेन, ईंटर चन्द्र
- श्री काले, यशोधन मधुसूदन
- श्री पटेल, रामभाई बांकरलाल
- श्री राठी, आमन्द किशोर
- श्री पारदा, भरेन्द्र फनसुखलाल

निर्वाचन भेद जिसमें आम प्रेस, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्य तथा पांडिचेरी और भारतीय समूह के केंद्र शासित भेद शामिल हैं।

- श्री लक्ष्मीनिकास शर्मा
- श्री मधुवीरोपाल, एस

3 श्री पौडीकरण, जोस

4 श्री राव, वी. पी.

5 श्री सुम्वरराजन, नलान चक्रवर्ती

6 श्री उपाध्याय, पी. पी. गुरुराज

निर्वाचन भेद जिसमें कि ग्रासम, भेषानय, नागार्जुण्ड, उडीसा, पश्चिमी बंगाल, मणिपुर, लिपुरा, सिक्किम, ग्रहणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्य और केंद्र शासित भेद अस्थमान एवं निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं।

1. श्री अनंती, भास्कर

2. श्री चक्रवर्ती, अमल कुमार

3. श्री पोद्धार, निर्वन कुमार

4. श्री मिदी, मोहन लाल

निर्वाचन भेद जिसमें कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य शामिल हैं।

1. श्री भंडारी, मुरेन्द्र सिंह

2. श्री गुप्ता, मुरेन्द्र कुमार

निर्वाचन भेद जिसमें कि हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर और पंजाब राज्य तथा केंद्र शासित भेद विल्ली और चंडीगढ़ शामिल हैं।

1. श्री ग्रन्वाल, के. एम.

2. श्री गुप्ता, एस. वी.

3. श्री सोमानी, के. जी.

4. श्री बासुदेव, मुमाय चन्द्र

2. इस्टीट्यूट की तेहवी शोधीय परिषदों के लिये चुने गये सरकारी के नाम।

## परिचय-8

(गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा राज्य तथा दमन व द्वीप और धावर व नागर हवेली संघीय भेद)

1. श्री चांदक, भरोक कुमार किशन गोपालजी

2. श्री चौकटी, राजनीकांत जानितलाल

3. श्री छोटी, लखित कुमार

4. श्रीमती शोधी, भावना गौतम

5. श्री अदियाली, पंकज विमललाल

6. श्री गोपल, गोविंद प्रसाद

7. श्री जैद, कैलाल चन्द्र

8. श्री जोशी, प्रदीप विनकर

9. श्री खरे, सुधीर गोपाल

10. श्री मेहता, संजय समीर

11. श्री पटचीगर, रुफिन रमेशचन्द्र

12. श्री राठी, जुगलकिशोर श्रीनिवासजी

13. श्री सरहा, बृजमोहन लाल चन्द्र

14. श्री शाह, चन्द्रकांत रतिलाल

15. श्री शाह, दिलिप कुमार बाडीलाल

16. श्री शाह, कीर्तिक शीरजसाल

## दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद

(ग्राम-प्रदेश, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्य तथा पांडिचेरी और लक्ष्मणपुर समूह संघीय क्षेत्र)

1. श्री प्रधानमंत्री, ए.
2. श्री हरीश कुमार शेट्टी
3. श्री जोसेफ, एम. सी.
4. श्री कोटेश्वररा राव, एस. एस. प्रसाद.
5. श्री नतनागोपाल, एस.
6. श्री नित्यानन्द, एन.
7. कुमारी प्रिया कुम्भट
8. श्री रामासुद्धमण्डन, के. एन.
9. श्री निवासन, ग्राम.
10. श्री मुख्य राज्य, गांव
11. श्री बदलामनी, बेंकटा सुलमण्यम रवि
12. श्री विजय राघवन, एस.

## पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद

(भूतम, भेदालय, नागानेंद्र, उडीसा, परिचमी बंगल, मणिपुर, लिपुरा सिक्किम, अद्याचल प्रदेश और मिजोरम राज्य तथा असमान व निकोबार द्वीप समूह संघीय क्षेत्र)

1. श्री शास, अमरेन्द्र नाथ
2. श्री धोष, सुद्रवता
3. श्री गुप्ता, हरी राम
4. श्री अद्वेलवाल, काशी प्रसाद

5. श्री खड्गा, राजेश कुमार
6. श्री राय चौधरी, संदीप कुमार
7. श्री सेनापति, तपन कान्ति

## मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद

(उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य)

1. श्री भगवाल, मिसल राधा किशन
2. श्री भंडारी, रमेश बन्द
3. श्री भागवा, सुनील कुमार
4. श्री गुजराती, बलदेववास
5. श्री कसेरा, राजेश

## उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद

(हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, अस्सी व कर्मीर और पंजाब राज्य और दिल्ली तथा चंडीगढ़ के संघीय क्षेत्र)

1. श्री अनिल पेशावरी
2. श्री चड्डा, मनु
3. श्री चौपड़ा, अमरजीत
4. श्री डुगर, रमेश
5. श्री गुलाटी, सुनील कुमार
6. श्री गुला, धीपक कुमार
7. श्री जैन, बिनय कुमार
8. श्री विजय मनोहर लाल

## परिविष्ट— 8

(संदर्भ— रिपोर्ट का दृश्य 3.1)

1-4-1988 को सदस्यों के घासकड़े

कैलोज	: पूर्णकालिक प्रैक्टिस में	12,985
	: अंशकालिक प्रैक्टिस में	1,742
	: प्रैटिक्स में नहीं	1,326
एसोसिएट्स		16,053
	: पूर्णकालिक प्रैक्टिस में	18,286
	: अंशकालिक प्रैक्टिस में	6,218
	: प्रैक्टिस में नहीं	11,767
		33,271
		49,324

## फैलोज

प्रैक्टिस में

## एसोसिएट्स

प्रैक्टिस में

क्षेत्र	पूर्णकालिक प्रैक्टिस में	अंशकालिक प्रैक्टिस में	प्रैक्टिस में नहीं	कालम 2,3 व पूर्णकालिक प्रैक्टिस में		पूर्णकालिक प्रैक्टिस में	अंशकालिक प्रैक्टिस में	प्रैक्टिस में नहीं	कालम 6,7 व कालम 5 व 9	
				कालम 4 का योग	कालम 8 का योग				कालम 6,7 व कालम 5 व 9 का कुल योग	
1.	4,089	665	380	5,134	5,150	3,121	3,262	11,534	16,668	
2.	3,184	367	360	3,911	3,196	1,223	4,184	8,603	12,514	
3.	1,872	221	252	2,345	1,526	635	2,138	4,299	6,644	
4.	1,290	187	113	1,590	1,755	401	851	3,007	4,597	
5.	2,550	302	221	3,073	3,659	838	1,331	5,882	8,901	
	12,985	1,742	1,326	18,053	15,286	6,218	11,767	33,271	49,324	

## परीक्षालिष्ट-- 9

[संख्या--रिपोर्ट का पैरा 5. 2(ब)]

वर्ष 1987-88 के दौरान मृत्यु हो जाने के कारण रजिस्टर ने हटाये गये सदस्यों के नामों का विवरण

क्रमांक	सदस्यता संख्या	नाम	दिनांक
1.	130	श्री नल्लम ब्रजबर्थी राजन, कोयम्बतूर	14-4-87
2.	190	श्री के. पी. सोनी, नई दिल्ली	1-1-87
3.	296	श्री एन. आर्ह, गणपती, मद्रास	12-1-87
4.	310	श्री एन. रामरत्न, मद्रास	21-6-87
5.	546	श्री डी.जे. असवाला, बम्बई	1-7-87
6.	561	श्री जी.टी. खरे, बम्बई	2-8-87
7.	631	श्री के. एस. गदरे, पुणे	11-6-87
8.	645	श्री जे. शी. मवान, कलकत्ता	16-9-87
9.	670	श्री पी. नठराजन, सेलम	17-12-88
10.	723	श्री के. शी. खना, नई दिल्ली	20-2-87
11.	734	श्री पी. शी. मुख्याराजू, मध्यलोपटनम	3-9-87
12.	763	श्री जे. एस. लोदा, कलकत्ता	17-2-88
13.	847	श्री एक.के. मोदी, बम्बई	3-1-88
14.	859	श्री शी.एन. मिश्रा, कलकत्ता	6-1-88
15.	1026	श्री एम.एम. हर्वीकर, बम्बई	24-8-87
16.	1060	श्री चुरुजीर फिरोजशाह, बम्बई	16-11-86
17.	1133	श्री पी. के. मुखर्जी, कलकत्ता	27-7-87
18.	1166	श्री प्रमिताल शाथ, कलकत्ता	27-7-87
19.	14271	श्री एम.शी. वैदित, राजकोट	16-1-87
20.	1883	श्री इच्छू. शी. माधवीकर, बम्बई	25-3-87
21.	1971	श्री एम.एस. अम्यर, कोट्टायम	14-7-87
22.	2041	श्री भार. एच. पटवर्धन, सोलापुर	25-11-86
23.	2559	श्री एस. वेंकटासुभामन्यन, मदुरै	26-1-88
24.	2622	श्री टी.के. मलिनाशन, मद्रास	22-10-86
25.	2658	श्री सी.जे. श्रीपादराज, बंगलौर	14-6-86
26.	2906	श्री एम.पी. पुरी, नई दिल्ली	28-6-87
27.	2984	श्री के. भेहरोजा, कानपुर	29-7-87
28.	3110	श्री एन.डी. जोशी, नासिक शहर	25-10-87
29.	3157	श्री ए. अम्बजी राज, हैदराबाद	2-12-87
30.	3220	श्री ए. गांगुली, कलकत्ता	13-9-87
31.	3246	श्री एस. राय, कलकत्ता	8-8-87
32.	3531	श्री शी. एम. देसाई, बम्बई	15-3-87
33.	3686	श्री एम.एम. लकड़ीवाला, सूरत	29-9-87
34.	3750	श्री भार. एन. प्रसाद, पटना	9-10-85
35.	3974	श्री पी. आर. सिंधबी, बंगलौर	12-7-87
36.	4004	श्री वी.एल. कुमेरिया, बम्बई	26-4-87
37.	4106	श्री वी. मालिबर सुरिया, बंगलौर	26-8-86
38.	4289	श्री वी. आलाक्ष्मीश्वराराज, हैदराबाद	7-3-87
39.	4544	श्री एस.सी. गौर, विकासपुर	9-8-87
40.	4812	श्री जे.के. शोध, कलकत्ता	2-12-86

1	2	3	4
41.	6239	श्री भार. एम. गुहा, कलकत्ता	9-3-87
42.	6194	श्री एम. एम. दोषी, बम्बई	9-5-87
43.	6473	श्री के. गोपालन, मद्रास	10-4-87
44.	6756	श्री टी. एस. परसुरमन, भटुल	8-4-85
45.	7576	श्री चौ. भार. हेण्डे, बम्बई	3-11-86
46.	8575	श्री जे. के. हाजरा, कलकत्ता	14-9-87
47.	8903	श्री दी. जी. राजानगोपालन, पालबाट	16-9-87
48.	8969	श्री भार. के. वास, कोचीन	26-1-88
49.	9136	श्री चौ. एस. गोपालन, गोपटोक	5-12-86
50.	9740	श्री डी. चौ. राधी, बम्बई	18-11-85
51.	9753	श्री भार. के. शर्मा, जालम्बर	6-1-88
52.	9808	श्री कालीपद शाह, कलकत्ता	28-4-85
53.	10133	श्री चौ. के. जनतिया, कलकत्ता	14-10-87
54.	10238	श्री एच. चौ. अनन्त, बम्बई	16-2-87
55.	10325	श्री एस. के. भर्यार, एनार्कुलम	18-7-87
56.	10662	श्री एम. राठीनम. कर्कर	17-1-87
57.	10999	श्री ए. के. सुब्रमनियन, बंगलौर	13-2-87
58.	12046	श्री एम. एल. शाह, कलकत्ता	28-12-87
59.	13319	श्री पी. के. रै, कलकत्ता	13-4-86
60.	13904	श्री भार. रत्नासभापति, मद्रास	21-9-87
61.	14264	श्री भार. एन. गुप्ता, मई विल्सन	27-4-87
62.	16924	श्री चौ. चौ. शायकर्पी, दिल्ली	22-10-87
63.	17629	श्री चौ. चौ. चूरी, नई विल्सन	31-9-87
64.	17805	श्री भार. एम. चुवारिया, बम्बई	17-12-86
65.	17930	श्री एस.एम. अजगारकर, बम्बई	30-5-86
66.	18038	श्री पी. एस. सेवाग, मद्रास	2-5-87
67.	19856	श्री एस. रघुरामामूलि, गुंदूर	15-12-87
68.	25385	श्री चौ. भार. साधो, काकीनाडा	25-8-87
69.	25409	श्रीमती श्यामला शंकरा नारायणन, मद्रास	12-7-87
70.	26524	श्री चौ. कृष्णराव, मद्रास	10-1-88
71.	30351	श्री चौ. एन. वलाल, बम्बई	25-5-87
72.	31083	श्री ए.एस. प्रियोलकर, बम्बई	23-4-85
73.	32101	श्री पी. जी. मूर्ति, रामीपुरम	22-7-87
74.	33687	कुमारी ए. पी. शाह, बम्बई	1-2-87
75.	34307	श्री चौ. चौ. पटेल, गोपीनाथ	31-1-86
76.	51511	श्री एस. विश्वास, कलकत्ता	17-8-87
77.	52335	श्री भास्कर बोद, कलकत्ता	14-6-87
78.	70338	श्री ए. चौ. कियावत, बम्बई	3-6-84
79.	72133	श्री चौ. चौ. अश्वाल, जयपुर	25-1-88
80.	72127	श्री पी. सी. पटोदी, कोटा	26-6-86
81.	81238	श्री सो. भार. चौ. वेंकटेश, बंगलौर	11-8-88
82.	81248	श्री भार. एल. कोटादिया, मद्रास	24-2-88
83.	81443	श्री भरवीर चौधरी, बम्बू	3-7-87
84.	82243	श्री ए. के. खना, विल्सन	27-4-87
85.	82359	श्री ए. एन. विजयकुमार, विजूर	2-9-86
86.	82829	श्री एन. के. सूब, नई विल्सन	17-4-87
87.	85904	श्री चौ. के. भरोडा, नई विल्सन	14-6-87

## परिणाम-II

[संदर्भ—पैरा 6.4 (ग्र) —रिपोर्ट का]

## विद्यार्थियों के पंजीकरण का वर्णन

	इंटर	फाइनल
1-1-1987 तक पंजीकृत प्रत्याशियों की संख्या	30,748	15,392
वर्ष 1987-88 के दौरान		
पंजीकरण	12,753	4,951
	13,501	20,343
वर्ष 1987-88 में इंटरमीडियेट पाठ्यक्रम का शिक्षण पूर्ण करने वाले/अंतिम परीक्षा पास कर लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या (मई 1987 और नवम्बर 1987)	9,201	5,983
	34,300	14,360

## परिणाम-II

(संदर्भ-रिपोर्ट का पैरा 7.1)

## मानित परीक्षा परिणाम

मई 1987 में प्रायोगित प्रवेश, इंटरमीडियेट और अंतिम परीक्षाएं

## प्रवेश परीक्षा

परीक्षार्थियों की कुल संख्या	2009
सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	263
प्रतिशत	13.09

## मध्यसर्वी (इंटरमीडियेट) परीक्षा

ग्रुप 1 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या	12427
ग्रुप 1 में सफल घोषित किये गये परीक्षार्थियों की संख्या	3076
प्रतिशत	24.75
ग्रुप 2 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या	12334
ग्रुप 2 में सफल घोषित किये गये परीक्षार्थियों की संख्या	3289

## प्रतिशत

दोनों ग्रुपों में कुल परीक्षार्थियों की संख्या	4653
दोनों ग्रुपों में सफल घोषित किये गये परीक्षार्थियों की संख्या	626
प्रतिशत	13.45

## अंतिम परीक्षा

ग्रुप 1 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	7827
ग्रुप 1 में घोषित भाग के प्रत्याशियों की संख्या	2326
प्रतिशत	29.71
ग्रुप 2 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	7131
ग्रुप 2 में घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	2557
प्रतिशत	35.85
दोनों ग्रुपों में कुल प्रत्याशियों की संख्या	3594
दोनों ग्रुपों में घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	631
प्रतिशत	17.55

नवम्बर 1987 में आयोजित प्रेषण, इंटरमीडिएट नथा फाइल

परीक्षाएँ

प्रेषण परीक्षा	
कुल प्रत्याशियों की संख्या	3 370
सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	287
प्रतिशत	8.52

इंटरमीडिएट परीक्षा

यूप 1 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	14 772
यूप 1 में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	1,685
प्रतिशत	11.27
यूप 2 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	12,778
यूप 2 में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	1,593
प्रतिशत	12.48
दोनों यूपों में कुल प्रत्याशियों की संख्या	5,436
दोनों यूपों में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	399
प्रतिशत	7.4

फाइल परीक्षा

यूप 1 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	4,668
यूप 1 में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	2,295
प्रतिशत	49.16
यूप 2 में कुल प्रत्याशियों की संख्या	3,651
यूप 2 में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	2,303
प्रतिशत	63.07
दोनों यूपों में कुल प्रत्याशियों की संख्या	3,736
दोनों यूपों में सफल घोषित किये गये प्रत्याशियों की संख्या	812
प्रतिशत	16.38

#### परिचय-12

(मंदसं—रिपोर्ट का वैग 7, 3)

पुरस्कार विजेता

अंतिम परीक्षा—मई 1987

निम्नलिखित प्रत्याशियों को योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेगे:—

वरीयता	रोल न.	नाम
प्रथम	1410	संजय कुमार डागा (800 में से 558 अंक)
द्वितीय	8875	निर्मल चन्द्र भवरलाल जैन (800 में से 549 अंक)
तृतीय	4255	एम. गजागोपालन (800 में से 544 अंक)
1. जी. पी. कपाडिया प्रथम अध्यक्ष पुरस्कार— संजय कुमार डागा, रोल न. 1410 को दिया जायेगा।		
2. सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये रामचन्द्र सिंह पुरस्कार— संजय कुमार डागा, रोल न. 1410 को दिया जायेगा।		

3. उसी तरह पर मर्यादित अंक प्राप्त करने वाले प्रत्याशी की जयती लाप में ठक्कर बादगार पुरस्कार—

निर्मल चन्द्र भवरलाल जैन रोल नं. 8875 (800 में से 549 अंक) को दिया जायेगा।

4. सर्वोत्तम वरिष्ठ प्रत्याशी के लिये शार. निवारोत्तम पुरस्कार—  
कुमारी किनमुका नरसिंह, रोल नं. 4223 (800 में से 536 अंक) को दिया जायेगा।

5. यूप 1 में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये केवल वर्षा पुरस्कार—  
संजय कुमार डागा, रोल नं. 1410 (100 में से 296 अंक) को दिया जायेगा।

6. यूप 2 में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये पी. एस. योव मूर्ति पुरस्कार—  
अप्रवाल, मुदोष प्रापान्द, रोल नं. 8936 (400 में से 304 अंक) को दिया जायेगा।

7. गाकाउटेसी पेपर में (प्रश्नपत्र 1 और 2) सर्वोत्तम प्रश्नपत्र के लिये “सर. मापूरजी विलिमोना पुरस्कार—संजय कुमार” डागा, रोल नं. 1410 (200 में से 153 अंक) को दिया जायेगा।

8. मैटेजेट एवं एकाउटिंग में सर्वोत्तम अंकों के लिये जे. के दोषी पुरस्कार—कुमारी बीणा शेखान, रोल नं. 7746 (100 में से 97 अंक) को दिया जाएगा।

9. एकाउटिंग में सर्वोत्तम पेपर के लिये ए. एक फर्गुसन पुरस्कार तथा शार. बैकटेसन स्मृति पुरस्कार—जालान सुषापचन्द्र रामनिरंजन, रोल नं. 8833 (100 में से 71 अंक) को दिया जायेगा।

10. एकाउटिंग पेपर में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाली मिला प्रत्याशी को मुक्त नान्दन गुला कपूरी देवी पुरस्कार—कुमारी किनमुका नरसिंह, रोल नं. 4223 तथा कुमारी नदरेकर सुकाता मदान, रोल नं. 9718 (100 में से 60 अंक) को दिया जायेगा।

11. कैप्टनी लॉ पर मर्यादित पेपर के लिये यू. सी. मनुमदार पुरस्कार, तथा एस. एम. शाह पुरस्कार—संजय कुमार डागा, रोल नं. 1410 और एस. राजगोपालन रोल नं. 4255 (100 में से 78 अंक) को दिया जायेगा।

12. प्रथम कर नियमों में सर्वोत्तम पेपर के लिये ए.ए. एम. शाह पुरस्कार, मूरी स्मृति पुरस्कार और ए.जे. शाह—प्रमिता स्मृति पुरस्कार—संजय कुमार डागा, रोल नं. 1410 और मरीष दलाल, रोल नं. 7745 (100 में से 80 अंक) को दिया जायेगा।

13. प्रधानीय प्रथमान्तर तथा राष्ट्रीय लेखांकन पर मर्यादित पेपर के लिये “बैकटावलम गोहत पुरस्कार—सुनील सी. गांधी, रोल नं. 9302 (100 में से 72 अंक) को दिया जायेगा।

14. मिस्ट्री एकाउटिंग एवं डाटा प्रोसेसिंग पर मर्यादित पेपर के लिये डी.आर. चड्हा पुरस्कार—रमेश वैश्व, रोल नं. 8125 (100 में से 86 अंक) को दिया जायेगा।

15. कॉम्प्यूटर एकाउटिंग में मर्यादित पेपर के लिये “आर. वी. के. उमरजी पुरस्कार—कुमारी महालक्ष्मी रागानाथन, रोल नं. 8114 (100 में से 85 अंक) को दिया जायेगा।

16. एकाउटिंग एकाउटिंग (पेपर 1) में मर्यादित पेपर के लिये “के.मी. खाना पुरस्कार”—वर्षम कुमार लोगा, रोल नं. 1418 (100 में से 79 अंक) को दिया जायेगा।

इंटरमीडिएट परीक्षा—मई 1987

निम्नलिखित प्रत्याशियों को योग्यता प्रमाण-पत्र दिये जायेगा ।—

परीक्षा रोल नं. नाम

प्रथम 17308 कुमारी गीता देवचन्द्र परमार  
(कुल 700 में से 508 अंक)द्वितीय 17321 मुनील यशवन्त सप्रे  
(कुल 700 में से 490 अंक)

तृतीय 9318 भवानी शंकर राजी (कुल 700 में से 486 अंक)

1. जी. पी. कपाडिया, प्रथम प्रश्नापत्र पुरस्कार—कुमारी गीता देवचन्द्र परमार, रोल नं. 17308 को दिया जायेगा।

2. एकाउडेंसी में सर्वोत्तम पेपर के लिये "प्रा. टी. एस. ग्रेवाल पुरस्कार"—मुनील यशवन्त सप्रे, रोल नं. 17321 (100 में से 85 अंक) को दिया जायेगा।

3. अधिकारी में सर्वोत्तम पेपर के लिये दिनेश हिम्मतसाल शाह पुरस्कार नथा के, सी. ब्राह्म पुरस्कार—की. एस. मोनी, रोल नं. 7411 (100 में से 79 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

4. मरकन्टाइल लॉ, कंपनी लॉ नथा इंडस्ट्रियल लॉ पर सर्वोत्तम पेपर के लिये "सुरेश मी. माधुर पुरस्कार"—फतनानी मुनील यासुवेद, रोल नं. 17673 (100 में से 76 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

## काइना परीक्षा—नवम्बर 1987

निम्नानुस्वार प्रत्याशियों योग्यता प्रमाणपत्र-प्रदान किये जायेगे ।—

परीक्षा रोल नं. नाम

प्रथम 12104 भारथ कृष्ण शकर (800 में से 570 अंक)

द्वितीय 2037 पंथुव अंडी, गोवल (800 में से 566 अंक)

तृतीय 1609 कुमारी माधवा गरुदचन्द्र देसाई (800 में से 554 अंक)

1. जी. पी. कपाडिया प्रथम प्रश्नापत्र पुरस्कार—भारथ कृष्ण शकर, रोल नं. 12104 को प्रदान किया जायेगा।

2. मर्गीनिधि प्रत्याशी के लिये रामबद्ध भिंडी पुरस्कार—भारथ कृष्ण शकर, रोल नं. 12104 को प्रदान किया जायेगा।

3. इमर रसन वर सर्वोत्तम अक प्रदान करते कामे प्रत्याशी के लिये नवम्बरात्मा के. दासर शिवालय पुरस्कार—पंथुव अंडी, गोवल, रोल नं. 2037 का प्रदान किया जायेगा।

4. सर्वोत्तम परिवार प्रत्याशी के लिये प्रा. एस. मित्राभिराम पुरस्कार कुमारी देसाई, आश्रा अवदान चात नं. 1609 को प्रदान किया जायेगा।

5. मध्य 1987 के सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये "जी. एसु काउन्सेल पुरस्कार"—भारथ कृष्ण शकर, रोल नं. 12404, नवम्बर 1987 परीक्षा (800 में से 570 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

6. वर्ष 1987 में युप 1 में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये "एन.एन. वास पुरस्कार"—संजय कुमार हाथा, रोल नं. 1410, मई, 1987 परीक्षा (400 में से 296 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

7. युप 1 में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये "केरला बर्मा याइगार पुरस्कार"—भारथ कृष्ण शकर, रोल नं. 12404 (400 में से 288 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

8. युप 2 में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिये "पी.एन. चौष शाकार पुरस्कार"—पंथुव अंडी, गोवल, रोल नं. 2037 (400 में से 303 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

9. एकाउडेंसी (पेपर 1 और 2) में सर्वोत्तम पेपर के लिये "मरणपूरकी बिनियोदयिया पुरस्कार"—प्रभारे पराग दिवाकर, रोल नं. 2755 (200 में से 168 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

10. एकाउडेंसी (पेपर 1) पर सर्वोत्तम पेपर के लिये "कैरोल ब्राह्म पुरस्कार"—पठारे पराग दिवाकर, रोलहुन 2755 (100 में से 86 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

11. प्रबन्ध नेतृत्वकान में सर्वोत्तम अंको के लिये "जे.के. दोषी पुरस्कार"—भारथ कृष्ण शकर, रोल नं. 12404 (100 में से 83 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

12. अधिकारी पर सर्वोत्तम वेवर के लिये "ए.एफ. पर्सुसन पुरस्कार और शार बैंकेटेन याइगार पुरस्कार"—अंजय भग्नी, रोल नं. 6006 और टी.० कै. बालाकृष्णन रोल नं. 9427 (100 में से 73 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

13. अधिकारी पेपर में सर्वोत्तम अक प्राप्त करने वाली महिला प्रत्याशी को मुख्य नवद गुप्ता कपूरी देवी पुरस्कार—कुमारी चिरिता केदिया सेगांवी, रोल नं. 1500, कुमारी असाम कृष्ण बामले, रोल नं. 2815 और कुमारी देवा भाग्यशी धीनिकाश, रोल नं. 2820 (100 में से 66 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

14. कम्पनी सा. वर्ग सर्वोत्तम पेपर के लिये य.सी. सजूम्बार पुरस्कार और एस.एम. जाह पुरस्कार—हर्षज राधाकृष्णन रोल नं. 1975 (100 में से 53 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

15. प्रदूषक कर विद्यों पर सर्वोत्तम पेपर के लिये "एन.एम. जाह पुरस्कार पूर्वी वाशिंग्टन पुरस्कार और ए.जी. माह—कैमिट प्रायार पुरस्कार"—पंथुव अंडी, गोवल, रोल नं. 2037 (100 में से 65 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

16. प्रबन्धकारी अधिकारी तथा रार्टीय नेतृत्वकान पर सर्वोत्तम पेपर के लिये बैंकटेनम सोहन पुरस्कार कुमारी टी.एस., गीता रोल नं. 10890 (100 में से 78 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

17. मिस्ट्रेस एतार्थसिस एवं डाटा प्रोसेसिंग पर सर्वोत्तम पेपर के लिये "टी.आर., डाटा पुरस्कार"—मालिक जी.शारदालाल, रोल नं. 1514 (100 में से 78 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

18. कोस्ट एकाउंटिंग पर सर्वोत्तम पेपर के लिये "आर बी के, उमर जी पुरस्कार"---मंजूष नेगलाल, रोल नं. 8001 (100 में से 84 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

इंटरमीडिएट परीक्षा---नवम्बर 1987

निम्नलिखित प्रश्नाविधियों को योग्यता प्रमाणन्तर प्रदान किये जायेंगे:-

वर्गीकरण	रोल नं.	नाम
प्रथम	18176	रोहन र्ही वालेकर (700 में से 566 अंक)
द्वितीय	2679	एन. र्ही. ईश्वर (700 में से 533 अंक)
तृतीय	12591	युमारी पूर्ण मोर्दी (700 में से 488 अंक)

- जी.पी. कार्डिया, प्रथम अध्ययन पुरस्कार---रोहन र्ही, पालेकर, रोल नं. 18176 को प्रदान किया जायेगा।
- वर्ष 1987 का मर्वोत्तम विद्यार्थी का "तुरी आत्मार पुरस्कार"---रोहन र्ही पालेकर, रोल नं. 18176 नवम्बर 1987 परीक्षा (700 में से 566 अंक) को प्रदान किया जायेगा।
- एकाउंटिंग में मर्वोत्तम पेपर के लिये "श्रो. री.एन. ग्रेवाल पुरस्कार"---रोहन र्ही पालेकर रोल नं. 18176 (100 में से 99 अंक) को प्रदान किया जायेगा।
- आर्डिटिंग पर मर्वोत्तम पेपर के लिये "दिनेंग लिमिटेड नेगलाल शाह पुरस्कार" और के.भी. खना पुरस्कार"---कपिल बैलाण चन्द जैन, रोल नं. 18157 (100 में से 78 अंक) को प्रदान किया जायेगा।
- मरकान्टाइल लॉ., कम्पनी लॉ एवं इंस्ट्रियल लॉ पर मर्वोत्तम पेपर के लिये "सुरेश सी. माधुर पुरस्कार"---एच. नेगलाल रोल नं. 6570 (100 में से 74 अंक) को प्रदान किया जायेगा।

आधिक सेवा 31 मार्च, 1988 को सम्पन्न बंद के लिए आर्डिटरों को रिपोर्ट

हमने ईर्टीट्रॉट आफ एकाउंटेंट्स एफिक्यू फॉ. 31 रात्रि 1988 तक का यस्तम वैल्यैन ग्रीट और इसी तिथि को मात्रात्मक नई के लिये आय और बदल संलग्न लेवाओं जिसमें इंस्ट्रियूट के कार्यालयी, जैतीय प्रारम्भी नवा इलाजी गालाओं एवं विद्यार्थी संबों और उन्होंना जान्हाओं के नवीन जितना आर्डिट फिसी द्वारे शार्कटरों में किया है, जो भी आगिन नहीं है, वह आर्डिट किया है और इमारी रिपोर्ट निम्न प्रकार में है:—

- हमने वे सभी मुकाबाएं और सटीकरण शास्त्र किये जो इमारी जानकारी और विषयाम के साथ, आर्डिट के उद्देश्य वेत्रु आवश्यक नहीं।

- बैंकेन्स ग्रीट व आय और व्यय के लिये जो इस रिपोर्ट में लिये गये हैं वह लेखे के पुस्तक के अनुसर हैं।

- हमारी योग्य में लेखे-ज्ञाटेंट एकाउंटेंट्स अधिकारी 1949 जी आवश्यकता के अनुसार रखे गये हैं और

- हमारी योग्य और पूर्ण सूचनाओं और हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार अधिकारी और अनुसूचियों जो उनके साथ हैं, मही और उचित रिपोर्ट फॉर्म में हैं।

- (1) 31 मार्च, 1988 तक की कार्यों के बारे में जैनेस ग्रीट के मामले में,

और

- (2) उन तिथियों को भवाल लाने के लिये आय और बदल लेखे के आधिकारी के मामले में।

नई दिल्ली गी.पी. महारा प्रम.प्रार. बैंकटारमण 7 निवास 1988 बाटेंट एकाउंटेंट बाटेंट एकाउंटेंट

दि इस्ट्र्यूट आफ चार्टेड एफाउंटेस आफ इंडिया, नई दिल्ली लेखा नीटिया

- फेना मदम्यों से प्रवेश धूक और एमासिप्ट्रा सरख्यों से प्राप्त प्रवेश धूक के अविकलन आय को पूर्जीत गोन दिया गया है विद्यार्थी विद्याकालार्पा से होने यांत्रे प्राप्तिव के उपयुक्त आय को धिक्का कोष से स्पृतालसित कर दिया गया है और आरक्षित पूर्जी में उपयुक्त होने वाले कोष को पूर्जीत रिजर्व में स्थानान्तरित कर दिया गया है।

- विद्यार्थीयों को ट्रैण्ड एपी जो कि फिस्ती में लो गई है और प्राप्ति के आधार पर दिया गया है।

- प्रमेचारियों के लिये चेच्यूटी भी अवस्था मंजूरी आधार पर भी गयी है। चेच्यूटी तथा युप इण्डियन पारिस्ट, लाइन इण्डियन कारपोरेशन आफ इंडिया से विद्ये गयी है। ग्रेटर्टी के भुगतान में कोई भी कमी को भुगतान रात्रि वर्ष में नहीं गयी है।

- जनरल के भवस्क्रिप्शन से हुई आय, दप के दोपत्र किये गये समिनारों, सिम्पोजियम, और वार्षिकों के नाय और अम्य को नकर आधार पर दिया गया है।

- प्राध्यवन मामधी और मालान की ईवेस्टिंग को फल नहीं जार आया वार इति यात्रा के कार मृग दर गत्याक्षर किया गया है। 11.1.1988 के लिये दाना: 11. लीकी आगद गणनी पर आकर गया है।

- विद्यार्थीयों का मूल्याकान यामा प्राप्ति पर दिया गया है।

- पूर्व होम अब्दे पूर्जी निवासिक यागत प्राप्ति पर दिक्कार्ड गई है आर उभका रुप आम होम्यान नेव नीवों में दिया गया है। नेवल नाइटों पुस्तकों की जो युक्त कार्यालय में है, पर भूल्य लूप सीधी गेया पद्धति में रिंग गया है।

दि इंस्टीट्यूट आफ वर्टर्ड एकाउन्टेन्स आफ इंडिया

नई दिल्ली

31 मार्च, 1988 को बैलेस बीट

अनुसूची	रुपये	31-3-1988	रुपये	31-3-1987
<b>नियुक्त कीष</b>				
<b>1. स्थायी पूर्णी</b>				
कुल ब्लाक	3,27,20,745	2,60,21,507		
बटान: मूल्यांकन	1,18,21,958	99,65,156		
गियर ब्लाक (ए)	2,08,98,787		1,60,56,351	
2. उचित निवेश (बी)	82,47,930		67,29,181	
3. अन्य निवेश				
(अ) बैंकों से भावधार जमा	1,48,16,618	1,95,91,639		
(ब) मार्यजनिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों के बांड	1,00,24,950	10,00,000		
(स) यूटीआर्ट के मूलिक	3,00,160	3,00,160		
	2,41,41,728		2,08,91,799	
4. निवल छालू पूर्णी (गी)		30,25,069		15,81,183
	योग	5,70,13,514		4,52,68,514

**विस्तीर्ण सहायता द्वारा**

1. दृर्जीगत जमा	(जी)	2,83,80,633	2,31,90,651
2. शामाल्य जमा	(ह)	1,81,51,937	1,33,94,063
3. अन्य जमा	(एफ)	22,33,014	19,35,319
4. निविष्ट कीष	(जी)	82,47,930	67,29,181
	योग	5,70,13,514	4,52,68,514

नोट्स: जो कि 31 मार्च, 1988 के देवें के एक भाग के रूप में है :

- (1) वो शास्त्राओं तथा दो महात्म्यपूर्ण संघों से देवें प्राप्त नहीं हुए, इसलिंगे उन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। फिर भी नवीं के दौरान भूगतान किये गये शैक्षणिक और फीस को लिया गया है। दो शास्त्राओं के लिया आचिट किये हुए लेखाओं की शामिल किया गया है।
- (2) जहाँ कानूनी गति आवश्यक समझा गया पिछले वर्ष के आंकड़ों को रानीपूर तथा री-कोस्ट किया गया है।

पी.भी. बैन  
बारांड उप-मंत्री

भारतीय बोर्ड  
सचिव

पम. के. दासगुप्ता  
अध्यक्ष

इसी तिथि की समस्त हमारी रिपोर्ट के अनुसार

नई दिल्ली  
7 सिनप्रत्र, 1988

के.जी. भोजपुरी  
उपायका  
पाटडे एकाउन्टेन्स

भी.पी. मेहरा  
एम.आर.बैंकडाइरेक्टर  
बार्टिंग एकाउन्टेन्स

विंश्टीन्द्रियमुट भाक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट भाक इंडिया

नई दिल्ली

31-3-1988 को समाप्त हुए वर्ष का भाव और व्यय का लेखा

	1987-88	1986-87
	रुपये	रुपये
1. भाव : अनुसूची (एच.)		
(अ) संवाद	2,16,83,874	1,96,67,517
(ब) विचारी	2,88,35,922	2,50,06,300
	मोट	5,15,19,796
		4,46,73,817
2. भाव : अनुसूची (मार्क.)		
(अ) संवाद	1,85,99,131	1,68,64,320
(ब) विचारी	2,64,89,660	2,36,38,868
	योग	4,50,88,791
		4,05,03,188
3. वर्ष के लिए आधिकार्य अकाउट		
(1) शिक्षा कोष को स्थानांतरित अनुसूची (ग्र.)	16,73,131	6,83,716
(2) सामान्य जमा में स्थानांतरित अनुसूची (ट.)	47,57,874	34,86,913
	बोग	64,31,005
		41,70,629
	कुल बोग	5,15,19,796
		4,46,73,817

वी.पी. जैन  
वरिष्ठ उपसचिव

आर.एल. चौपड़ा  
राजिव

एम. के. दासगुप्ता  
ग्राम्यक

इयो लिपि की संलग्न हमारी  
ग्रामों के अनुसार

नई दिल्ली  
7 मित्रमार, 1988

के. जी. बोमार्टा  
उपाध्यक्ष

सी.पी. मेहरा  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

एम.ग्राम. बैकटारमण  
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

Digitized by srujanika@gmail.com

दि हंसी द्युष घाक चार्टर्ड प्रकार्टिस्ट घाक इचिया

नर्स दिल्ली

स्थायी संरक्षण

## रातिश रूपरेखा में

प्रत्यक्षी "बी"

दि इंस्टीब्यूट आक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आक इंडिया

तर्फ दिल्ली

(गत रूपयों में)

## एकाउट निवेश

	बैंकों में सावधी जमा		अन्य बैंक खागों में शेष		योग	
	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987
<b>(ए) शिक्षा कोष निवेश</b>						
योग (ए.)	46,76,353	34,47,709	—	—	6,80,250	6,80,250
<b>(बी) अन्य उपकार निवेश</b>						
(अ) अनुमंधान कोष	6,80,250	6,80,250	—	—	6,80,250	6,80,250
(बी) पदक एवं पुरस्कार कोष	3,88,821	3,16,528	86,716	86,345	4,75,537	4,02,873
(स) वैज्ञानिक अनुमंधान कोष	2,28,682	2,28,682	—	—	2,28,682	2,28,682
(द) अन्य	17,09,516	19,20,352	4,78,592	59,315	21,88,108	19,79,667
योग (बी.)	30,07,269	31,45,812	5,65,308	1,45,660	35,72,577	32,91,472
कुल योग (ए.) + (बी.)	76,82,622	65,93,521	5,65,308	1,45,660	82,47,930	67,39,181

## दि इंस्टीक्यूट आफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स आफ इंडिया

ग्रन्तिकी "सों

नई दिल्ली

निवास चालू संपत्ति

(राशि रुपयों में)

दिवारण

31-3-1987

31-3-1987

चालू संपत्ति

(भ) प्रकाशन, प्राप्तियां सामग्री एवं स्टेनोरो	41,90,526	34,69,360
(ब) प्राप्त राशि		
(1) लिवेंगों पर	16,38,250	12,10,400
ब्याज		
(2) मफान एवं बाह्य भूमियों पर ब्याज	9,57,716	8,08,236
(3) अन्य	23,50,763	20,34,837
	49,46,729	40,53,476
(स) अद्य एवं अधिक		
(1) कर्मचारियों को	47,31,387	
अधिक :		
मकान एवं वाहन अद्य	47,31,387	39,74,909
अन्य	2,23,278	2,11,936
	49,54,665	41,86,845
(2) विद्यार्थियों को	33,259	46,019
अद्य छात्रवृत्तिया		
(3) अन्य	26,46,113	19,19,544
	76,34,037	61,52,408
(४) नकाब एवं वीक्षण अद्य नकाया	75,76,389	49,63,905
योग	2,43,42,681	1,86,39,149
वहाव : चालू देय :		
(भ) अप्रिम प्राप्ति कीस	1,40,06,562	1,07,65,518
(ब) अद्य के लिये अद्य बाता	51,27,013	44,82,473
(स) अद्य देय	21,84,047	18,09,975
योग	2,13,17,612	1,70,57,966
निवास चालू संपत्ति	30,25,069	15,81,183

अनुसूची "बी"

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली

पूँजी रिजर्व

(राशि रूपयों में)

विवरण

31-3-1988

31-3-1987

(ए) सामान्य

(ए)

पिछले खाते के अनुसार शेष

1,75,53,324

1,54,34,434

जमा : प्रवेश एवं नियन्त्र एन्ट्रेंस फीस

12,54,400

12,00,920

जमा : शाखाओं के भवनों हेतु प्राप्त दान

30,38,282

9,17,970

कुल (ए.)

2,18,46,006

1,75,53,324

(बी) शिक्षा

पिछले खाते के अनुसार शेष

56,46,627

52,96,627

जमा : शिक्षा कोष से स्थानांतरण

8,88,000

3,50,000

कुल (बी)

65,34,627

56,46,627

कुल योग (ए) + (बी) =

2,83,80,633

2,31,99,951

अनुसूची "ई"

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली

सामान्य राजस्व

(राशि रूपयों में)

विवरण

31-3-1988

31-3-1987

पिछले खाते के अनुसार शेष

1,33,94,063

99,07,150

आय और व्यय खाते से हुए

47,57,874

34,86,913

आधिकार्य का स्थानांतरण

योग

1,81,51,937

1,33,94,063

अनुसूची "एफ"

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली

अन्य राजस्व

(राशि रूपयों में)

विवरण

31-3-1988

31-3-1987

पिछले खाते के अनुसार शेष

19,35,319

17,04,385

जमा : वर्ष के दौरान निवल बृद्धि/समायोजन

3,76,183

3,62,086

23,11,502

20,66,471

अटाएँ :

उचित कोष को स्थानांतरण (-)

78,488

1,31,152

योग

22,33,014

19,35,319

अनुसूची "जी"

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली

उचित कोष

(राशि रूपयों में)

विवरण	31-3-1988	31-3-1987
(ए) शिक्षा कोष :		
पिछले खाते के अनुसार शेष	34,47,709	28,64,653
आय और व्यय के खाते से स्थानांतरण	16,73,131	6,83,716
वर्ष के दौरान कमाया व्याज	3,14,770	1,56,200
	54,65,610	37,04,569
पूँजी रिजर्व को स्थानांतरण (-)	8,88,000	(-) 3,50,000
समायोजन	97,743	93,140
योग(ए)	46,75,353	34,47,709
(बी) अन्य उचित कोष :		
(अ) अनुसंधान कोष	6,80,250	6,80,250
(ब) पदक एवं पुरस्कार कोष :		
पिछले खाते से बकाया	4,02,873	3,28,761
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	55,000	59,676
वर्ष के दौरान हुई आय	40,610	33,938
घटाएँ : दिये गये पदक एवं पुरस्कारों की लागत	(-) 22,946	(-) 19,502
	4,75,537	4,02,873
(स) वैज्ञानिक अनुसंधान कोष :		
पिछले खाते के अनुसार शेष	2,28,682	2,28,682
(द) अन्य		
(1) पिछले खाते से शेष	19,79,667	10,11,467
(2) वर्ष के दौरान अतिरिक्त	3,47,764	7,13,690
(3) अन्य रिजर्व से स्थानांतरण	78,488	1,311,52
(4) समायोजन (-)	(-) 2,96,445	(-) 6,000
जमा : वर्ष के दौरान हुई आय	81,934	1,29,798
घटाएँ : वर्ष के दौरान खर्च	21,91,408	19,80,117
	(-) 3,300	(-) 450
योग(दी)	21,88,108	19,79,667
कुल योग (ए) + (बी)	35,72,577	32,91,472
	82,47,930	67,39,181

क्रम सं. आयात-नियमित भीमि प्रविधि संख्या

मदों का घोरा

कोष

1988-81

(ग्राम-1) की

पूळ संख्या

धन्य

1.	प्रवेश शुल्क (नियमित)	4,84,400	4,70,500
2.	सदस्यता शुल्क	1,76,24,283	1,57,68,063
3.	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुल्क	13,400	21,250
4.	विद्यार्थी पंजीकरण शुल्क	15,38,295	12,98,605
5.	विद्यार्थी संघ शुल्क	1,27,530	1,07,870
6.	कोर्चिंग कीस	1,23,04,188	89,72,232
7.	परीक्षा शुल्क	1,03,59,184	1,02,05,405
8.	जगरल एवं र्मूजलैटर	7,69,612	4,60,681
9.	प्रकाशन	40,62,724	1,74,007
10.	निवेशों पर व्याप्र	1,74,458	1,74,007
11.	धन्य	12,72,480	9,13,558

उप योग

4,89,50,55

4,23,70,012

12.	सामान्य कोष से आय (नियमित)	23,84,968	21,70,417
-----	----------------------------	-----------	-----------

उपयोग

5,13,45,520

4,45,40,428

13.	समय से पहले के समायोजन	1,74,276	1,33,388
-----	------------------------	----------	----------

योग

5,15,19,796

4,46,73,817

## दी ईस्टोट्यूट आफ वार्टड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया

अमृतसूची "एच"

## मार्फ विस्तृती

31 मार्च, 1988 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्च लेखे का अनुलग्नक

(रुपये में)

संवृत्तता		विवारणी			
रेगुलेटरी	व्यवसायिक विकास एवं अनुसंधान	31-3-88	31-3-87	31-3-88	31-3-87
31-3-88	31-3-87	31-3-88	31-3-87	31-3-88	31-3-87
4,84,400	4,70,500	--	--	--	--
1,76,24,283	1,57,68,063	--	--	--	--
--	--	13,400	21,250	--	--
--	--	--	--	15,38,295	12,93,605
--	--	--	--	1,27,530	1,07,870
--	--	--	--	1,23,09,188	89,72,232
--	--	--	--	1,05,59,184	1,02,05,405
--	--	--	--	7,69,613	4,60,681
--	--	14,98,144	16,94,258	25,84,580	22,83,565
--	--	1,04,561	1,04,058	69,897	69,949
3,803	1,105	7,50,339	5,45,478	5,18,278	3,66,973
1,81,12,548	1,62,39,668	23,66,444	23,68,044	2,84,71,564	2,37,65,300
11,48,564	9,98,392	--	--	12,45,382	11,72,025
1,92,62,130	1,72,38,060	23,66,444	23,65,044	2,97,16,948	2,49,37,325
--	--	55,300	64,413	1,18,976	68,975
1,92,62,130	1,72,38,060	24,21,744	24,29,457	2,99,35,922	2,50,06,300

वि. हंसटीट्यूट

नं।

31 मार्च, 1988 को समाप्त हुए वर्ष

## योग

31-3-88

31-3-87

2.	खर्च		
1.	वेतन एवं कर्मचारी व्यय	1,70,53,232	1,47,59,392
2.	छपाई और इंटेलनरी	12,77,002	17,30,560
3.	प्रकाशन	16,87,184	19,71,839
4.	जनरल एवं नेटवर्किंग	33,33,995	30,31,586
5.	कोरिंग (वेतन एवं कर्मचारी व्यय भी शामिल हैं)	53,73,103	31,10,145
6.	परीक्षा (वेतन एवं कर्मचारी व्यय भी शामिल हैं)	64,42,197	58,01,31
7.	डाक-नाम एवं टेलीफोन	16,19,994	14,17,591
8.	फिराया, दरें एवं कर	20,56,450	19,54,988
9.	मरम्मत एवं रखरखाव	8,03,732	6,15,105
10.	मूल्यहास	19,29,645	14,99,976
11.	यात्रायात और परिवहन		
	(अ) परिवहन के सदस्य	18,86,673	12,56,386
	(ब) कर्मचारी एवं अन्य	5,97,037	7,06,892
12.	पुस्तकालय रब्ब-रखाव	1,13,252	1,03,942
13.	विदेशी संबंध	5,88,974	4,89,182
14.	व्यावसायिक शुल्क	2,31,008	2,57,793
15.	ग्र.य	19,99,531	19,13,554
	उपयोग	4,49,93,059	4,01,11,242
16.	समय से पहले के समाप्तिन	95,732	3,91,946
	योग	4,50,88,791	4,05,03,188

प्राक चार्टर्स एक्साइन्सेंस से प्राक इंडिया

अनुसूची "आ"

दिल्ली

के लिये आय और व्यय के लिखे का अनुसन्धान

संख्या	विवरणी				
	रेगुलेटरी	व्यवसायिक विकास एवं अनुसन्धान	विवरणी		
31-3-88	31-3-87	31-3-88	31-3-87	31-3-88	31-3-87
31,81,996	29,07,378	36,81,786	31,25,192	1,01,79,500	87,26,822
1,94,123	1,33,453	6,15,178	6,14,182	4,67,701	4,82,925
3,49,799	3,49,799	4,73,861	4,13,863	6,40,393	8,57,565
--	--	28,18,606	25,66,647	5,15,389	4,64,939
--	--	--	--	33,73,103	31,10,145
--	--	--	--	64,42,197	58,01,311
3,41,554	3,11,783	5,31,897	4,39,627	7,46,553	6,66,181
3,90,874	3,95,121	7,60,599	6,75,999	9,04,987	8,83,868
1,76,410	1,23,832	2,49,938	2,13,666	3,77,364	2,77,607
4,82,412	3,72,744	4,82,412	3,72,714	9,64,821	7,45,488
4,85,083	2,53,136	9,49,261	6,45,803	4,52,329	3,57,448
92,263	1,39,215	2,08,316	2,58,341	2,96,454	3,09,303
--	--	63,613	57,862	49,631	46,080
--	--	5,80,974	4,99,182	--	--
47,778	1,03,324	93,941	87,052	89,289	67,417
--	--	13,26,648	13,05,271	6,72,883	6,08,283
57,52,313	52,13,877	1,27,85,0121	14,91,961	2,64,55,735	2,34,05,402
13,213	21,825	48,594	1,36,653	33,925	23,3,466
57,65,525	52,35,702	1,28,33,6061	16,28,618	2,64,89,660	2,36,38,868

दि इंस्टीट्यूट आफ कार्टेंड एकाउटेंट्स आफ इंडिया  
नई विल्सी

31 मार्च, 1988 को समाप्त हुए वर्ष में वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण।

(लाख रुपयों में)

1987-88

1986-87

कोषों का स्रोत

निवेदों से शुद्ध प्राप्त	30.14	26.46
(कैपिटल एवं रेवन्यू दोनों पर) प्राप्त तूंजी कार्यशील पूँजी में कमी	48.73	33.42
उपयोग	78.87	72.35
वर्ष का अधिक्य बिना मूल्य लाग चार्ज किये तथा निवेदों पर अपरबलित आय पर विकार करते हुए	61.90	35.61
योग :	140.77	107.96

कोषों का वित्तीयोग

कार्यशील पूँजी में वृद्धि	14.44	-
स्थायी संपत्ति का अधिप्राप्ति	71.74	35.14
निवेदों का अधिप्राप्ति	54.59	72.82
योग	140.77	107.96

वि इंस्टीट्यूट भाफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स भाफ इंडिया  
नई दिल्ली

## कांगड़ील पूर्जी में परिवर्तन का विवरण

(लाख रुपये में)

1987-88 1986-87

## आठ संपर्कियां

(अ) प्रकाशन, प्राप्तियां सामग्री एवं स्टेपनरी	07.21	05.35
(बी) भ्राता होने वाली राशि		
(1) निवेशों पर व्याज	04.27	02.27
(2) गृह नियां वालों पर भारज	01.49	01.48
(3) ग्रन्थ	03.16	(-) 01.34
(स) भूमि एवं अधिगम		
(1) कर्मचारियों की व्याप्रिम	07.68	06.62
(2) विद्यार्थियों का भूमि आवधानिया	(-) 00.13	(-) 00.27
(3) ग्रन्थ	07.27	10.87
(ए) सकद एवं दैन रुपया	26.08	(-) 20.65
	योग	57.04
		04.33

## चालू देयताएं

(अ) भ्रमिम प्राप्त कीस	32.41	(-) 00.23
(ब) व्यय के लिये आवधाना	06.45	14.54
(स) शर्य वेग	03.74	- 02.49
	योग	42.60
		16.80
चालू पूर्जी में नियम बदल/कमी	14.44	(-) 12.47

वि इंस्टीट्यूट भाफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स भाफ इंडिया

नई दिल्ली

वर्ष 1987-88 में सरकारी पर वर्ज का विवरण

क्रमांक	विवरण	1987-88	1986-87
1	(अ) सरकारी की व्यवस्था	48,856	₹ 0 44,634
	(ब) कुल खर्च	₹ 0 18,599	₹ 0 16,864
2	प्रति सरकारी कुल व्यवस्था	₹ 0 381	₹ 0 378
3	भेगेटरी		
	(अ) कुल खर्च	₹ 0 5,766	₹ 0 5,236
	(ब) प्रति सरकारी व्यवस्था	₹ 0 118	₹ 0 117
	(स) प्रतिशत	31 प्रतिशत	31 प्रतिशत
4	व्यवसायिक विकास एवं व्यवसाय		
	(अ) कुल खर्च	₹ 0 12,834	₹ 0 11,628
	(ब) प्रति सरकारी व्यवस्था	₹ 0 263	₹ 0 261
	(स) प्रतिशत	69 प्रतिशत	68 प्रतिशत

**THE INSTITUTE OF CHARTERED  
ACCOUNTANTS OF INDIA**

New Delhi, the 30th September, 1988  
**NOTIFICATION**  
(Chartered Accountant)

No. 1-CA(5)/039/88:—In pursuance of Sub-Section (5) of Section 18 of the Chartered Accountants Act, 1949, a copy of the Report and the Audited Accounts of the Council for the year ended 31st March, 1988 is hereby published for general information:—

R.L. CHOPRA, Secretary

**39<sup>th</sup> ANNUAL REPORT OF THE COUNCIL  
FOR THE YEAR ENDED 31<sup>st</sup> MARCH, 1988**

In accordance with the provisions of Section 18(5) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council has pleasure in presenting its 39th Annual Report. The Report contains statistical information and accounts of the Institute for the year ended March 31, 1988 and information regarding the activities upto September, 1988.

**1. THE COUNCIL**

**1.1 Member of the Council and its various Committees**

The 13th Council, which consists of 24 members of the Institute elected from five regional constituencies and 6 members nominated by the Central Government was constituted on 17th September, 1985 for a term of 3 years. Its term expire on 16th September, 1988 and the new (14th Council) will take charge from 17-9-1988. The composition of the Council and its committees for the period under report is given in Appendix I. A conscious effort has been made to co-opt members from industry on non-standing committees to have their greater participation in the affairs of the Institute. During the year, 9 members were co-opted from industry.

**1.2 President and Vice-President**

Shri R. Balakrishnan and Shri S.K. Dasgupta continued as President and Vice-President respectively until 16th September, 1987. The Council at its meeting held in September, 1987 elected Shri S.K. Dasgupta and Shri K.G. Soman as President and Vice-President respectively for a term of one year with effect from 16th September, 1987.

**1.3 Council Meetings**

The year 1987-88 was a very busy year as the Council held a record number of 10 (ten) meetings. Out of these ten meetings, four meetings were

exclusively devoted to the consideration of pending disciplinary cases; and one to consider the Report of the Committee for Review of Education and Training. In the remaining five meetings general business of the Institute was considered. Details of such meetings are given in the table set out below:

No. of the Meeting	Dates	Place
123rd	8th, 9th and 10th April, 1987	New Delhi
124th	30th April and 1st May, 1987	New Delhi
125th	1st and 2nd June, 1987	New Delhi
126th	16th, 17th and 18th July, 1987	New Delhi
127th	3rd, 4th and 5th Aug., 1987	New Delhi
128th	14th, 15th, 16th and 17th Sept. 1987	New Delhi
129th	30th and 31st Oct., 1987	New Delhi
130th	26th, 27th and 28th Nov. 1987	New Delhi
131st	29th, 30th and 31st Dec. 1987	New Delhi
132nd	11th, 12th and 13th Feb. 1988	Jaipur

**2. INTERNATIONAL RELATIONS**

**2.1 International Federation of Accountants**

(a) The Assembly of the International Federation of Accountants met in Tokyo, Japan, on October, 11 1987. At the meeting, the following 15 countries were elected to the new IFAC Council for a five-year term ending October 1992:

Australia	Mexico
Brazil	Netherlands
Canada	New Zealand
France	Singapore
Germany	Sweden
India	United Kingdom
Japan	United States of America
Kenya	

The Assembly also approved certain amendments in the IFAC Constitution.

(b) The new Council of the IFAC met in Tokyo, Japan, on October, 15, 1987. At the meeting, the Committees of the IFAC were reconstituted. Accordingly, India retains its membership of the Education Committee, International Auditing Practices Committee, and Financial and Management Accounting Committee.

(c) Shri A.C. Chakraborti, Calcutta, a past President of the Institute, is the Indian representative on the Council of the IFAC.

(d) Shri P.A. Nair, Bombay, a part President of the Institute, is the Indian representative on the Education Committee of the IFAC.

(e) Shri R. Balakrishnan, Madras, a past President of the Institute, is the Indian representative on the International Auditing Practices Committee of the IFAC.

## 2.2 International Accounting Standards Committee

The Institute continues to be a member of the International Accounting Standards Committee.

## 2.3 Review of Relationship between IFAC and IASC

A meeting of the heads of delegations of bodies represented on the IFAC Council and the IASC Board was convened during the World Congress to ascertain the feasibility of the merger of the IFAC and the IASC as to forge closer relationship between them. It was resolved by the meeting to establish a task force with the following terms of reference:

- to consider the work programmes (current and projected) of IFAC and IASC so as to meet the needs of members and of the international business community.
- to consider how the objectives of both organisations could be met in the most cost effective manner; and
- to recommend, if appropriate, structural and/or constitutional changes and revised methods of financing.

India was elected as one of the members of the task force apart from nine other countries. Shri S.K. Dasgupta, Calcutta is the member of the task force.

## 2.4 Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA)

India continues to be represented on the Executive Committee of the Confederation of the Asian and Pacific Accountants through our sister Institute, the Institute of Cost and Works Accountants of India.

## 2.5 South Asian Federation of Accountants (SAFA)

(a) Mr. S.K. Dasgupta, President of the Institute, is presently the Institute's representative on the SAFA Assembly. Mr. K.G. Somani, Vice-President of the Institute, is the Chairman of the Technical Standards Committee of SAFA. The Committee is engaged in carrying out a comparative study of technical standards in member countries.

(b) A meeting of the Assembly of the South Asian Federation of Accountants (SAFA) was held on December 5, 1987 at Colombo, Sri Lanka. At the meeting, Mr. Mohammed Yunus of the Institute of

Chartered Accountants of Bangladesh was elected as the President of SAFA for the year 1988. The representative of the Institute of Cost and Works Accountants of India was elected as the Vice-President for a similar term.

(c) A meeting of the SAFA Assembly was held in Dhaka, Bangladesh in May, 1988. The Assembly meeting was followed by the Third SAFA Conference on 1st and 2nd June, 1988. Shri S.K. Dasgupta, President and Shri K.G. Somani, Vice-President attended the meeting as the Institute's representatives. Shri A.K. Chakraborty, a senior member of the Council, presented a paper at the Conference.

(d) A seven-day programme on 'Role of Computers in Accounting and Auditing' was organised by the Institute at its Madras Computer Centre for delegates from the SAFA member bodies. The programme was well-appreciated by the participants.

## 2.6 XIII World Congress of Accountants

The XIII World Congress of Accountants was held in Tokyo, Japan, on October 11-15, 1987. The Congress was hosted by the Japanese Institute of Certified Public Accountants. As many as four thousand delegates participated in the Congress. The thirteen-member delegation of the Institute was led by the President, Shri S.K. Dasgupta. Shri R.N. Roy, a member of the Institute, acted as Co-author of the paper on 'Audit of Simple EDP System'.

The theme of the Congress, viz., 'The role of the Accountant in a Computer environment' was expounded in the overview sessions and optional sessions. A unique feature of the Congress was that all the technical sessions were based on audio-visual presentation. As a part of the World Congress, a business show was organised to explore the question of how the humans and the computers could work together harmoniously in the office of the future and how office automation could contribute to improving organisational efficiency. Another highlight of the Congress was that the Delegates were given an opportunity to visit Japanese high technology facilities in industrial units. Thus the delegates were able to see both the work culture and ethics in Japanese industrial units as well as their latest technological advances in computer production, factory automation, office equipment production, information systems etc.

## 2.7 Responses to International Technical Documents

The Institute continues to respond to the technical documents issued by the International Federation of Accountants and the International Accounting Standards Committee.

### 3. PROFESSIONAL DEVELOPMYNT ACTIVITIES

#### 3.1 General

The following paragraphs give a brief review of the Professional Development Activities of the various non-standing committees constituted by the Council of the Institute during the Council year i.e., September 17, 1987 to September 16, 1988. The review does not include the activities of the period from April 1, 1987 to September 16, 1987, as these have already been covered in the 38th Annual Report submitted last year. It does not also include details of the professional development activities of the Regional Councils and their branches.

#### 3.2 Accounting Standards Board

##### (a) Issuance of Accounting Standards

Since the issuance of the preface to the Statements of Accounting Standards in January, 1979, the Council has issued the following ten definitive Accounting Standards:—

- (i) Accounting Standard—1 on "Disclosure of Accounting Policies" (AS-1)—November, 1979.
- (ii) Accounting Standard—2 on "Valuation of Inventories" (AS-2)—June, 1981.
- (iii) Accounting Standard—3 on "Changes in Financial Position" (AS-3)—June, 1981.
- (iv) Accounting Standard—4 on "Contingencies and Events Occurring After the Balance Sheet Date" (AS-4)—November, 1982.
- (v) Accounting Standard—5 on "Prior Period and Extraordinary Items and Changes in Accounting Policies" (AS-5)—November, 1982.
- (vi) Accounting Standard—6 on "Depreciation Accounting" (AS-6)—November, 1982.
- (vii) Accounting Standard—7 on "Accounting for Construction Contracts" (AS-7)—December, 1983.
- (viii) Accounting Standard—8 on "Accounting for Research and Development" (AS-8)—January, 1985.
- (ix) Accounting Standard—9 on "Revenue Recognition" (AS-9)—November, 1985.
- (x) Accounting Standard—10 on "Accounting for Fixed Assets" (AS-10)—November, 1985.

Apart from the above, the Board has also issued a guidance note on "Terms Used in Financial Statements".

##### (b) Implementation of Accounting Standards.

In pursuance of efforts to implement the Accounting Standards, the Council of the Institute at its 120th

meeting held in September, 1987 decided that AS-4 on "Contingencies and Events Occurring After the Balance Sheet Date" and AS-5 on "Prior Period and Extraordinary Items and Changes in Accounting Policies" issued by the Institute should be mandatory in respect of accounts for periods commencing on or after 1-1-1987. It is intended to make other standards also mandatory in a phased manner. With a view to give wide publicity about the utility of Accounting Standards, a publicity brochure prepared by the Board had been circulated among various organisations. The brochure gives details about the composition of the Board, its objectives and procedure for developing of Accounting Standards. In addition, the topic of Accounting Standards was discussed in a large number of seminars during the period under report to enable familiarisation with the Standards.

##### (c) Accounting Standards under Formulation

Standards on the following subjects are in various stages of formulation:—

- (i) Accounting for the Effects of changes in Foreign Exchange Rates.
- (ii) Accounting for Taxes on Income.
- (iii) Accounting for Government Grants and Disclosure of Government Assistance.
- (iv) Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statements of Employers.
- (v) Accounting for Investments.
- (vi) Accounting for Business Combination.

#### 3.3. Auditing Practices Committee

##### (a) Guidance Note on Long Form Audit Reports in Bank Audits

The Reserve Bank of India had advised the public sector banks in the year 1985 to obtain long form audit reports from their auditors. The Reserve Bank had also issued two questionnaires for this purpose. These questionnaires were revised by the Bank in the year 1987. Accordingly, the Committee also modified its Guidance Note on the subject to incorporate the changes made in the questionnaires.

##### (b) Audit Report in case of Nationalised Banks

On the basis of certain suggestions received in this behalf, the Committee reviewed the format of the statutory auditors' report in the case of nationalised banks. It was felt that there were certain inconsistencies in the format. Accordingly, the Committee issued a Guidance Note setting out the recommended format of audit report in case of nationalised banks.

**(c) Statements on Standard Auditing Practices and Guidance Notes**

During the year the Council approved the publication of the following Statements on Standard Auditing Practices formulated by the Committee:—

- (i) Statement on Standard Auditing Practices (SAP) 5, "Audit Evidence".
- (ii) Statement on Standard Auditing Practices (SAP) 6, "Study and Evaluation of the Accounting System and Related Internal Controls in Connection with an Audit."

The draft of the proposed Statement on Standard Auditing Practices dealing with "Relying upon the work on an Internal Auditor" will be issued shortly.

Apart from the above, the Committee issued the Exposure Draft of a proposed Statement on Standard Auditing Practices dealing with "Planning".

Statements on Standard Auditing Practices and Guidance Notes on the following subjects are at various stages of formulation:—

- (i) Auditing in an EDP Environment.
- (ii) Using the Work of Another Auditor.
- (iii) Responsibility of Joint Auditors.
- (iv) Audit Engagement Letters.
- (v) Audit of Investments
- (vi) Audit of Inventories
- (vii) Audit of Debtors, Loans and Advances.

The Committee has constituted study groups at Bombay, Calcutta and Madras to prepare preliminary drafts of the Statements on Standard Auditing Practices for the consideration of the Committee. Another study group at Delhi is engaged in the task of developing preliminary drafts of the Guidance Notes based on the Institute's existing publication titled "Statement on Auditing Practices".

### 3.4 Research Committee

**(a) Published Literature**

The following publications have been released for sale during the year:—

- (i) Compendium of Guidance Notes—Volume-II, containing Guidance Notes issued after 30th June, 1985 and upto 31st March, 1987
- (ii) Guidance Note on Accounting Treatment for MODVAT
- (iii) Guidance Note on Accrual Basis of Accounting

**(b) Studies in the Process of Publication**

- (i) Accounting and Auditing Technical Guide on Fertilizer Industry
- (ii) Guidelines on Internal Audit—Sugar Industry.

**(c) Publications under Finalisation by the Committee/Council**

- (i) Study on Use of Financial Information for Determination of Sickness in Industry
- (ii) Accounting and Auditing Technical Guide
  - (a) Automobile Industry
  - (b) Drugs and Pharmaceutical Industry
- (iii) Guidance Note on Accounting for Leases
- (iv) Accountant's Guide to Foreign Exchange Regulations Act
- (v) Guidelines on Internal Audit—Tyre Industry
- (vi) Revision of "The Payment of Bonus Act, 1965—An Accountant's Study"
- (vii) Revision of "Study on Valuation of Shares"
- (viii) Revision of Statement on Treatment of Retirement Gratuity in Accounts
- (ix) Revision of Guidance Note on Accounting Treatment for Excise Duty.

**(d) Project in Progress**

- (i) Audit Sampling Techniques
- (ii) Guidelines on Internal Audit—Textile Industry
- (iii) Accounting and Auditing Technical Guide—Hotel Industry
- (iv) Impact of the pronouncements of the Institute on the Financial Statements of Companies
- (v) Accountants Guide to Law of Customs Duty.
- (vi) Studies on:
  - (a) MRTP Act.
  - (b) Insurance Audit—LIC.
  - (c) Audit of Public Trusts.
  - (d) Hospital Accounting and Management Control System.
  - (e) Computer and the Auditor.
- (vii) Management Control and Accounting Systems in Non-Profit Sector of Indian Economy.
- (viii) Monograph on Accounting for Forestires.
- (ix) Guidelines on Internal Audit—Cement Industry.

**(e) Existing publications in the Process of Revision**

- (i) Technical Guide for Audit for Educational Institutions.
- (ii) Technical Guide for Audit of Cooperative Societies.
- (iii) Price Fixation in Indian Industries.
- (iv) Guidance Note on Accounting Treatment of Reserves in Amalgamations.

(v) Statement on Changes in the Mode of Charging Depreciation in Accounts.

**(b) Shield Panel**

Annual Award of Prizes for the Best Presented Accounts of Companies and Non-Financial Statutory Corporations for the year 1986-87:

The Panel of Judges for the Annual Competition for the year 1986-87 have adjudged the Annual Report and Accounts of :

**ENGINEERS INDIA LIMITED**

(For the year ended March 31, 1987)

as the best and accordingly it has decided to award its Silver Shield to this Company.

The Panel of Judges have also highly commended the Annual Reports and Accounts of the following companies and have accordingly decided to award the Plaques to:—

**\*THE ASSOCIATED CEMENT COMPANIES LIMITED**

(For the year ended July 31, 1986)

**\* CEMENT CORPORATION OF INDIA LIMITED**

(For the year ended March 31, 1987)

**\* MADRAS REFINERIES LIMITED**

(For the year ended March 31, 1987)

The Panel of Judges also considered the Accounts of Banks and Financial Institutions for 1986-87 and adjudged the Annual Report and Accounts of

**HOUSING DEVELOPMENT FINANCE CORPORATION LIMITED**

(For the year ended June 30, 1986)

as the best among the entries received from banks and financial institutions and have accordingly decided to award the Silver Shield to this Corporation.

The Panel of Judges separately considered the Accounts of entities such as Public Trusts, Co-operative Societies, Research and Educational Institutions etc. for the year 1986-87 and adjudged the Annual Reports and Accounts of:

**INDIAN FARMERS FERTILIZERS COOPERATIVE LIMITED**

(For the year ended June 30, 1986)

as the best among the entries received and have accordingly decided to award the Plaque to it.

**\*Note:**

The listing of the companies whose accounts have been highly commended is alphabetical and it does not denote any ranking on the basis of merit.

**3.5 Professional Development Committee**

**(a) Empanelment procedure and other matters relating to audit of accounts of branches of nationalised banks and regional rural banks.**

The Committee has collected information by inviting applications in the prescribed forms from practising members of the Institute for empanelment as auditors of 28 public sector banks and their branches including statutory central audit and branch audit of Regional Rural Banks (RRBs) for the year 1988 in accordance with the guidelines indicated by the concerned authorities. The information given by members in the prescribed application forms has been computerised and the panel so prepared has been sent to the concerned authorities who make the actual allotment of audits. The Committee took up a number of issues regarding the empanelment with the authorities on the basis of the representations received from members.

Members and Firms have been informed about the unique code numbers allotted to them for quoting in the application form.

**(b) Internal Audit**

Two Residential Courses on Internal Audit were held at Kovalam and Port Blair on December 19-22, 1987 and on March 17-21, 1988 respectively to discuss some of the techniques and developments in the area of Internal Audit and to provide a forum for exchange of views in this fast developing area.

**(c) Seminars on Concurrent/Inspection/Revenue Audit of Banks**

As a part of the Continuing Education Programme a series of seminars are being organised at regional offices, branches and other important cities to discuss various aspects of concurrent/inspection/revenue audit of banks in collaboration with the Regional Councils. Uniform and detailed background material has been compiled for distribution among participants of the seminars.

**(d) Seminar on Audit Committees at Bombay**

A one-day seminar on Audit Committee was organised in collaboration with the IDBI at Bombay on March 26, 1988. The Seminar was attended by the participants from various organisations in different parts of the country.

**(e) 8th All India Conference on Internal Audit**

Eighth All India Conference on Internal Audit was organised at Bombay on September 4-5, 1988. The main objective of the Conference was to discuss the various aspects of internal audit function and to deliberate on the expanding role of the internal

auditor in the contemporary economic and business environment. The deliberations of the Conference were divided into four technical sessions, on various aspects of internal audit. The Conference was attended by about 300 executives from various private as well as public sector organisations.

**(f) Amendment of Co-operative Societies Act to provide for Audit of Co-operative Societies by Chartered Accountants**

At the behest of the Committee, the Regional Councils and branches of Regional Councils at State Capitals have represented to the appropriate authorities in their State(s) for amendment of the Co-operative Societies Act to provide for audit of Co-operative Societies by Chartered Accountants. The members of the Council have also been pursuing the matter with various State authorities. The Andhra Pradesh Government has issued circulars indicating that (a) District Co-operative Audit Officers could entrust audit to any chartered accountant in the case of an institution where audit was in arrears and (b) entrustment of internal audit of accounts of co-operative sugar factories to chartered accountants and (c) constitution of State level Co-Committee wherein one of the representatives would be a chartered accountant. In some other States also e.g., Himachal Pradesh and Maharashtra the authorities have agreed to increase the involvement of chartered accountants in the audit of co-operative societies.

**(g) Guidelines on Import & Export Certificates**

The Import and Export Policy and Hand-book of Imports and Exports procedures 1985-88 issued by the Chief Controller of Imports and Exports contains various forms requiring certification by chartered accountants. The Committee is making efforts to bring out a guidance note to assist the members in discharging their duties while certifying information as prescribed by the authorities.

**(h) Making Self-regulatory Measures Mandatory**

The Council has been issuing from time to time certain self-regulatory measures with the objective of ensuring equitable flow of professional work among members of the Institute. A complete text of the self-regulatory measures was last published in 1986 edition of the publication "Professional Opportunities for Members—An Appraisal."

The Council at its 122nd meeting held in May, 1987 decided that the self-regulatory measure relating to non-acceptance of audit work below a certain fee should be made mandatory. A notification on the subject has been published in June 1987 issue of "The Chartered Accountant".

**3.6 Committee for Members in Industry**

(a) The Committee for Members in Industry had been formed with the following objectives:-

- (i) consider ways and means to enhance participation of members in service in the affairs of the Institute.
- (ii) consider matters affecting members in service and in particular to consider problems relating to career planning, ethics and other related matters as they affect the members in service.
- (iii) provide employment service both for the benefit of the members seeking employment in Industry and the prospective employers; and
- (iv) explore and develop fresh avenues of employment for Members in Industry.

The Committee comprises a number of eminent members in Industry.

(b) Pursuant to the decision of the Committee, the Regional Councils have formed Committees for Members in Industry in their Regions, which hold regular meetings for discussing matters relating to Members in Industry in their Regions and also organise seminars from time to time on topics of various interest to Members in Industry such as union budget, tax laws, exposure drafts/statements/guidance notes issued by the Institute.

(c) An article on the subject "Employment Opportunities for Chartered Accountants in Financial Institutions" has been published in January 1988 issue of the Journal for the information of members. A series of six articles on employment opportunities for chartered accountants had been published earlier in the various issues of the Journal.

(d) A representation has been made to the Bureau of Public Enterprises that public sector undertakings including nationalised banks be requested to reimburse to their chartered accountants employee the membership fee paid by them to the Institute.

(e) An All India Conference on Corporate and Management Accounting on April 8-9, 1988 was organised at Pune. The main objective of the Conference was to provide a forum to discuss the various aspects of Corporate and Management Accounting and to deliberate upon the expanding role of the management accounting in the contemporary economic and business environment. The Conference was attended by 201 delegates.

(f) A residential course for Finance and Accounts Executives in Industry was organised on June 4-8, 1988 at Srinagar to discuss the modern techniques of management accounting and corporate finance.

### 3.7 Company Law Committee

#### (a) Memorandum on the Companies (Amendment) Bill, 1987

In view of the introduction of the Companies (Amendment) Bill, 1987, the Company Law Committee, after holding a clause by clause discussion and taking into account, the comments and observations of past Presidents, Council members, Regions, Branches and views expressed at the Seminar organised by it, finalised the Memorandum on the amendments and submitted the same to the Ministry of Industry, Department of Company Affairs. The Memorandum included a large number of suggestions and we feel happy to record that quite a few of our suggestions particularly on Section 5 (officer-in-default), Section 43-A (Demand Public Companies), Section 269 and Schedule XIII (Managerial Remuneration) and Section 205 (Dividends) were accepted by the Government and find a place in the Amendment Act, 1988.

#### (b) Residential Course on Taxation and Company Law

The 11th Residential Course on Taxation and Company Law was held jointly by the Taxation and Company Law Committee at Ooty from 2nd May 1988 to 6th May, 1988. 33 persons representing industry and profession participated.

#### (c) Study in connection with BIFR

The Committee decided to prepare a study on BIFR vis-a-vis members of our profession in view of the provisions of Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act. The proposed study shall be in the nature of an appraisal and review and shall provide guidance to the members on this important legislation.

#### (d) Dialogue with Government on Company Law

The Committee continued to discuss with the Government and respond to the various issues related to Company Law. The Department of Company Affairs sought the views of the Institute on a number of matters during the year. The Committee responded to the various issues quickly and effectively.

### 3.8 Taxation Committee

#### (a) Residential Course on Taxation and Company Law

The Eleventh Residential Course on Taxation and Company Law organised by the Taxation and Company Law Committees of the Institute took place at Hotel Southern Star—Ooty from 2nd May to 6th May, 1988. Thirty-three delegates from various parts of the country attended the Course. The following topics were considered in depth:

Corporate Taxation—Selected Issues; Recent Legislative Changes in Direct Tax Laws; Procedural

Aspects of Direct Tax Laws; Sales Tax; Appointment and Remuneration of Managerial Personnel and Industrial Sickness-in the wake of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985—with Special Reference to functioning of BIFR.

The Chairman of the Taxation Committee Shri N.K. Poddar was the Course Director.

#### (b) Central Budget

(i) In response to an invitation from the Finance Minister a delegation of the Institute consisting of Sarvashri S.K. Dasgupta, President, K.G. Somani, Vice-President, N.K. Poddar, Chairman, Taxation Committee, M.G. Patel, Vice-Chairman, Taxation Committee and S.C. Vasudeva, Member, Taxation Committee, R.L. Chopra, Secretary and C.R.T. Varma, Secretary, Taxation Committee called on the Finance Minister on 8th January, 1988. The Chairman of the CBDT, Shri C.K. Tikku and other senior officials of the Board were also present at the meeting.

The Pre-Budget Memorandum of the Institute was presented to the Finance Minister. The memorandum contained Institute's suggestion for consideration of the Government while formulating the Budget Proposals for the year 1988-89. It covered a wide range and included inter alia suggestions relating to rural development, reward for increase of production and productivity, control of non-plan expenditure, promotion of tourism and other service sectors, measures for increasing revenue, rationalisation of existing tax laws, modifications in various provisions of the Direct Tax Laws (Amendment) Bill 1987, Foreign Exchange Regulations, Foreign/Currency and Exports and budgetary deficit, industrial development and employment.

The Finance Minister appreciated the role of the Institute in the country's economic activities and its contributions. He assured the delegation that the Government had an open mind in the matter of tax reform and appropriate administrative instructions would be issued to remove genuine difficulties faced the assessee in the course of the implementation of the provisions of Direct Tax Laws (Amendment) Bill, 1987. He assured the delegation that he would be consulting the Institute frequently on various matters of economic and fiscal importance. Earlier, the President, along with representatives of Chambers of Commerce, and Industries participated in the Finance Minister's pre-Budget Consultation Meeting on 5th January, 1988.

Another meeting was held with the new Finance Minister, Hon'ble Shri S.B.Chavan, concerning certain areas of Direct Tax Laws (Amendment) Act, 1987. The President accompanied by the Vice-President, Shri K.G. Somani; the Chairman of the Taxation Committee, Shri. N.K. Poddar; the Vice-Chairman of the Taxation Committee, Shri M.G. Patel and two other members of the Taxation Committee, viz., Shri G. Narayanaswamy and Shri S.C. Vasudeva called on the Hon'ble Minister on 26th July, 1988. The views of the Institute on taxation of firms, additional income-tax, re-assessment and taxation of charitable trusts were conveyed. The Hon'ble Minister was also requested to amend Section 10(23A) so as to confer total exemption in respect of the entire income of the professional bodies like our Institute.

(ii) The Post Budget Memorandum of the Institute was submitted to the Finance Minister, Chairman, Central Board of Direct Taxes and other relevant Government authorities on 5th April, 1988.

(c) *Memoranda/Representations submitted*

- (i) A representation was sent to the CBDT on 5th January, 1988 requesting for issue of clarification to the effect that in the case of Government Companies and other companies where there is a delay either in the appointment of a statutory auditor or in the completion of the statutory audit, the tax auditor could give his report in Form 3CB/3CC instead of Form 3CA as stipulated in the Rules.
- (ii) A representation was made to the CBDT on 7-4-1988 requesting the Board to issue clarification regarding the applicability of the provisions of Section 80C(2) (h)(c)(6) and 192(2A) of the Income-tax Act, to the Institute of Chartered Accountants of India.
- (iii) In response to a request from the Director Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax) Delhi Institute's comments and suggestions relating to new scheme of tax deduction at source were submitted.
- (iv) In response to a request received from the Central Board of Direct Taxes, Comments and suggestions were sent regarding the categories of transactions upon which Permanent Account Numbers have to be quoted.

(d) *Publications*

- (i) A reprint of the Guidance Note on Tax Audit under Section 44AB of the Income tax Act was

brought out in April 1988 incorporating foot notes indicating changes made/proposed upto 1-4-1988.

**3.9 Continuing Professional Education Committee**

(a) *Seminars and Courses*

Under the Continuing Education Programme, a number of seminars and courses were organised during the year. For details please see *APPENDIX II*.

(b) *Results of Post Graduate Courses*

Examination of the Management Accountancy/ Corporate Management/Tax Management Courses (Part I) were held under the revised syllabus in November, 1987 and examination of the Management Accountancy Course (Part II) was held under the revised syllabus in May, 1988. The summarised results of the examinations held in November, 1987 are given in *APPENDIX III*.

(c) *Merit Scholarships*

Scholarships of Rs. 500 each were granted to 5 candidates for purchase of books under the incentive scheme of the Management Accountancy Course. It has been decided to extend the scheme to the participants of the Corporate Management and Tax Management courses also.

(d) *Management & Economic Quarterly Digest*

Since September, 1987 four issues of the Management and Economic Digest (a journal containing abstracts of important articles on contemporary issues in Management and Economics) have been brought out. This publication is now being subscribed to by about 1400 members.

(e) *Practical training/passing of MAC*

The number of candidates registered during the year for practical training under Part II of the Post Graduate Courses was as under:—

- (i) Management Accountancy Course
- (ii) Corporate Management Course
- (iii) Tax Management Course

The following members completed both parts of the Post Qualification Course in Management Accountancy :

- (i) Mr. S. Kannan (M. No. 33573)
- (ii) Mr. N.R. Sridharan (M. No. 15527)

(f) *In-House Computer Centres*

As per the decision of the Council, four in-house computer centres have been set up at the Regional offices in Madras, Calcutta, Bombay and Kanpur to

provide properly designed courses for the member and students of the Institute. Work relating to the Computer Centre at Delhi is at an advanced stage and the centre is going to be opened shortly. A three tier training programme is envisaged to impart thorough training to the participants, in the use of computers for undertaking the professional work of an accountant. There has been an encouraging response to the large number of programmes organised by the centres. A summary of the computer courses organised at the computer centres is given in *APPENDIX IV*. In addition to these courses for our members & students, the centres are also conducting a limited number of in-house training programmes for Government Departments, banks and undertakings etc. A course was also organised for the representatives of SAFA-member institutions. During the year, more computers have been added to the computer centres at Madras and Calcutta.

(g) '1988 Update' Seminar

Considering that developments in accounting and auditing, finance, corporate and fiscal laws in the recent past are likely to have material effect on accounting and financial structure of various organisations, Regional Councils have been requested to organise a series of 1988—Update seminars, at regional headquarters, branches, and other important cities. This series of seminars is aimed at apprising the members of the Institute about the implications of the latest developments in the above mentioned aspects. The background material for the seminar has been printed and sent to Regional Offices and branches. Seminars at regional centres and certain large cities are of two days duration and at other places, they are of one day duration.

3.10 Expert Advisory Committee

- (a) Since the last report in September, 1987 the Committee received 72 queries (including 7 pending at the beginning) and disposed of 46 of them. 2 queries have been/are being referred to the council. 3 queries are pending as additional information has been sought from the querists. 21 other queries pending as on 12-8-1988.
- (b) The "Compendium of Opinions", Volume VII, containing the opinions of the Committee between September, 1986 and September, 1987 along with a composite subject-wise alphabetical index on the opinions contained in all the earlier six volumes, has been released for sale.
- (c) Brief versions of important opinions of the Committee are being published in each issue of "The Chartered Accountant" for information of all readers.

3.11 Ethical Standard Committee

Since September, 1987, the Ethical Standards Committee held three meetings at which various ethical issues concerning the accountancy profession were considered and Ethical principles were evolved for the guidance of the members. Apart from answering the scores of enquires received by the Committee from various members asking for guidance on problems on ethics and for an interpretation of the Code of Conduct of the Institute, the Committee had undertaken and carried out the following significant tasks :

*Revision of the Code of Conduct*

(i) The code of Conduct was first issued by the Institute in November, 1963 and had undergone Seven editions. From time to time, the Council has been enunciating various ethical rules of behaviour and the principles that members are expected to follow in situations on diverse issues of professional ethics. These pronouncements of the Council as also the principles laid down by it were being included in the Code of Conduct in various edition.

The Committee revised the Code of Conduct completely to include latest decisions and pronouncements of the Council and of the various High Courts on questions of ethics. It also included relevant principles laid down by the Ethics Committee of the International Federation of Accountants. Besides, comments contained in the Code of Conduct, were edited so as to make it more cogent and readable and to eliminate the portions which had become superfluous or obsolete. The Council at its meetings held in November 1987 and April 1988 approved the revised draft Code of Conduct with certain modifications. The revised Code of Conduct is being printed and would be made available to the members very shortly.

(ii) The Committee also had occasion to examine the question as to whether members of the Institute may be permitted to have their names included under the classified list of Chartered Accountants in the Yellow pages of the Telephone directories published in different cities by the Mahanagar Telephone Nigam Limited. On the basis of the recommendations made by the Committee, the Council considered the question and decided to allow members to have their names included in the classified list of Chartered Accountants in the Yellow pages of the telephone directories published under authority of the Mahanagar Telephone Nigam Limited. The Council decided that the members be directed to ensure that their names or name of their firms

appear in the normal type used in printing and not in a type bolder than otherwise used in printing the Yellow pages directory.

### 3.12 University Liaison Committee

#### (a) Joint Seminars with Universities

In its efforts to strengthen coordination between the universities and the Institute, the Committee organised four joint seminars in collaboration with the following Universities:—

1. Osmania University, Hyderabad on 16-1-88.
2. Kurukshetra University, Kurukshetra on 12th and 13th May, 1988.
3. Poona University, Pune on 16th July, 1988.
4. M.D. University, Rohtak on 20th August, 1988.

The participants included members of faculty of various universities and colleges and members from the profession. It was felt that these seminars will bring the universities and the Institute closer for mutual benefit.

#### (b) Endowments for awarding gold medal/prize to the students securing the highest marks in Accountancy at B.Com Examination.

The Institute has created three more endowments at Banaras Hindu University, Varanasi, Guru Nanak Dev University, Amritsar and Bharathidesan University, Tiruchirapalli for creating the endowment. Now we have endowments in 22 universities.

#### (c) Recognition of CA course by universities for Ph. D. programme.

As a result of constant follow up with the universities, the committee has been able to secure recognition for CA course for Ph.D. purposes from six more universities i.e., Alagappa University, Karaikudi, Bharathidesan University, Tiruchirapalli, M.D. University, Rohtak, Ranchi University, Ranchi, Agra University, Agra and Kurukshetra University, Kurukshetra. Now in all 31 universities, besides the Association of Indian Universities, recognise the CA course. The names of these Universities are given in APPENDIX. V

#### (d) Liaison with the University Grants Commission

Shri Laxminivas Sharma, Chairman, University Liaison Committee has been nominated as a member on the Commerce Panel of the U.G.C. for a period of two years w.e.f. 1st August, 1987.

#### (e) Popularisation of CA Course

The Committee brought out a pamphlet entitled, "We Care For You If You Are Career Conscious" giving information about the CA course. Copies of

the pamphlet have been sent to all the Regional Council and branches of the Institute, 91 universities, 2,470 colleges and 95 University Information and Guidance Bureaux.

#### (f) Feedback from Universities about the award of ICAI Prize/Gold Medal out of the endowment created by the Institute.

Information is being received from most of the universities about the award of prize/gold medal. Follow-up action is being taken with the universities which are not supplying the necessary information. The names of awardees along with their photographs, if available, are being published in the Institute's Journal.

#### (g) Representation of the Institute on the Senates of the Universities.

The Committee is making efforts to secure Institute's representation on the Senates of various universities in the country.

### 4. OTHER MATTERS

#### 4.1 Committee on Public Relations

(a) The Committee on Public Relations took up programme to promote wider understanding of the functions of the Institute and project a better image of the profession.

(b) An extract from the 38th Annual Report for the year ended March 31, 1987 was published in several leading newspapers. Reports of the annual meeting, featuring the annual award of the prizes for the best presented accounts and for the prize winners in the examinations of the Institute, were also carried by leading newspapers.

(c) Publication of the ICAI Newsletters was continued to apprise the public in general about its policies framed and objectives pursued by the Council.

(d) Press conferences were held by the President in different parts of India to highlight the various activities of the Council and also to project the viewpoint of the Institute on various policy issues. The views of the Institute were carried by leading newspapers.

(e) The President was interviewed by Delhi Doordarshan for his views on Government's budgetary policy for 1988-89. The President will be invited by Calcutta Doordarshan for a panel discussion on the accountancy profession and its education and training procedure.

(f) The President and the Vice-President visited various Regional Councils and branches and their visits were covered by the local press.

(g) Comments of the Institute on matters concerning the profession and matters of general importance were put out through press statements from time to time.

#### 4.2 40th Anniversary of India's Independence

At the suggestion of the Government of India, the Institute had taken up several programmes to celebrate the 40th Anniversary of India's Independence. The programme 'inter alia' include:-

- (a) An illustrated booklet entitled "Four decades of impressive growth and service to the Nation" was published and distributed. It highlighted the main activities of the Institute and the achievements of the profession in the past forty years.
- (b) A scheme for research fellowship has been created for bright students who have passed C.A. Final Examination with consistently good academic record. The fellowship is for one year on a grant of Rs. 1000 per month.
- (c) Three monthly scholarships of Rs. 100 each for one year have been granted to those securing first three positions in the Entrance Examination starting from November 1987. The payment of scholarship is to be made from March 1988 to February 1989.
- (d) The Second Volume of the history of the Accountancy Profession covering the period 1972 to 1987 is being prepared by Shri B.L. Kabra and Shri P.N. Shah, past Presidents of the Institute.
- (e) Library facilities at branches have been expanded with additional sets of text book stocked for the use of students.
- (f) Buildings have been constructed by Agra, Ahmedabad, Alleppey, Coimbatore, Calicut, Ernakulam, Kottayam, Poona, Surat and Trichur branches. Jaipur, Lucknow, Madurai and Trivandrum branches have acquired land for construction of branch buildings.
- (g) The construction work on the Institute's office complex in NOIDA has been started.

#### 4.3 Committee for Review of Education and Training

The Committee for Review of Education and Training set up by the Council in its September, 1984 meeting submitted its final report to the Council at the September, 1987 meeting. The Council considered the Report at 130th, 131st and 132nd meetings.

The Committee made far reaching recommendations on several areas studied by it. Some of its recommendations as accepted by the Council of the Institute are as under:-

- (i) Revision of the entry requirement for the Chartered Accountancy Course so as to admit students who have passed the senior secondary examination, on the basis of qualifying in the Foundation Examination proposed by the Committee.
- (ii) Commencement of articleship only after qualifying in the Foundation Examination except for exempt Graduates.
- (iii) Appearance at the Final Examination only after completion of the training period.
- (iv) Imparting training in computer.
- (v) Allowing only one permitted additional course of study at a time during the articleship.
- (vi) Equating a member in employment having six or more years of Post C.A. employment experience with a member in practice of three years' standing, when the former switches over to full time practice, for determining eligibility to train articled students.
- (vii) Introduction of an Induction Course for the student joining the C.A. Course.
- (viii) Maintenance of reasonable records by members evidencing the practical work done by articled students and audit clerks.
- (ix) Revision of the rates of stipend payable to articled students and remuneration payable to audit clerks.
- (x) Revision of the syllabi for Intermediate and Final Examination to meet the current and emerging needs,
- (xi) Mandatory Continuing Education for members in practice,
- (xii) Commencement of post-qualification courses in a few more areas like Computers, Financial Analysis and Investment Management, and Accounting and Control of Public Utilities.

The complete summary of Conclusions and Recommendations of the Report alongwith related decisions of the Council has been published in May, 1988 issue of the Journal.

#### 4.4 "The Chartered Accountant"

- (a) The Institute continued to supply the journal free of cost to members, during the year under report.
- (b) The Editorial Board decided to award the following prizes for the best articles published in Volume

XXXV (July 1987 to June 1988) of "The Chartered Accountant" : —

The Editorial Board decided to award the following prizes for the best articles published in Volume XXXVI (July 1987 to June 1988) of "The Chartered Accountant" : —

**Main Section**

1st Prize (Rs. 1,500)	Shri Jai Lal Jain, Chandigarh for his article "Sickness in State Electricity Boards—Causes and Remedies" (March 1988 issue)
2nd Prize (Rs. 1,000)	Shri A.H. Dalal, Bombay for his article "Direct Tax Laws (Amendment) Act 1987—How does it affect Public Trusts?" (April 1988 issue)
3rd Prize (Rs. 500)	Dr. N.L. Ahuja, New Delhi for his article "Accounting Standards—Their Applicability and Auditors' Responsibilities" (June 1988 issue)

**Students' Section**

1st Prize: (Rs. 750)	Jointly to S/Shri V. Govindarajan and Babu Jayendran, Dubai for their article "Security and Audit in a Computer Environment" (November 1987 issue)
2nd Prize : (Rs. 500)	Jointly to S/Shri M.V. Sonalkar and V.S. Kaveri, Bombay for their article "Review of Large Industrial Advances" (July 1987 issue).

**4.5 Introduction of Chartered Accountants Regulations, 1988**

As was mentioned in the earlier reports, the Council had appointed a Special Committee called "Codification Committee" to simplify and rationalise the Chartered Accountants Regulations, 1964 in order to remove anomalies and inconsistencies and to minimise the procedural delays. The draft codified regulations prepared by this Committee were published in the Gazette of India for public comments and the finalised amendments were thereafter referred for approval of the Central Government.

The Council is pleased to report that the Central Government has accorded approval to these Regulations. These regulations have been brought into force w.e.f. 1st June, 1988 and are known as "The Chartered Accountants Regulations, 1988." The complete text of the new regulations has been published in the June, 1988 issue of the Institute's Journal "The Chartered Accountant."

**4.6 Annual Meeting of the Council**

(a) The 38th Annual Meeting of the Council was held on 15th September, 1987 in the Convention Hall, Ashok Hotel at New Delhi under the Chairmanship of Shri R. Balakrishnan, the then President of the Institute. Hon'ble Shri J. Vengala Rao, Union Minister for Industry was the Chief Guest at the function. The Hon'ble Minister presented shields and plaques to the companies and financial institutions which had won the awards for their entries in the popular contest organised by the Institute—"THE BEST PRESENTED ACCOUNTS". Prizes and medals were also given to the meritorious students in the examinations of the Institute by the Hon'ble Minister.

(b) Shri Balakrishnan presented a cheque for Rs. 1,03,001 to the Hon'ble Minister towards the Prime Minister's National Relief Fund. The amount was contributed by the members of the Council, Regional Council and members at large. The staff of the Institute also contributed one day's salary towards this cause.

(c) Shri S.K. Dasgupta, the President-elect, proposed a hearty vote of thanks. The function was attended by a large number of members and other distinguished invitees.

**4.7 Library**

During the year, 1118 books were added to the Central Council library at New Delhi bringing the total number of books to 22349. Increasing use of the library was made by both the members and the students.

**4.8 Representations on Outside bodies**

The Institute continues to be represented on various national and international bodies through its representatives. The details of such representations are given in APPENDIX VI to this report.

**4.9 Members at the Helm of Affairs**

The members of the Institute, on account of their high degree of expertise and knowledge in the field of accounting and finance, have come to occupy very important positions in different walks of life including Companies in the Public and Private Sectors and Government Corporations. The Public Relations Committee of the Council is publishing photographs and particulars of members appointed to senior positions like Director (Finance) Managing Director and Chairman of Public and Private Sector Companies, nationalised banks and nationalised insurance companies in the Institute's Journal "The Chartered Accountant" from time to time.

**4.10 Meetings of the President and the Vice-President with Important dignitaries and visits to the branches**

The President and the vice-President met various dignitaries including Central Ministers and Officials of the Government Departments during the year under review. Special mention may be made of the meeting with the Hon'ble Minister for Finance on 8th January, 1988. At this meeting, apart from the Institute's delegation led by the President, Chairman of the CBDT and other senior officials of the Board participated in the pre-budget discussion with the Hon'ble Minister. The memorandum of the Institute contained suggestions for formulating the budget proposals for the year 1988-89. This also included suggestions relating to rural development, reward for increase in production and productivity, control of non-plan expenditure, promotion of tourism, rationalisation of existing tax laws, foreign exchange regulations and the like. The President also took the opportunity of explaining to the Hon'ble Minister at some length the role played by the profession in the national affairs and the efforts made by it in assisting the Government in different directions. The Hon'ble Minister was quite appreciative of the role of the Institute in the country's economic activities. At the instance of the Hon'ble Minister the Institute submitted a paper on revival of rural economy with emphasis on the generation of rural employment, elimination of rural poverty and other rural development programme.

The President and the Vice-President visited all the regional councils and a large number of branches of the regional councils and discussed matters concerning the development of greater opportunities and educational facilities for the members and students. Opportunity of these visits was used for discussing with state dignitaries matters of professional importance.

**4.11 Elections to the Council and the Regional Councils**

The elections to the fourteenth Council and thirteenth Regional Councils were held in August, 1988. The names of the members elected to the Council and the Regional Councils have been notified in the Gazette of India and have also been published in the Journal of the Institute. For facility of reference these names are also given in APPENDIX VII.

**4.12 Chartered Accountants' Benevolent Fund**

(a) The Chartered Accountants' Benevolent Fund was established in December, 1962 for providing financial assistance for maintenance, education and other similar purposes to needy persons who are or

have been members of the Institute and their dependents. The number of Life members has increased from 3537 as on 1.9.1987 to 4174 as on 1.9.1988.

(b) A sum of Rs. 2,08,103 was disbursed during the year to members in distress or the families of deceased members in distress.

(c) The balance to the credit of fund as on 31.3.1988 was Rs. 26,87,280 as against Rs. 20,28,518 as on 31.3.1987. The balance as on 1.9.1988 is Rs. 27,78,780.

**4.13 S. Vaidyanath Aiyar Memorial Fund**

(a) During the year 1987-88, 60 scholarships of the value of Rs. 100 each per month were given to the students undergoing the Chartered Accountancy Course.

(b) The membership of the Fund was 171 as on 31.3.1988. The balance to the credit of the Fund was Rs. 97,957 as on 31.3.1988 as against Rs. 1,06,133 as at 31.3.1987.

**5. MEMBERS**

**5.1 Membership**

4856 new members were enrolled during the year bringing the figure of membership as on 31.3.1988 to 49324. During the year 1500 Associates were admitted as Fellows as compared to 1380 Fellows admitted in the previous year. APPENDIX VIII gives the detail with classification of membership.

**5.2 Deceased Members**

(a) The Council records with deep regret the sad demise of Shri C.S. Sastri and Shri M.P. Chitale former Presidents of the Institute on 7.4.1988 and 7.1.1988 respectively and Shri K.C. Khanna—a former member of the Council on 19.2.1988.

(b) The Council also records with deep regret the sad demise during the year of members whose names are listed in APPENDIX IX.

**5.3 Disciplinary Action**

(a) The numbers of "Complaints" and "information" cases dealt with under Section 21 is given below :—

1. No. of cases pending for hearing by the Disciplinary Committee as on 17.9.1987  
(Including 10 cases pending on account of Court orders, etc.)

28

2. No. of cases placed before the Council for its *prima facie* opinion (from 1.4.1987 to Council Meeting in August, 1988)

76

3. No. of cases referred to Disciplinary Committee for enquiry out of 2 above (From 17.9.1987 to Council Meeting held in August, 1988)	31
4. No. of cases heard by the Disciplinary Committee from 17.9.1987 to date of report.	16
5. No. of cases remaining to be heard by the Disciplinary Committee as on date (including 8 cases which are pending on account of Court Orders, etc.)	31
(b) As has been reported earlier, the Supreme Court of India delivered its judgement on 21st October, 1986 in the Appeals filed by the Institute against the Order of the Bombay High Court in a case regarding consideration of reports of Disciplinary Committee. Pursuant to the Supreme Court Judgement the Council decided to give opportunity of being heard both to the Respondent and the Complainant, before taking a decision on the report of the Disciplinary Committee. Both the parties were asked to send their representations in writing, if they so desired. In addition, they could, if they so wished, appear before the Council in person and/or through a member of the Institute, duly authorised. The details of the reports of the Committee considered by the Council under the above procedure, including those pending because of the Appeals pending in the Supreme Court, are as under :—	
No. of Reports of Disciplinary Committee considered by the Council after the judgement of Supreme Court in the Appeals filed by the Institute, delivered on 21st October, 1986 till the meeting of the Council held in August, 1987 (including those pending by virtue of the Appeals in the Supreme Court of India)	138
No. of cases in which Respondents have been found to be not guilty, or the cases have become infructuous because of death of Respondents	80
No. of cases in which Respondents have been found guilty under Second Schedule and referred to High Court under Section 21(5)	36
No. of cases in which the Respondents have been found guilty under First Schedule and the punishments awarded to be awarded by the Council under Section 21(4).	20
No. of cases which have been referred to Disciplinary Committee for further reports	2

## 6. ARTICLED AND AUDIT CLERKS

### 6.1 Registration

The following is the figure of articled and audit clerks registered during the year ending 31st March, 1988 with the corresponding figure for the previous year.

	1986-87	1987-88
Article and audit clerks	10642	12753

### 6.2 Employment Assistance to Articled/Audit Clerks

Employment assistance service is continued to be provided to all students who have completed their period of articled/audit service and have also passed the Intermediate Examination of the Institute. For this purpose an Employment Register is being maintained by the decentralised officials at each of the regional centres at Bombay, Madras, Calcutta, Kanpur and New Delhi. Students desirous of availing of the above facility and fulfilling the requirements can contact personally or write to the concerned Assistant Secretary of the Institute for the form of particulars to be submitted to the Institute.

### 6.3 Board of Studies

(a) The number of students enrolled during the year ended March 31, 1988 and March 31, 1987 are as under :—

COURSE	1987-88	1986-87
Intermediate	12753	10642
Final	4951	6354

The total number of students on the rolls as at 31st March, 1988 was 48660 as against 46149 as at March 31, 1987. The details of such enrolments are given in APPENDIX X.

(b) Intensified revision classes for the Final and Intermediate Course students were, as usual, conducted at regional and other important centres.

(c) During the year ended March 31, 1988, the following scholarships have been granted.

#### (i) Merit Scholarships :

@ Rs. 75/- p.m. to 10 students for a maximum of 18 months.

@ Rs. 75/- p.m. to 4 students for a maximum of 12 months.

(ii) Merit-cum-need-based Scholarships @ Rs. 75/- p.m. to 1 student for a maximum of 12 months.

- (iii) Need-based Scholarship @ Rs. 50/- p.m. to 101 students for a maximum of 30 months.
- (iv) Partial free-ship viz, waiver of the second instalment of tuition fee to 99 students.
- (v) S. Vaish Memorial Scholarships @ Rs. 100/- p.m. to 2 students for a period of one year.
- (d) With a view to removing the students, difficulty in getting the Suggested Answers volumes, the Board made arrangements for their availability at 33 selected centres in the country.

(e) The Board took special measures to make Revisional Test Papers available at all the regional sales counters about 7 weeks before the commencement of the examinations. These were also sent to all eligible students at the same time.

(f) Though the Board is not providing any correspondence course for the students of Entrance Examination, it continued to provide study materials and assistance for the benefit of such students. The complete set of this material is priced at Rs. 100/-

(g) The Board of Studies continued to make regular contribution to the Journal by giving digest of selected judgments relating to direct and indirect taxes and Company Law and current reading besides, articles clarification/announcements and other write-ups for the Students Section. Board's Faculty members are also involved in a continuous basis in the review of articles received for publication in the Journal.

(h) Special efforts were successfully made to make available study material to the students in complete form and on a timely basis.

(i) As a part of Student Personal Contact Programme, the Chairman of the Board of Studies and the Director of Studies met the students at all the Regional Centres as also at several other Centres.

(j) Pursuant to decisions taken by the Councils, the Board has waived tuition fees for the first three rank holders in B.Com. examination and for the first rank holders of other graduation examinations of Indian Universities who have joined the Chartered Accountancy Course.

(k) To commemorate the 40th anniversary of India's independence, the Board has decided to further improve the library facilities for C.A. students at the various branches of the Institute and for this purpose the Board undertook during the year a survey of the available facilities.

(l) The Board accepted an offer of Likhambichand Chawmull Kandoi Charitable Trust of Cuttack for awarding 2 scholarships of Rs. 1,000/- per year to deserving students of the C.A. Course.

(m) The Board had launched audio-education programme for the students under which talks and lectures on selected areas of different subjects, by Faculty of Board, eminent members and academicians are recorded in audio-cassettes. So far 12 cassettes have been produced. The students response to this scheme is encouraging.

(n) Efforts of our Institute in coordination with the Institute of Cost & Works Accountants of India and the Institute of Company Secretaries of India have succeeded in getting the restoration of the Postal Concession for despatch of study material to students with the kind intervention of Shri Vasant Sathe, the Honourable Minister for Communications.

## 7. EXAMINATIONS

### 7.1 Entrance, Intermediate and Final Examinations

The Chartered Accountants Entrance, Intermediate and Final Examinations were held in May and November, 1987 at various centres all over India. The statistics relating to the number of candidates who appeared and who were declared successful in the said examinations are given in APPENDIX XI.

### 7.2 New Examination Centres

(i) In order to remove the difficulties faced by the Nepalese students who pursued the Chartered Accountants Course in India and are employed in Nepal, an examination centre has been opened for holding the Intermediate and Final Examinations at Kathmandu. The said examinations have been held there effective from May, 1987. The Centre is being continued, for the time being.

(ii) An Examination Centre was opened at Jammu for November, 1987 Examinations. It has been decided to continue the centre for the time being in view of the prevailing disturbed atmosphere near about the area. An Examination Centre was opened at Ambala in May, 1987 on an experimental basis for two terms, namely, May, 1987 and November 1987. The position has later been reviewed in the light of the representations made by Yamuna Nagar & Jagadhatri C.A. Students Association and the recommendation of the Northern India Regional Council to open an examination centre at Yamuna Nagar. An examination Centre was opened in addition at Yamuna Nagar on an experimental basis from May, 1988 Examination. For the present, both the centres at Ambala and Yamuna Nagar are being continued in view

of the disturbed atmosphere prevailing in the vicinity and the position will be reviewed later. The Examination Centres at Mysore and Meerut opened on an experimental basis for the examinations held in May and November, 1987 have qualified and it has been decided to continue these centres.

(iii) The following is the full list of centres where the Chartered Accountants Examinations were held in May, 1988 :—

(1) Agra	(23) Kanpur
(2) Ahmedabad	(24) Kathmandu (Nepal)
(3) Allahabad	(25) Lucknow
(4) Ambala	(26) Ludhiana
(5) Bangalore	(27) Madras
(6) Baroda	(28) Madurai
(7) Belgaum	(29) Mangalore
(8) Bhopal	(30) Meerut
(9) Bombay	(31) Mysore
(10) Calcutta	(32) Nagpur
(11) Calicut	(33) Nasik
(12) Chandigarh	(34) Patna
(13) Coimbatore	(35) Poona
(14) Cuttack	(36) Salem
(15) Delhi/New Delhi	(37) Surat
(16) Ernakulam	(38) Trichirappalli
(17) Gauhati	(39) Trichur
(18) Hyderabad	(40) Trivandrum
(19) Indore	(41) Udaipur
(20) Jaipur	(42) Vijayawada
(21) Jammu	(43) Visakhapatnam
(22) Jodhpur	(44) Yamuna Nagar

### 7.3 Prizes and Certificates of Merit

The names of candidates who were awarded prizes and certificates of Merit in the examinations held in May and November, 1987 are given in APPENDIX XII.

The Council has decided to award the following new prizes :—

- U.K. Bhargava Prize for the candidates securing the highest marks in Group I-Paper 2-Section 'B'—Elements of Income-tax of Intermediate Examination.
- J.S. Lodha Gold Medal awarded to the candidate securing the first rank in (i) C.A. Intermediate Examination and (ii) C.A. Final Examination in each term.

### 7.4 Action Against Examinees

Five candidates were found to have resorted to or attempted to resort to unfair means for the May and November, 1987 Examinations. Results were cancelled in the case of two candidates for the relevant examination and in three other case the results were cancelled and they were debarred from appearing for subsequent two examinations.

## 8. REGIONAL COUNCILS AND BRANCHES OF REGIONAL COUNCILS

### 8.1 New Branches

Subsequent to the last report, the following new branches have been set up during the year under report :

Southern Region	:	Palghat
Central Region :		Bhilwara, Dehradun, Bareilly
Northern Region :		Hissar, Shimla

With the setting up of the above branches, the total number of branches of Regional Councils has risen to 71.

### 8.2 Buildings for Branches of Regional Councils

(a) The Council has considerably liberalised the grants payable to branches for construction of buildings. So far the following branches have acquired their own premises :—

1. Agra	6. Ernakulam
2. Ahmedabad	7. Kottayam
3. Alleppey	8. Poona
4. Coimbatore	9. Surat
5. Calicut	10. Trichur

(b) The Jaipur, Lucknow, Madurai, Palghat and Trivandrum Branches have acquired land for construction of branch buildings.

(c) Efforts are under way to acquire premises at several other places e.g., Aurangabad, Bangalore, Hyderabad, Kolhapur, Mangalore, Ludhiana, Nagpur, Ranchi and Solapur.

### 8.3 Chapters of the Institute outside India

Since the last report, no chapter of the Institute was established outside India, thus the number of Chapter remain at six.

### 8.4 Rotating Shield for the Best Branch of Regional Councils

In its effort to activate the branches of Regional Councils and to ensure greater involvement of

members of the branches in the affairs of the profession, the Institute had set up certain norms for minimum performance of the branches of Regional Councils. Under this scheme, the branches are required to submit quarterly reports of their activities. The activities of the branches are evaluated and a rotating shield is awarded annually to the best branch.

The rotating shield for the year 1986-87 was awarded to the Poona branch of the WIRC. The Shield was presented to the branch Chairman at the Annual Function of the Institute by the Hon'ble Shri J. Venkla Rao, Union Minister for Industry. For the year, 1987-88 the rotating shield will be presented to the Jaipur branch of Central India Regional Council which has been adjudged as the best branch at the annual function of the Institute.

## 8.5 Rotating Shield for the best Regional Council

This award was started from the year 1986-87. the award was won jointly by the Western India Regional Council and the Southern India Regional Council for the year 1986-87. The Shield was presented to the Chairman of these Regional Councils by the Union Minister for Industry at the annual function of the Institute.

For the year 1987-88 the Southern India Regional Council has been adjudged as the best Regional Council. The rotating shield will be awarded to the regional council at the annual function to be held in September, 1988.

## 9. FINANCE

The Balance-sheet as at March 31, 1988 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date have been approved by the Council. The Income and expenditure account shows a surplus of Rs. 64.31 lakhs as against the surplus of Rs. 41.71 lakhs in the preceding year.

To provide better service and management records of the Institute activities like members, students, publications and inventory control, pay-bills, mailing list of the Journal, accounts and finances, computers have been purchased and installed.

## 10. APPRECIATION

(a) The Council is grateful to all members of the Institute who functioned as co-opted members of the Institute's Committees and non-members who assisted the Council during the year in the conduct of its educational, technical and other activities and in its examinations.

(b) The Council wishes to place on record its appreciation for the continued assistance and sup-

port of the Government and its nominees on the Council throughout the year.

(c) The Council would also like to acknowledge its appreciation of the sincere and devoted efforts put in throughout the year by all the Officers and staff of the Institute.

R.L. Chopra      K.G. Somani      S.K. Dasgupta  
Secretary      Vice-President      President  
New Delhi

September, 13, 1988

APPENDICES TO THE ANNUAL REPORT  
APPENDIX I

(Ref. Para 1.1 of the Report)

#### 1. MEMBERS OF THE COUNCIL—1987-88

Shri Agarwal, K.M.	(New Delhi)
Shri Balakrishna, R.	(Madras)
Shri Banerjee, Bhaskar	(Calcutta)
* Shri Bansal, R.N.	(New Delhi)
Shri Bhandari, S.S.	(Jaipur)
Shri Chakraborty, A.K.	(Calcutta)
Shri Chhajed, S.P.	(Bombay)
Shri Chitale, M.M.	(Bombay)
Shri Dalal, A.H.	(Bombay)
Shri Dasgupta, S.K.	(Calcutta)
* Shri Ghosh, A.	(Bombay)
Shri Jain, I.C.	(Bombay)
Shri Kale, Y.M.	(Bombay)
* Shri Mehta, Kanti	(Jamshedpur)
* Shri Mittal, C.P. (From 1-7-87)	(New Delhi)
Shri Nair, P.A.	(Bombay)
Shri Nandagopal, S.	(Madras)
Shri Narayanaswamy, G.	(Madras)
Shri Patel, Manubhai G.	(Ahmedabad)
Shri Poddar, N.K.	(Calcutta)
* Shri Raman, B.N.	(Hyderabad)
Shri Rath, Anand	(Bombay)
Shri Rao, B.P.	(Bangalore)
Shri Sharma, Laxminiwas	(Hyderabad)
Shri Somani, K.G.	(New Delhi)
Shri Sundararajan, N.C.	(Madras)
* Shri Tikku, C.K.	(New Delhi)
Shri Vaish, R.C. (Dr.)	(Kanpur)
Shri Vasudeva, S.C.	(New Delhi)
Shri Vishwanath, T.S.	(New Delhi)

\* Nominated by the Central Government

**2. MEMBERS OF THE COMMITTEES—1987-88**  
**A. STANDING COMMITTEES**

### Executive Committee

**Shri S.K. Dasgupta, President (Calcutta)**  
**Shri K.G. Soman, Vice-President (New Delhi)**  
**Shri M.M. Chitalo (Bombay)**

Shri P.A. Nair	(Bombay)	Continuing Professional Education Committee
Shri B.P. Rao	(Bangalore)	Shri S.C. Vasudeva, Chairman (New Delhi)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)		Shri Laxminivas Sharma, Vice-Chairman (Hyderabad)
Examination Committee		Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio (Calcutta)
Shri S.K. Dasgupta, President	(Calcutta)	Shri K.G. Soman, Vice-President, Ex-officio (New Delhi)
Shri K.G. Soman, Vice-President	(New Delhi)	Shri A.K. Chakraborty (Calcutta)
Shri K.M. Agarwal	(New Delhi)	Shri S.P. Chhajed (Bombay)
Shri M.G. Patel	(Ahmedabad)	Shri N.K. Poddar } (Calcutta)
Shri N.C. Sundararajan	(Madras)	Shri H.M. Damania } (Bombay)
Shri K. Kalyanaraman (Secretary to the Committee)		Shri Sukumar Bhattacharyya (Calcutta)
Disciplinary Committee		Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee)
Shri S.K. Dasgupta, President	(Calcutta)	Accounting Standards Board
Shri K.G. Soman, Vice-President	(New Delhi)	Shri Bhaskar Banerjee, Chairman (Calcutta)
Shri R. Balakrishnan	(Madras)	Shri S.C. Vasudeva, Vice-Chairman (New Delhi)
Shri R.N. Bansal	(New Delhi)	Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio (Calcutta)
Shri A.K. Chakraborty	(Calcutta)	Shri R. Balakrishnan (Madras)
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)		Shri R.N. Bansal (New Delhi)
Shri G.D. Khurana (Addl. Secretary to the Committee)		Shri A.K. Chakraborty (Calcutta)
		Shri M.M. Chitale (Bombay)
		Shri Y.M. Kale (Bombay)
		Shri C.P. Mittal (New Delhi)
		Shri C.K. Tikku (New Delhi)
		Shri C.K. Hazari (New Delhi)
		Shri M.N. Goporia } (Bombay)
		Shri P.K. Malik } (Calcutta)
		Shri R. Seshasayee (Madras)
		(Nominee of ASSOCHAM not yet received)
		Dr. Kamal Gupta (Secretary to the Board)

## B. NON-STANDING COMMITTEES

Research Committee		
Shri A.H. Dalal, Chairman	(Bombay)	
Shri Anand Rathi, Vice-Chairman	(Bombay)	
Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio	(Calcutta)	
Shri A. Ghosh	(Bombay)	
Shri Y.M. Kale	(Bombay)	
Shri N.K. Poddar	(Calcutta)	
Shri N.C. Sundararajan	(Madras)	
Dr. R.C. Vaish	(Kanpur)	
Shri T.S. Vishwanath	(New Delhi)	
Shri P.N. Shah } Co-opted	(Bombay)	Professional Development Committee
Shri V. Rajaraman	(New Delhi)	Shri I.C. Jain, Chairman (Bombay)
Shri N.P. Sarda	(Bombay)	Shri S.S. Bhandari, Vice-Chairman (Jaipur)
Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)		Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio (Calcutta)
Auditing Practices Committee		Shri R.N. Bansal (New Delhi)
Dr. R.C. Vaish, Chairman	(Kanpur)	Shri A. Ghosh (Bombay)
Shri S. Natnagopal, Vice-Chairman	(Madras)	Shri C.P. Mittal (New Delhi)
Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio	(Calcutta)	Shri G. Narayanaswamy (Madras)
Shri K.G. Soman, Vice-President, Ex-officio	(New Delhi)	Shri M.G. Patel (Ahmedabad)
Shri R. Balakrishnan	(Madras)	Shri Laxminivas Sharma (Hyderabad)
Shri I.C. Jain	(Bombay)	Shri B.C. Malu } Co-opted (Calcutta)
Shri Y.M. Kale	(Bombay)	Shri M.M. Khanna (New Delhi)
Shri C.P. Mittal	(New Delhi)	Dr. N.K. Dhameja (Secretary to the Committee)
Shri N.C. Sundararajan	(Madras)	Board of Studies
Shri Y.H. Malegam } Co-opted	(Bombay)	Shri S.P. Chhajed, Chairman (Bombay)
Shri P.R. Khanna	(New Delhi)	Shri S. Nandagopal, Vice-Chairman (Madras)
Mrs. S. Achyutan	(Madras)	Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio (Calcutta)
Dr. Kamal Gupta (Secretary to the Committee)		

Shri A.K. Chakraborty	(Calcutta)	Shri K.G. Somani, Vice-President Ex-officio	(New Delhi)
Shri M.M. Chitale	(Bombay)	Shri S.P. Chhajed	(Bombay)
Shri Kanti Mehta	(Jamshedpur)	Shri A.H. Dalal	(Bombay)
Shri Anand Rathi	(Bombay)	Shri I.C. Jain	(Bombay)
Shri A. Roy Choudhary	(Calcutta)	Shri S. Nandagopal	(Madras)
Shri J.H. Shah	(Baroda)	Shri D.J. Bishwas	(Calcutta)
Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Board).		Shri Harish Gambhir	(New Delhi)
<b>Taxation Committee</b>			
Shri N.K. Poddar, Chairman	(Calcutta)	Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)	
Shri M.G. Patel, Vice-Chairman	(Ahmedabad)	<b>University Liaison Committee</b>	
Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio	(Calcutta)	Shri Laxminivas Sharma, Chairman	(Hyderabad)
Shri K.G. Somani, Vice-President, Ex-officio	(New Delhi)	Shri B.P. Rao, Vice-Chairman	(Bangalore)
Shri S. Nandagopal	(Madras)	Shri K.G. Somani, Vice-President, Ex-officio	(New Delhi)
Shri G. Narayanaswamy	(Madras)	Shri K.M. Aggarwal	(New Delhi)
Shri C.K. Tikku	(New Delhi)	Shri M.M. Chitale	(Bombay)
Shri S.C. Vasudeva	(New Delhi)	Shri I.C. Jain	(Bombay)
Shri T.S. Vishwanath	(New Delhi)	Shri G. Satyanarayana	(Scunderabad)
Shri V.C. Darak	(Bombay)	Shri S.N. Nanda	(New Delhi)
Shri T.D. Mundhra	(Calcutta)	Dr. N.K. Agarwal (Secretary to the Committee)	
Shri C.R.T. Verma (Secretary to the Committee)		<b>Ethical Standards Committee</b>	
<b>Company Law Committee</b>			
Shri T.S. Vishwanath, Chairman	(New Delhi)	Shri S. Nandagopal, Chairman	(Madras)
Shri Bhaskar Banerjee, Vice-Chairman	(Calcutta)	Shri A.K. Chakraborty, Vice-Chairman	(Calcutta)
Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio	(Calcutta)	Shri S.K. Dasgupta, President, Ex-officio	(Calcutta)
Shri K.G. Somani, Vice-President, Ex-officio	(New Delhi)	Shri K.G. Somani, Vice-President, Ex-officio	(New Delhi)
Shri K.M. Agarwal	(New Delhi)	Shri R.N. Bansal	(New Delhi)
Shri R.N. Bansal	(New Delhi)	Shri S.S. Bhandari	(Jaipur)
Shri A.H. Dalal	(Bombay)	Shri Y.M. Kale	(Bombay)
Shri G. Narayanaswamy	(Madras)	Shri Anand Rathi	(Bombay)
Dr. R.C. Vaish	(Kanpur)	Shri Ashok Kumbhar	(Madras)
Shri Pradeep Bhalla	(New Delhi)	Shri C.L. Jhanwar	(Jaipur)
Shri K. Ganesan	(Madras)	Shri G. Banerjee (Secretary to the Committee)	
Shri S.K. Chakraborty (Secretary to the Committee)		<b>Public Relations Committee</b>	
<b>International Affairs Committee</b>			
Shri S.K. Dasgupta, Chairman	(Calcutta)	Shri S.K. Dasgupta, Chairman	(Calcutta)
Shri K.G. Somani, Vice-Chairman	(New Delhi)	Shri K.G. Somani, Vice-Chairman	(New Delhi)
Shri R. Balakrishnan	(Madras)	Shri S.S. Bhandari	(Jaipur)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)	Shri Kanti Mehta	(Jamshedpur)
Shri A.H. Dalal	(Bombay)	Shri B.N. Raman	(Hyderabad)
Shri P.A. Nair	(Bombay)	Shri Laxminivas Sharma	(Hyderabad)
Shri A.C. Chakraborty	(Calcutta)	Shri Jagesh Desai	(New Delhi)
Shri B.L. Kabra	(Bombay)	Shri Subrata Basu	(New Delhi)
Dr. Kamal Gupta (Secretary to the Committee)		Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)	
<b>Expert Advisory Committee</b>			
Shri S.S. Bhandari, Chairman	(Jaipur)	<b>Committee on Unjustified Removal of Auditors</b>	
Shri G. Narayanaswamy, Vice-Chairman	(Madras)	Shri S.K. Dasgupta, Chairman	(Calcutta)
		Shri K.G. Somani, Vice-Chairman	(New Delhi)
		Shri R.N. Bansal	(New Delhi)

Shri A. Ghosh  
Shri C.P. Mittal  
Shri G.D. Khurana  
(Secretary to the Committee)

(Bombay)  
(New Delhi)

Shri N.K. Poddar  
Shri N.C. Sundararajan  
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

## Editorial Board

Shri S.K. Dasgupta, Editor-in-Chief  
Shri K.G. Somani, Jt. Editor  
Shri K.M. Agarwal  
Shri N.K. Poddar  
Shri B.P. Rao  
Shri Anand Rathi  
Shri Laxminivas Sharma  
Shri T.S. Vishwanath  
Shri R.C. Kapoor (Co-opted  
Shri C.S. Lahiri (J  
Shri R.L. Chopra  
(Secretary to the Board)

(Calcutta)  
(New Delhi)  
(New Delhi)  
(Calcutta)  
(Bangalore)  
(Bombay)  
(Hyderabad)  
(New Delhi)  
(New Delhi)  
(Calcutta)

## Details of the Seminars &amp; Courses organised by the C.P.E. Committee

Committee for Members in Industry  
Shri Anand Rathi, Chairman  
Shri Bhaskar Banerjee,  
Vice-Chairman  
Shri K.G. Somani, Vice-President,  
Ex-officio  
Shri R.N. Bansal  
Shri B.N. Raman  
Dr. R.C. Vaish  
Shri R.C. Agarwal  
Shri T.M.M. Nambiar (co-opted  
Shri K. Lakshamandas (J  
Dr. N.L. Dhameja  
Secretary to the Committee)

(Bombay)  
(Calcutta)  
(New Delhi)  
(New Delhi)  
(Hyderabad)  
(Kanpur)  
(Bombay)  
(Bombay)  
(Madras)

S. No.	Programme	Place	Date
1.	Course on "Financial Management and Management Accounting" in collaboration with the Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs.	New Delhi	5th to 16th October, 1987.
2.	Joint Professional development programme with ICWAI on Computers and Management Accounting.	Madras	7th & 8th Nov, 1987
3.	Seminar on Accounting Systems on Public Utilities and Non-Profit Making Institutions.	Calcutta	5th & 6th Dec. 1987.
4.	In-House Programme for Finance and Accounts Executives of Assam Electricity Board.	New Delhi	11th to 13th January, 1988.
5.	Seminar on Financial and Management and Management Control Systems for IAS officers.	New Delhi	18th to 19th February and 29th Feb. to 5th Mar. 1988
6.	Programme on Corporate Financial Management.	Kathmandu	20th to 24th May, 1988.
8.	Joint Programme with ICSI on Corporate Finance & Law.	Bangalore	11th & 12th June, 1988.

## ICAI-ICWAI Coordination Committee

Shri S.K. Dasgupta, Leader  
Shri K. G. Somani, Deputy Leader  
Shri R. Balakrishnan  
Shri A.K. Chakraborty  
Shri S. P. Chhajed  
Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

(Calcutta)  
(New Delhi)  
(Madras)  
(Calcutta)  
(Bombay)

## APPENDIX III

(Ref. Para 3.9(b) of the Report)

## Summary of the Results of Post Graduate Courses

## ICAI-ICSI Coordination Committee

Shri S.K. Dasgupta, Leader  
Shri K.G. Somani, Dy. Leader  
Shri M.G. Patel

(Calcutta)  
(New Delhi)  
(Ahmedabad)

	M.A.C. Part I Exam.	C.M. Part I Exam.	T.M. Part I Exam.
1. Both Groups Total Number of candidates appeared in Both Groups.	Nov. '87	Nov. '87	Nov. '87
	10	2	11

Passed in Both Groups	2	Nil	Nil
Percentage	20%	Nil	Nil
Passed in Group I only	2	Nil	6
Passed in Group II only	2	1	Nil
<b>2. Group I</b>			
Total number of candidates appeared in Group I only	18	Nil	5
Passed	5	Nil	3
Percentage	27.78%	Nil	60%
<b>3. Group II</b>			
Total Number of candidates appeared in Group II only	8	1	1
Passed	6	1	1
Percentage	75%	100%	100%

## APPENDIX IV

(Ref. Para 3.9(f) of the Report)

Summary of Computer Courses conducted by Bombay, Calcutta, Kanpur and Madras Computer Centres

(From 17th September, 1987 onwards to date)

Sl. No.	Name of Computer Centre	No. of Courses conducted	No. of Members Trained	No. of Students Trained and Non-Members Trained
1.	Bombay	13	230	98
2.	Calcutta	16	80	288
3.	Kanpur	6	23	74
4.	Madras	17	126	179
	<b>Total</b>	<b>52</b>	<b>459</b>	<b>639</b>

## APPENDIX V

(Ref. Para 3.12(c) of the Report)

List of Universities and the Association of Indian Universities which have accorded recognition to Chartered Accountants for enrolment as Research Scholars for the award of Ph.D. Degree.

Sl. No.	Name of the University/Association
	Association of Indian Universities New Delhi.
1.	Alagappa University, Alagappa Nagar, Karaikudi.
2.	Aligarh Muslim University, Aligarh (U.P.).
3.	Baroras Hindu University, Varanasi (U.P.).
4.	Bangalore University, Bangalore.
5.	Bharathidasan University, Tiruchirappalli.
6.	Bombay University, Bombay.
7.	Calicut University, Calicut.
8.	Gujarat University, Ahmedabad.
9.	Himachal Pradesh University, Simla.

10. Kanpur University, Kanpur (U.P.).
11. Kerala University, Trivandrum (Kerala).
12. Lucknow University, Lucknow (U.P.).
13. M.S. University of Baroda, Baroda.
14. Mahatma Dayanand University, Rohtak.
15. Mangalore University, Light House Hill, Mangalore.
16. Marathwada University, Aurangabad.
17. Meerut University, Meerut (U.P.).
18. Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.
19. Mysore University, Mysore.
20. Osmania University, Hyderabad (A.P.).
21. Poona University, Pune (Maharashtra).
22. Panjab University, Chandigarh.
23. Panjab University, Patiala.
24. Ranchi University, Ranchi.
25. Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar (Gujarat).
26. Saurashtra University, Rajkot (Gujarat).
27. Shivaji University, Kolhapur (Maharashtra).
28. Sri Venkateshwara University, Tirupati.
29. Vikram University, Ujjain (M.P.).
30. Agra University, Agra.
31. Kurukshetra University, Kurukshetra.

## APPENDIX VI

(Ref. Para 4.8 of the Report)

Representatives of the Institute or outside bodies

Name of the Body	Name of the Representative
1. General Council of the Institute of Applied Manpower Research.	Shri S.K. Dasgupta
2. Informal Advisory Committee of the Department of Company Affairs on matters relating to Cost Accounting Record Rules.	Dr. R.C. Valsaraj
3. National Productivity Council.	Shri K.G. Somani
4. Farm Accounts Sectional Committee AFDC 49 of the Indian Standards Institution.	Shri S.P. Chhajed
5. Central Advisory Committee of Direct Taxes.	Shri S.K. Dasgupta
6. All India Board of Management Studies.	Shri R. Balakrishnan
7. UGC Panel on Commerce Education.	Laxminarayana Sharma
8. Council of International Federation of Accountants (IFAC).	Shri A.C. Chakrabortty
9. International Auditing Practices Committee of IFAC.	Shri R. Balakrishnan
10. Education Committee of IFAC.	Shri P.A. Nair
11. South Asian Federation of Accountants.	Shri R. Balakrishnan
12. IASC Steering Committee on "Disclosure in Financial Statements of Banks"	Shri P.A. Nair

## APPENDIX VII

(Ref. Para 4.11 of the Report)

## I. NAMES OF THE MEMBERS WHO HAVE BEEN ELECTED TO THE FOURTEENTH COUNCIL OF THE INSTITUTE

Constituency comprising the States of Gujarat, Maharashtra and Goa and the Union Territories of Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli.

1. Shri Chhajed, Sohanraj Pukhrajji
2. Shri Chitale, Mukund Manohar
3. Shri Dalal, Arvind Hermukhrai
4. Shri Jain, Inder Chand
5. Shri Kale, Yashodhan Madhusudan
6. Shri Patel, Ramubhai Shankerlal
7. Shri Rathi, Anand Kishore
8. Shri Sarda, Narendra Pansukhlal

Constituency comprising the States of Andhra Pradesh, Kerala, Karnataka and Tamil Nadu and the Union Territories of Pondicherry and the Lakshadweep Islands.

1. Shri Laxminivas Sharma
2. Shri Nandagopal, S.
3. Shri Pottokaran, Jose
4. Shri Rao, B.P.
5. Shri Sundararajan, Nallan Chakravarthy
6. Shri Upadhyaya, P.P. Gururaja

Constituency comprising the States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Orissa, West Bengal, Manipur, Tripura, Sikkim, Arunachal Pradesh and Mizoram and the Union Territory of Andaman & Nicobar Islands.

1. Shri Banerjee, Bhaskar
2. Shri Chakraborty, Amal Kumar
3. Shri Poddar, Nirmal Kumar
4. Shri Singh, Mohan Lal

Constituency comprising the States of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Rajasthan.

1. Shri Bhandari, Surendra Singh
2. Shri Gupta, Nripendra Kumar

Constituency comprising the States of Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir and Punjab and the Union Territories of Delhi and Chandigarh.

1. Shri Agarwal, K.M.
2. Shri Gupta, N.D.
3. Shri Soman, Kishan Gopal
4. Shri Vasudeva, Subhash Chander

## II. NAMES OF THE MEMBERS WHO HAVE BEEN ELECTED TO THIRTEENTH REGIONAL COUNCILS OF THE INSTITUTE

## WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Gujarat, Maharashtra and Goa and the Union Territories of Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli)

1. Shri Chandak, Ashok Kumar Kishan Gopalji
2. Shri Chokshi, Rajnikant Shantilal

3. Shri Dangl, Lalit Kumar
4. Mrs. Doshi, Bhavana Gautam
5. Shri Ghatali, Pankaj Chimanlal
6. Shri Goyal, Govind Prasad
7. Shri Jain, Kailash Chand
8. Shri Joshi, Pradeep Dinkar
9. Shri Khare, Sudhir Gopal
10. Shri Mehta, Sanjay Samir
11. Shri Patchirar, Rupin Ramshchandra
12. Shri Rathi, Juralkishor Shrinivasji
13. Shri Sarda, Brijmohan Lal Chand
14. Shri Shah, Chandrakant Ratilal
15. Shri Shah, Dilip Kumar Vadilal
16. Shri Shah, Kaushik Dhirajlal

## SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Andhra Pradesh, Kerala, Karnataka and Tamil Nadu and the Union Territories of Pondicherry and the Lakshadweep Islands.)

1. Shri Arjunaraj, A.
2. Shri Harish Kumar Shetty
3. Shri Joseph, M.C.
4. Shri Koteswara Rao, S.S.R.
5. Shri Natanagopal, S.
6. Shri Nityananda, N.
7. Miss Priya Kumbhat
8. Shri Rama Subramanian, K.N.
9. Shri Sreenivasan, R.
10. Shri Subba Rao, Garre
11. Shri Vadlamani, Venkata Subrahmanyam Revi
12. Shri Vijayaraghavan, S.

## EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Orissa, West Bengal, Manipur, Tripura, Sikkim, Arunachal Pradesh and Mizoram and the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands.)

1. Shri Das, Amarendra Nath
2. Shri Ghosh, Subrata
3. Shri Gupta, Hari Ram
4. Shri Khandelwal, Kashi Prasad
5. Shri Khanna, Rajesh Kumar
6. Shri Roy Choudhury, Sandip Kumar
7. Shri Sengupta, Tapan Kanti

## CENTRAL INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Rajasthan.)

1. Shri Agarwal Mittal, Radha Krishan
2. Shri Bhandari, Ramesh Chand
3. Shri Bhargava, Sunil Kumar
4. Shri Gujrati, Badeo Das
5. Shri Kasera, Rajesh

## NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

(The States of Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir and Punjab and the Union Territories of Delhi and Chandigarh.)

1. Shri Anil Peshawari
2. Shri Chadha, Manu
3. Shri Chopra, Amarjit

3. Shri Chopra,
4. Shri Dugar, Ramesh
5. Shri Galati, Sunil Kumar
6. Shri Gupta, Deepak Kumar
7. Shri Jain, Vinay Kumar
8. Shri Vij, Manohar Lal

## APPENDIX VIII

(Ref. Para 1 of the Report)

Statistics—Members as on 1-4-1938

FELLOWS	IN FULL TIME PRACTICE	12,985
	IN PART TIME PRACTICE	1,742
	NOT IN PRACTICE	1,326

16,053

ASSOCIATES	IN FULL TIME PRACTICE	15,286
	IN PART TIME PRACTICE	6,218
	NOT IN PRACTICE	11,767

33,271

49,324

## FELLOWS

## ASSOCIATES

## IN PRACTICE

## IN PRACTICE

Region	In Full time practice	In part time practice	Not in practice	Total of Col. 2,3&4	In Full time practice	In part time practice	Not in practice	Total of Col. 6,7&8	Grand total of Col. 5 & 6
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
I	4,089	665	380	5,134	5,150	3,121	3,263	11,534	16,658
II	3,184	367	360	3,911	3,196	1,223	4,184	8,603	12,514
III	1,872	221	252	2,345	1,526	635	2,138	4,299	6,644
IV	1,290	187	113	1,590	1,755	401	851	3,007	4,597
V	2,550	302	221	3,073	3,659	838	1,331	5,828	8,901
	12,985	1,742	1,326	16,053	15,286	6,218	11,767	33,271	49,324

## APPENDIX IX

(Ref. Para 5.2(b) of the Report)

Statement of removal of names from the Register of Members on account of death during the year 1987-88

S. No.	Name of the Member	Date	1	2	3	4
1	2	3	4			
1. 130	Shri Nallam Chakravarthi Rajan, Coimbatore	14-4-87	39.	4544	Shri S.C. Gaur, Vikrampur	9-8-87
2. 190	Shri K.P. Soni, New Delhi	17-1-87	40.	4812	Shri J.K. Ghosh, Calcutta	2-12-86
3. 296	Shri N.I. Ganapathy, Madras	12-1-87	41.	5239	Shri R.M. Guha, Calcutta	9-3-87
4. 310	Shri N. Sankaran, Madras	21-6-87	42.	6194	Shri M.M. Doshi, Bombay	9-5-87
5. 546	Shri D.J. Jesavala, Bombay	1-7-87	43.	6473	Shri K. Gopal, Madras	10-4-87
6. 561	Shri G.T. Khare, Bombay	2-8-87	44.	6736	Shri T.S. Parasuraman, Atul	8-4-85
7. 631	Shri K.S. Gadre, Pune	11-5-87	45.	7376	Shri B.R. Hegde, Bombay	3-11-86
8. 643	Shri J.B. Madan, Calcutta		46.	8375	Shri J.K. Hajra, Calcutta	14-9-87
9. 670	Shri P. Natarajan, Salem	17-12-87	47.	8903	Shri C.G. Rajagopal, Palghat	16-9-87
10. 723	Shri K.C. Khanna, New Delhi	20-2-88	48.	8969	Shri R.K. Das, Cochin	26-1-88
11. 734	Shri P.V. Subba Raju, Machilipatnam	3-9-87	49.	9136	Shri V.S. Gopal, Gangtok	5-12-86
12. 763	Shri J.S. Lodha, Calcutta	17-2-88	50.	9740	Shri D.D. Rath, Bombay	18-11-85
13. 847	Shri P.K. Mody, Bombay	3-1-88	51.	9753	Shri R.K. Sharma, Jalandhar	6-1-88
14. 859	Shri B.N. Mitra, Calcutta	6-1-88	52.	9808	Shri Kalipada Shaha, Calcutta	28-4-85
15. 1026	Shri M.M. Hardikar, Bombay	24-8-87	53.	10133	Shri B.K. Jatania, Calcutta	14-10-87
16. 1060	Shri Barjore Pherozeshah, Bombay	16-11-86	54.	10238	Shri H.B. Vyas, Bombay	16-2-87
17. 1133	Shri P.K. Mukherjee, Calcutta	27-7-87	55.	10325	Shri S.K. Iyenga, Ernakulam	18-7-87
18. 1166	Shri Amitava Roy, Calcutta	23-8-86	56.	10662	Shri M. Rathinam, Katur	17-1-87
19. 14271	Shri M.D. Pandit, Rajkot	16-1-87	57.	10999	Shri A.K. Subramanian, Bangalore	13-2-87
20. 1883	Shri W.D. Madhokar, Bombay	25-3-87	58.	12046	Shri M.L. Shah, Calcutta	26-12-87
21. 1971	Shri S.S. Iyer, Kottayam	14-7-87	59.	13319	Shri P.K. Ray, Calcutta	13-4-86
22. 2041	Shri R.H. Patwardhan, Solapur	25-11-86	60.	13904	Shri R. Ratnabapathy, Madras	21-9-87
23. 2559	Shri S. Venkatasubrahmanyam, Madurai	26-1-88	61.	14264	Shri R.N. Gupta, New Delhi	27-4-87
24. 2622	Shri T.K. Mallinathan, Madras	22-10-87	62.	16964	Shri G.V. Nadkarni, Delhi	22-10-87
25. 2658	Shri C.J. Sripadaraj, Bangalore	14-6-86	63.	17629	Shri V.D. Suri, New Delhi	31-8-87
26. 2906	Shri M.P. Puri, New Delhi	28-6-87	64.	17805	Shri R.M. Bhuwaria, Bombay	17-12-86
27. 2984	Shri K. Mehrotra, Kanpur	29-7-87	65.	17930	Shri S.M. Rajgopal, Bombay	30-5-86
28. 3110	Shri N.D. Joshi, Nasik City	25-10-87	66.	18038	Shri P.M. Sevag, Madras	2-5-87
29. 3157	Shri R. Anupji Rao, Hyderabad	2-12-87	67.	19856	Shri S. Raghuramamurthy, Gantur	13-12-87
30. 3220	Shri A. Ganguli, Calcutta	13-9-87	68.	25385	Shri V.R. Sath, Kakinada	25-8-87
31. 3243	Shri S. Roy, Calcutta	8-3-87	69.	25409	Mrs. Shyamala Sankara Narayanan, Madras	12-7-87
32. 3531	Shri V.M. Desai, Bombay	15-3-87	70.	25624	Shri V. Kumar, Madras	10-1-88
33. 363	Shri M.M. Lakhwala, Surat	29-9-87	71.	30351	Shri D.N. Dalal, Bombay	23-5-87
34. 3750	Shri R.N. Prasad, Patna	9-10-85	72.	31085	Shri A.S. Priyolkar, Bombay	23-4-85
35. 3947	Shri P.R. Singhi, Bangalore	12-7-87	73.	32101	Shri P.G. Morthy, Rasipuram	22-7-87
36. 4004	Shri B.L. Kucherla, Bombay	26-4-87	74.	33687	Miss A.P. Shah, Bombay	1-2-87
37. 4106	Shri B. Mallibaryulu, Bangalore	26-5-86	75.	34307	Shri B.B. Patel, Gandhinagar	31-1-88
38. 4289	Shri V. Balaboteswara Rao, Hyderabad	7-3-87	76.	51511	Shri S. Biswas, Calcutta	17-8-87
			77.	52333	Shri Bhasker Rao, Calcutta	14-6-87
			78.	70338	Shri A.B. Kiyawat, Bombay	3-6-84
			79.	72113	Shri G.D. Agarwal, Jaipur	25-1-88
			80.	72127	Shri P.C. Patel, Kota	26-6-86
			81.	81238	Shri C.R.V. Venkateshwara, Bangalore	11-8-87
			82.	812349	Shri R.L. Kotadia, Madras	24-2-88
			83.	81443	Shri Arvind Chowdhary, Jammu	3-7-87

1	2	3	4
84.	82243	Shri L.K. Khanna, Delhi	27-4-87
85.	82359	Shri A.N. Vijaya Kumar, Trichur	2-9-86
86.	82823	Shri N.K. Sood, New Delhi	17-4-87
87.	85904	Shri V.K. Arora, New Delhi	14-6-87

## APPENDIX X

(Ref. Para 6.4(a) of the Report)

## Details of enrolments of students

	Inter	Final
No. of candidates who were enrolled on 1-4-1987	30748	15392
Enrolled during the year 1987-88	12753	4931
	43501	20343
No. of students who completed tuition for intermediate courses/have passed final examination in the year 1987-88 (May, 1987 and November, 1987)	—9201	—5983
	34300	14360

## APPENDIX XI

(Ref. Para 7.1 of the Report)

## SUMMARY OF RESULTS—May, 1987

## ENTRANCE

Total No. of candidates appeared	2009
No. of candidates declared successful	263
Percentage	13.0%

## INTERMEDIATE EXAMINATION

## Total No. of candidates appeared in Group I

Group I	12427
No. of candidates declared successful in Group I	3076
Percentage	24.75
Total No. of candidates appeared in Group II	12334
No. of candidates declared successful in Group II	3289
Percentage	26.67
Total No. of candidates appeared in Both Groups	4653
No. of candidates declared successful in Both Groups	626
Percentage	13.45

## FINAL EXAMINATION

Total No. of candidates appeared in Group I	7827
No. of candidates declared successful in Group I	2326
Percentage	29.71
Total No. of candidates appeared in Group II	7131
No. of candidates declared successful in Group II	2557
Percentage	35.85
Total No. of candidates appeared in Both Groups	3594
No. of candidates declared successful in Both Groups	631
Percentage	17.55

## SUMMARY OF RESULTS—NOVEMBER, 1987

## ENTRANCE

Total No. of candidates appeared	3370
No. of candidates declared successful	287
Percentage	8.52%

## INTERMEDIATE EXAMINATION

Total No. of candidates appeared in Group I	14772
No. of candidates declared successful in Group I	1665
Percentage	11.27
Total No. of candidates appeared in Group II	12778
No. of candidates declared successful in Group II	1595
Percentage	12.48
Total No. of candidates appeared in Both Groups	5436
No. of candidates declared successful in Both Groups	399
Percentage	7.4

## FINAL EXAMINATION

Total No. of candidates appeared in Group I	4668
No. of candidates declared successful in Group I	2295
Percentage	49.16
Total No. of candidates appeared in Group II	3651
No. of candidates declared successful in Group II	2303
Percentage	63.07
Total No. of candidates appeared in Both Groups	3736
No. of candidates declared successful in Both Groups	612
Percentage	16.38

## APPENDIX XII

(Ref. Para 7.3 of the Report)

## PRIZE WINNERS

## FINAL EXAMINATION: MAY 1987

The following candidates will be awarded certificates of merit:

Rank Roll No. Name

I	1410	SANJAY KUMAR DAGA
II	8875	(Total 558 marks out of 800).
		NIRMAL CHANDRA BHANWARLAL JAISI (Total 549 marks out of 800).

III 4255 S. RAJAGOPALAN

(Total 544 marks out of 800).

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410.
2. The Ramachandra Singh Prize for the best candidate will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410.
3. The Jayantilal K. Thakkar Memorial Prize for the candidate who secured the second highest marks will be awarded to NIRMAL CHANDRA BHANWARLAL JAIN, Roll No. 8875 (549 marks out of 800).
4. The R. Sivabhogam Prize for the best lady candidate will be awarded to MISS KINSUKA NARSIMHAN, Roll No. 4223 (536 marks out of 800).
5. The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410 (296 marks out of 400).
6. The P.N. Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II will be awarded to AGARWAL SUBODH ANAND, Roll No. 8936 (304 marks out of 400).
7. The Sir Shapoorji Billimoria Prize for the best papers on Accountancy (Papers 1 & 2) will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410 (153 marks out of 200).
8. The J.K. Doshi Prize for the highest marks in the paper on Management Accounting will be awarded to MISS BINA SHERMAN Roll No. 7746 (87 marks out of 100).
9. The A.F. Ferguson Prize and the R. Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing will be awarded to JALAN SUBASHCHANDRA RAMNIRANJAN, Roll No. 8833 (71 marks out of 100).
10. The Sukh Nandan Gupta Kapoor Devi Prize to the lady candidate who secured the highest marks in the Paper on Auditing will be awarded to MISS KINSUKA NARSIMHAN, Roll No. 4223 and MISS NAVREKAR SUJATA MADAN, Roll No. 9718 (60 marks out of 100).
11. The U.C. Majumdar Prize and the S.M. Shah Prize for the best paper on Company Law will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410 and S. Rajagopalan, Roll No. 4255 (78 marks out of 100).
12. The N.M. Shah Prize, Suri Memorial Prize and A.J. Shah—Anita Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws will be awarded to SANJAY KUMAR DABA, Roll No. 1410 and MANISH DALAL, Roll No. 7745 (80 marks out of 100).
13. The Venkatachalam Mohan Prize for the best paper on Managerial Economics and National Accounting will be awarded to SUNIL C. GANDHI, Roll No. 9302 (72 marks out of 100).
14. The T.R. Ghadha Prize for the best paper on Systems Analysis & Data Processing will be awarded to RAMESH VENKAT, Roll No. 8125 (86 marks out of 100).
15. The R.V.K. Umarjee Prize for the best paper on Cost Accounting will be awarded to MISS MAHALAKSHMI RENGANATHAN, Roll No. 8114 (85 marks out of 100).

16. The K.C. Khanna Prize for best paper on Advanced Accounting (Paper I) will be awarded to PAVAN KUMAR Logar, Roll No. 1418 (79 marks out of 100).

#### INTERMEDIATE EXAMINATION—MAY, 1987

The following candidates will be awarded certificates of merit:

Rank	Roll No.	Name
I	17308	MISS GEETA DEVCHAND PARMAR (Total 508 marks out of 700).
II	17321	SUNIL YESHWANT SAPRE (Total 490 marks out of 700).
III	9318	BHAWANI SHANKAR RATHI (Total 486 marks out of 700).

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to MISS GEETA DEVCHAND PARMAR, Roll No. 17308.
2. Prof. T.S. Groval Award for the best paper on Accountancy will be awarded to SUNIL YESHWANT SAPRE, Roll No. 17321, (85 marks out of 100).
3. The Dinesh Himatilal Shah Prize and the K.C. Khanna Prize for the best paper on Auditing will be awarded to V.L. MONY, Roll No. 7411 (79 marks out of 100).
4. The Suresh C. Mathur Prize for the best paper on Mercantile Law, Company Law and Industrial Law will be awarded to PHATNANI SUNIL VASUDEV, Roll No. 17673 (76 marks out of 100).

#### FINAL EXAMINATION—NOVEMBER, 1987

The following candidates will be awarded certificates of merit:

Rank	Roll No.	Name
I	12404	BHARATH KRISHNA SANKAR (570 marks out of 800)
II	2037	PIYUSH V. GOYAL (565 marks out of 800)
III	1609	MISS SADHANA SHARADCHANDRA DESAI (554 marks out of 800)

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to Bharath Krishna Sankar, Roll No. 12404.
2. The Ramachandra Singh Prize for the best candidate will be awarded to Bharath Krishna Sankar, Roll No. 12404.
3. The Jayantilal K. Thakkar Memorial Prize for the candidate who secures the second highest marks will be awarded to Piyush V. Goyal, Roll No. 2037.
4. The R. Sivabhogam Prize for the best lady candidate will be awarded to Miss Desai Sadhana Sharadchandra, Roll No. 1609.
5. The G. Basu Foundation award for the best student of the year 1987 will be awarded to Bharath Krishna Sankar, Roll No. 12404, November, 1987 Examination. (570 marks out of 800),
6. The N.N. Das Prize for the best student of the year 1987 in Group I will be awarded to Sanjay Kumar Daga, Roll No. 1410 May, 1987 Examination (296 marks out of 400).

7. The Kerala Verma Memorial Prize for the best candidate in Group I will be awarded to Bharath Krishna Sankar, Roll No. 12404 (288 marks out of 400).

8. The P.N. Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II will be awarded to Piyush V. Goyal, Roll No. 2037 (303 marks out of 400).

9. The Sir Shapoorji Billimoria Prize for the best paper on Accountancy (Papers 1 & 2) will be awarded to Pathare Parag Diwakar, Roll No. 2755 (168 marks out of 100).

10. The K.C. Khanna Prize for best paper on Advance Accounting (paper 1) will be awarded to Pathare Parag Diwakar, Roll No. 2755 (86 marks out of 100).

11. The J.K. Doshi Prize for the highest marks in the paper on Management Accounting will be awarded to Bharath Krishna Sankar, Roll No. 12404 (83 marks out of 100).

12. The A.F. Ferguson Prize and the R. Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Ajay Maggo, Roll No. 6006 and T.K. Balakrishnan, Roll No. 9427, (73 marks out of 100).

13. The Sukh Nandan Gupta Kapoori Devi Prize to the lady candidate who secures the highest Marks in the paper on Auditing will be awarded to Miss Vinita Fabian Serrao Roll No. 1500 Miss Anjali Krishna Damle Roll No. 2815 and Miss Valdyaa Bhagyashri Shrinivas Roll No. 2820 (66 marks out of 100).

14. The U.C. Majumdar Prize and the S.M. Shah Prize for the best paper on Company Law will be awarded to Harish Radhakrishnan Roll No. 1975 (73 marks out of 100).

15. The N.M. Shah Prize Suri Memorial Prize and A.J. Shah—Amita Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws will be awarded to Piyush V. Goyal, Roll No. 203 (75 marks out of 100).

16. The Venkatachalam Mohan Prize for the best paper on Managerial Economics and National Accounting will be awarded to Miss T.S. Gita Roll No. 10890 (78 marks out of 100).

17. The T.R. Chadha Prize for the best paper on System Analysis & Data Processing will be awarded to Maulik G. Sharedalal, Roll No. 1514 (78 marks out of 100).

18. The R.V.K. Umarjee Prize for the best paper on Cost Accounting will be awarded to Sanjay Tainwala, Roll No. 8001 (84 marks out of 100).

**INTERMEDIATE EXAMINATION—NOVEMBER 1987**

The following candidates will be awarded certificates of merit:—

Rank	Roll No.	Name
I	18176	ROHAN V. PALEKAR (566 marks out of 700)
II	2679	S.V. ESWAR (533 marks out of 700)
III	12591	MISS POONAM MODI (448 marks out of 700)

1. The G.P. Kapadia First President Prize will be awarded to Rohan V. Palekar Roll No. 18176.
2. The Suri Memorial Prize for the best student of year 1987 will be awarded to Rohan V. Palekar Roll No. 18176 November 1987 Examination. (566 marks out of 700).
3. Prof. T.S. Grewal Award for the best paper on Accountancy will be awarded to Rohan V. Palekar, Roll No. 18176 (99 marks out of 100).
4. The Dinesh Himatia Shah Prize and the K.C. Khanna Prize for the best paper on Auditing will be awarded to Kapil Kailash Chand Jain, Roll No. 18157 (78 marks out of 100).
5. The Suresh C. Mathur Prize for the best paper on Mercantile Law, Company Law & Industrial Law will be awarded to H. Nemkumar, Roll 6570 (74 marks out of 100).

## AUDITORS' REPORT

We have audited the Balance Sheet of the Institute of Chartered Accountants of India, as at 31st March, 1988 and also the annexed Income & Expenditure Account for the year ended on that date incorporating the accounts of the Institute's offices, Regional Councils and their Branches and Students' Associations and their Branches audited by other auditors and report that :—

1. We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
2. The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account dealt with by the report are in agreement with the books of accounts;
3. In our opinion, the accounts are maintained in conformity with the requirements of the Chartered Accountants Act, 1949; and
4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements together with the schedules attached and read with notes give a true and fair view;
  - (i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at March 31, 1988; and
  - (ii) in the case of the Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

New Delhi.

Dated : 7th September, 1988

**C.P. Mehra**  
Chartered Accountant

**M.R. Venkataraman**  
Chartered Accountant

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI**  
Accounting Policies

1. The admission fee from fellow members and a major portion of the entrance fee from associate members are capitalised. An appropriate portion of the surplus arising out of students' activities is transferred to Education Fund and to the extent this fund is utilised on fixed assets, transferred to Capital Reserve.
2. Provision for Gratuity to staff is made on accrual basis. A gratuity-cum-group insurance policy has been taken from the Life Insurance Corporation of India. Any shortfall in the payment of gratuity is debited in the year of payment.
3. Income & Expenditure from Seminars, Symposiums and Conferences held during the year and income from Journal subscription have been accounted for on cash basis.
4. Inventories of paper, publications and study materials are valued at lower of cost or not realisable value. For this purpose cost is ascertained on the basis of direct cost method.
5. Investments have been valued at cost.
6. Depreciation : Fixed assets are shown on historical cost basis and have been depreciated on the diminishing balance method. Library books at the Head Office have been depreciated on the straightline method.
7. Second Instalment of Students' Tuition Fee is accounted on receipt basis.

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI**  
**BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 1988**

	Schedule	31-3-1988	31-3-1987
	Rs.	Rs.	Rs.
<b>FUNDS EMPLOYED</b>			
1. Fixed Assets :			
Gross Block	3,27,20,745	2,60,21,507	
Less : Depreciation	1,18,21,958	99,65,156	
Net Block	(A)	2,08,98,787	1,60,56,351
2. Earmarked Investments	(B)	82,47,930	67,39,181
3. Other Investments :			
(a) Fixed Deposits with Banks	1,45,16,618	1,95,91,639	
(b) Bonds of Public Sector Undertakings	1,00,24,950	10,00,000	
(c) Units of UTI	3,00,160	2,48,41,728	3,00,160
4. Net Current Assets	(C)	30,25,069	2,08,91,799
<b>TOTAL</b>		<b>5,70,13,514</b>	<b>4,52,68,514</b>
<b>FINANCED BY :</b>			
1. Capital Reserve	(D)	2,83,80,633	2,31,99,951
2. General Reserve	(E)	1,81,51,937	1,33,94,063
3. Other Reserves	(F)	22,33,014	19,35,319
4. Earmarked Funds	(G)	82,47,930	67,39,181
<b>TOTAL</b>		<b>5,70,13,514</b>	<b>4,52,68,514</b>

**NOTES : FORMING PART OF THE ACCOUNTS AS AT MARCH 31, 1988 :**

- (1) Accounts of two Branches and two Students Associations have not been received and not incorporated. However grants & fees paid during the year have been accounted for. Further unaudited accounts of two Branches have been incorporated.
- (2) No provision for taxation has been considered necessary in view of pending request for exemption notification from Govt. under Section 10(23c) (iv) of the Income-tax Act, 1961 which was hitherto granted upto assessment year 1987-88.
- (3) Previous year's figures have been re-grouped and re-casted where necessary.

**P.C. JAIN**  
 Sr. Deputy Secretary

**R.L. CHOPRA**  
 Secretary

**S.K. DASGUPTA**  
 President

As per our Report of  
 even date attached

New Delhi  
 Dated : 7th Sept., 1988

**K.G. SOMANI**  
 Vice-President

**C.P. MEHRA**  
 Chartered Accountant

**M.R. VENKATARAMAN**  
 Chartered Accountant

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI**  
**INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1988**

	1987-88 Rs.	1986-87 Rs.
<b>I. INCOME—Schedule H</b>		
(a) Members	2,16,83,874	1,96,67,517
(b) Students	2,98,35,922	2,50,06,300
<b>TOTAL</b>	<b>5,15,19,796</b>	<b>4,46,73,817</b>
<b>II. EXPENDITURE—Schedule I</b>		
(a) Members	1,85,99,131	1,68,64,320
(b) Students	2,64,89,660	2,36,38,868
<b>TOTAL</b>	<b>4,50,88,791</b>	<b>4,05,03,188</b>
<b>III. Surplus for the year :</b>		
(i) Transferred to Education Fund—Schedule G	16,73,131	6,83,716
(ii) Transferred to General Reserve—Schedule E	47,57,874	34,86,913
<b>TOTAL</b>	<b>63,31,005</b>	<b>41,70,629</b>
<b>TOTAL</b>	<b>5,15,19,796</b>	<b>4,46,73,817</b>

P.C. JAIN  
Sr. Deputy Secretary

R.L. CHOPRA  
Secretary

S.K. DASGUPTA  
President

As per our Report of  
even date attached

New Delhi  
Dated : 7th Sept., 1988

K.G. SOMANI  
Vice-President

C.P. MEHRA  
Chartered Accountant

M.R. VENKATARAMANAN  
Chartered Accountant

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'A'—FIXED ASSETS

(Amounts in Rupees)

S. No.	Assets	GROSS BLOCK		DEPRECIATION		NET BLOCK	
		Cost as at 1-4-1987	Adjustments/Transfers	Additions during the year	Cost as at 31-3-1988	Depreciation as at 31-3-1988	Book value as at 31-3-1988
1. Land	11,10,540	—	—	12,75,215	23,85,755	—	23,85,755
2. Buildings	1,01,63,177	36,700	—	31,61,585	1,33,61,462	28,27,739	1,05,33,723
3. Buildings (Work-in-progress)	5,10,564	(3,51,147)	—	3,79,265	5,38,682	—	5,38,682
4. Electric Installations & Fittings	17,19,139	42,481	—	65,270	18,26,890	10,09,261	8,17,629
5. Air Conditioning Installations	18,31,440	(42,481)	—	96,914	18,83,873	11,93,344	6,92,529
6. Furniture & Fixtures	42,98,275	(25,945)	—	4,70,288	47,42,618	20,50,266	26,92,352
7. Lifts	3,09,912	—	—	—	3,09,912	1,90,202	1,19,710
8. Office Equipments	16,81,496	(2,818)	—	2,03,084	18,81,762	11,01,131	7,80,631
9. Vehicle	76,985	(76,985)	—	1,06,823	1,06,823	21,365	85,458
10. Library	38,82,189	28,493	—	5,39,468	44,50,150	31,03,804	13,46,346
11. Computers	4,37,790	(83,000)	—	8,76,028	12,30,818	3,24,846	9,05,972
<b>TOTAL</b>	<b>2,60,21,507</b>	<b>(4,74,702)</b>	<b>—</b>	<b>71,73,940</b>	<b>3,27,20,745</b>	<b>1,18,21,958</b>	<b>2,08,98,787</b>
Previous year figures	2,28,17,981	(3,72,762)	—	35,76,288	2,60,21,507	99,65,156	1,60,56,351

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'B'—EARMARKED INVESTMENTS

(Amounts in Rupees)

		Fixed Deposits with Banks		Balance in Schedule Bank Accounts		Total	
		31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987
(A) Education Fund Investments							
	Total (A)	46,75,353	34,47,709	—	—	46,75,353	34,47,709
(B) Other Earmarked Investments :							
(a) Research Fund		6,80,250	6,80,250	—	—	6,80,250	6,80,250
(b) Medals & Prizes Funds		3,88,821	3,16,528	86,716	86,345	4,75,537	4,02,873
(c) Scientific Research Fund		2,28,682	2,28,682	—	—	2,28,682	2,28,682
(d) Others		17,09,516	19,20,352	4,78,592	59,315	21,88,108	19,79,667
	Total (B)	30,07,269	31,45,812	5,65,308	1,45,660	35,72,577	32,91,472
	Grant Total (A) + (B)	76,82,622	65,93,521	5,65,308	1,45,660	82,47,930	67,39,181

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'C' — NET CURRENT ASSETS

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1988	31-3-1987
<b>Current Assets :</b>		
(a) Publications, Study Materials & Stationery	41,90,526	
(b) Amounts Receivable :		
(i) Interest Accrued on Investments	16,38,250	12,10,400
(ii) Interest on Housing & Vehicle Loans	9,57,716	8,08,239
(iii) Others	23,50,763	20,34,837
	<hr/>	<hr/>
(c) Loans & Advances :		
(i) Advances to Staff :		
Housing & Vehicles Loans	47,31,387	39,74,909
Others	2,23,278	2,11,936
	<hr/>	<hr/>
(ii) Loans Scholarships to Students	33,259	46,019
(iii) Others	26,46,113	19,19,544
	<hr/>	<hr/>
(d) Cash & Bank Balances	75,71,389	49,63,905
	<hr/>	<hr/>
<b>TOTAL</b>	<b>2,43,42,681</b>	<b>1,86,39,149</b>
<b>Less Current Liabilities :</b>		
(a) Fees received in advance	1,40,06,552	1,07,65,518
(b) Creditors for expenses	51,27,013	44,82,473
(c) Other Liabilities	21,84,047	18,09,975
	<hr/>	<hr/>
<b>TOTAL</b>	<b>2,13,17,612</b>	<b>1,70,57,966</b>
<b>Net Current Assets</b>	<b>30,25,069</b>	<b>15,81,183</b>

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'D'—CAPITAL RESERVE

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1988	31-3-1987
<b>(A) General :</b>		
Balance as per last account	1,75,53,324	1,54,34,434
Add: Admission Fees & Allocated Entrance Fee	12,34,400	12,00,920
Add: Donations received for Branch Buildings	30,28,282	9,17,97
<b>TOTAL (A) :</b>	<b>2,18,46,006</b>	<b>1,75,53,324</b>
<b>(B) Education :</b>		
Balance as per last account	56,46,627	52,96,627
Add: Transfer from Education Fund	9,88,000	3,50,000
<b>TOTAL (B) :</b>	<b>65,34,627</b>	<b>56,46,627</b>
<b>GRAND TOTAL (A) + (B)</b>	<b>2,83,80,633</b>	<b>2,31,99,951</b>

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'E'—GENERAL RESERVE

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1988	31-3-1987
Balance as per last account	1,33,94,063	99,07,150
Surplus transferred from		
Income & Expenditure Account	47,57,874	34,86,913
<b>TOTAL :</b>	<b>1,81,51,937</b>	<b>1,33,94,063</b>

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'F'—OTHER RESERVES

(Amounts in Rupees)

Particulars	31-3-1988	31-3-1987
Balance as per last account	19,35,319	17,04,385
Add : Net Accretion/Adjustments during the year	3,76,183	3,62,068
Less : Transferred to Earmarked Funds	23,11,502	20,66,471
	(—)78,488	(—)1,31,12
<b>TOTAL :</b>	<b>22,33,014</b>	<b>19,35,319</b>

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## SCHEDULE 'G'—EARMARKED FUNDS

(Amounts in Rupees)

Particulars	31.3.1988	31.3.1987
<b>(A) Education Fund :</b>		
Balance as per last account	34,47,709	28,64,653
Transferred from Income & Expenditure Account	16,73,131	6,83,716
Interest earned during the year	3,44,770	1,56,200
	<u>54,65,610</u>	<u>37,04,569</u>
Transferred to Capital Reserve	(—)8,88,000	(—)3,50,000
Adjustments	97,743	93,140
<b>TOTAL (A)</b>	<b>46,75,353</b>	<b>34,47,709</b>
<b>(B) Other Earmarked Funds :</b>		
(a) Research Fund	6,80,250	6,80,250
(b) Medals & Prizes Fund—Balance as per last account	4,02,873	3,28,76
Additions during the year	55,000	59,676
Income earned during the year	40,610	33,938
	<u>4,98,483</u>	<u>4,22,375</u>
Less : Cost of Medals & Prizes awarded	(—)22,946	(—)15,502
	<u>4,75,537</u>	<u>4,02,873</u>
(c) Scientific Research Fund—Balance as per last account	2,28,682	2,28,682
<b>(d) Others—</b>		
1. Balance as per last account	19,79,667	10,11,477
2. Additions during the year	3,47,764	7,13,690
3. Transferred from Other Reserves	78,488	1,31,152
4. Adjustments	(—)2,96,44	(—)6,000
Add: Income earned during the year	81,934	1,29,791
	<u>21,91,408</u>	<u>19,80,117</u>
Less : Expenditure during the year	(—)3,300	(—)450
	<u>21,88,108</u>	<u>19,79,667</u>
<b>TOTAL (B)</b>	<b>35,72,577</b>	<b>32,91,472</b>
<b>GRAND TOTAL (A)+(B)</b>	<b>82,47,930</b>	<b>67,39,181</b>

## SCHEDULE 'H'

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI  
 ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR  
 THE YEAR ENDED MARCH 31, 1988

(Amount in rupees)

	TOTAL		MEMBERS		STUDENTS			
			Regulatory		Professional Development & Research			
	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987
<b>I. INCOME</b>								
1. Entrance Fee (allocated)	4,84,400	4,70,300	4,84,400	4,70,300	—	—	—	—
2. Membership Fee	1,76,24,283	1,57,68,063	1,76,24,283	1,57,68,063	—	—	—	—
3. Post Graduate Course Fee	13,400	21,250	—	—	13,400	21,250	—	—
4. Students' Registration Fee	13,38,295	12,98,605	—	—	—	—	13,38,295	12,98,605
5. Students' Association Fee	1,27,530	1,07,870	—	—	—	—	1,27,530	1,07,870
6. Coaching Fee	1,23,04,188	89,72,232	—	—	—	—	1,23,04,188	89,72,232
7. Examination Fee	1,05,59,184	1,02,05,405	—	—	—	—	1,05,59,184	1,02,05,405
8. Journal & News Letter	7,69,612	4,60,681	—	—	—	—	7,69,612	4,60,681
9. Publications	40,82,724	39,77,843	—	—	14,98,144	16,94,258	25,84,580	22,83,585
10. Interest on Investments	1,74,458	1,74,007	—	—	1,04,561	1,04,058	69,897	69,949
11. Others	12,72,480	9,13,556	3,863	1,105	7,50,339	4,45,478	5,18,278	3,66,973
<b>SUB-TOTAL</b>	<b>4,89,50,554</b>	<b>4,23,70,012</b>	<b>1,81,12,546</b>	<b>1,62,39,668</b>	<b>23,66,444</b>	<b>23,65,044</b>	<b>2,84,71,564</b>	<b>2,37,65,30</b>
12. Income from General Fund Investments (Allocated)	23,94,966	21,70,417	11,49,584	9,98,392	—	—	12,45,382	11,72,025
<b>SUB-TOTAL</b>	<b>5,13,45,520</b>	<b>4,45,40,429</b>	<b>1,92,62,130</b>	<b>1,72,38,060</b>	<b>23,66,444</b>	<b>23,65,044</b>	<b>2,97,16,946</b>	<b>2,49,37,325</b>
13. Prior Period Adjustments	1,74,276	1,33,388	—	—	35,300	64,413	1,18,976	68,975
<b>TOTAL</b>	<b>5,15,19,796</b>	<b>4,46,73,817</b>	<b>1,92,62,130</b>	<b>1,72,38,060</b>	<b>24,21,744</b>	<b>24,29,457</b>	<b>29,98,35,922</b>	<b>2,50,06,300</b>

## SCHEDULE 'I'

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI  
 ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR  
 THE YEAR ENDED MARCH 31, 1988

(Amounts in Rupees)

	TOTAL		MEMBERS			STUDENTS		
			Regulatory		Professional Development & Research			
	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987	31-3-1988	31-3-1987
<b>II. EXPENDITURE:</b>								
1. Salaries & Staff Expenses	1,70,53,282	1,47,59,392	31,91,996	29,07,378	36,81,786	31,25,193	1,01,79,500	87,36,822
2. Printing & Stationery	12,77,002	12,30,560	1,94,123	1,33,453	6,15,178	6,14,182	4,67,701	4,82,925
3. Publications	16,87,184	19,71,839	3,49,799	4,73,861	4,13,863	6,40,393	9,23,532	8,57,585
4. Journal & News Letter	33,33,995	30,31,586	—	—	28,18,606	25,66,647	5,15,389	4,64,939
5. Coaching (Excluding Salaries & Staff Expenses)	33,73,103	31,10,145	—	—	—	—	33,73,103	31,10,145
6. Examination (Excluding Salaries & Staff Expenses)	64,42,197	58,01,311	—	—	—	—	64,42,197	58,01,311
7. Postage, Telegraphs & Telephones	16,19,994	14,17,591	3,41,554	3,11,783	5,31,887	4,39,627	7,46,553	6,66,181
8. Rent, Rates & Taxes	20,56,450	19,54,988	3,90,874	3,95,121	7,60,589	6,75,999	9,04,987	8,83,868
9. Repairs & Maintenance	8,03,732	6,15,105	1,76,430	1,23,832	2,49,938	2,13,666	3,77,364	2,77,607
10. Depreciation	19,29,645	14,90,976	4,82,412	3,72,744	4,82,412	3,72,744	9,64,821	7,45,488
11. Travelling & Conveyance :								
(a) Council Members	18,86,673	12,56,386	4,83,083	2,53,136	9,49,261	6,45,802	4,52,329	3,57,448
(b) Staff & Others	5,97,037	7,06,892	92,263	1,39,245	2,08,316	2,58,344	2,96,458	3,09,303
12. Library Maintenance	1,13,252	1,03,942	—	—	63,613	57,862	49,639	46,080
13. Overseas Relations	5,88,974	4,89,182	—	—	5,88,974	4,89,182	—	—
14. Professional Fees	2,31,008	2,57,793	47,778	1,03,324	93,941	87,052	89,289	67,417
15. Others	19,19,531	19,13,554	—	—	13,26,648	13,05,271	6,72,882	6,08,283
<b>SUB-TOTAL</b>	<b>4,49,93,059</b>	<b>4,01,11,242</b>	<b>37,52,312</b>	<b>33,13,877</b>	<b>1,27,85,012</b>	<b>1,14,91,963</b>	<b>2,64,55,735</b>	<b>2,34,05,402</b>
16. Prior Period Adjustments	95,732	3,91,946	13,213	21,825	48,594	1,36,655	33,925	2,33,466
<b>TOTAL</b>	<b>4,50,88,791</b>	<b>4,05,03,188</b>	<b>37,65,525</b>	<b>32,35,702</b>	<b>1,28,33,606</b>	<b>1,16,28,618</b>	<b>2,64,89,660</b>	<b>2,36,38,868</b>

## THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI

## ANALYSIS OF EXPENSES ON MEMBERS FOR THE YEAR 1987-88

Sl. No.	Particulars	1987-88		1986-87	
1.	(a) No. of Members		48,856		44,634
	(b) Total Expenditure*	Rs.	18,593	Rs.	16,864
2.	Total Expenditure per member	Rs.	381	Rs.	378
3.	Regulatory				
	(a) Total Expenditure*	Rs.	5,764	Rs.	5,236
	(b) Expenditure per member	Rs.	118	Rs.	117
	(c) Percentage		31%		31%
4.	Professional Development & Research				
	(a) Total Expenditure*	Rs.	12,834	Rs.	11,628
	(b) Expenditure per member	Rs.	263	Rs.	261
	(c) Percentage		69%		69%

\*Rupees in thousands.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI  
 STATEMENT OF CHANGES IN FINANCIAL POSITION FOR  
 THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1988

(Rupees in lakhs)

	1987-88		1986-87	
<b>SOURCES OF FUNDS :</b>				
Net Income from Investments (both on capital & revenue accounts)		30.14		26.46
Capital Receipts		48.73		33.42
Decrease in working capital		—		12.47
<b>SUB-TOTAL</b>		<b>78.87</b>		<b>72.33</b>
Surplus for the year without charging depreciation & considering non-operational income from investments		61.90		35.61
<b>TOTAL</b>		<b>140.77</b>		<b>107.96</b>
<b>APPLICATION OF FUNDS :</b>				
Increase in working capital		14.44		—
Acquisition of Fixed Assets		71.74		35.14
Acquisition of Investments		54.59		72.82
<b>TOTAL</b>		<b>140.77</b>		<b>107.96</b>

## STATEMENT OF CHANGE IN WORKING CAPITAL

(Rupees in lakhs)

	1987-88	1986-87
<b>CURRENT ASSETS :</b>		
(a) Publications, study materials & stationery etc.	07.21	05.35
(b) Amounts Receivable		
(i) Interest accrued on Investments	04.28	02.27
(ii) Interest on Housing Loans etc.	01.49	01.48
(iii) Others	03.16	(--)01.34
(c) Loans & Advances		
(i) Advances to staff	07.68	06.62
(ii) Loan Scholarships to Students	(--)00.13	(--)00.27
(iii) Others	07.27	10.87
(d) Cash & Bank Balances	26.80	(--)20.65
<b>TOTAL</b>	<b>57.04</b>	<b>04.33</b>
<b>CURRENT LIABILITIES :</b>		
(a) Fees received in advance	32.41	(--)00.23
(b) Creditors for expenses	05.45	14.54
(c) Other Liabilities	03.74	02.49
<b>TOTAL</b>	<b>42.60</b>	<b>16.80</b>
<b>Net Increase/Decrease in working capital</b>	<b>14.44</b>	<b>(--)12.47</b>

